जबलपुर
शुक्रवार 17 अप्रैल 2026
वैशाख मास कृष्ण पक्ष -अमावस्या
वर्ष : 20, अंक : 346
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 36
न्यून. 20

# हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

### दिल्ली एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला

## स्पाइसजेट और अकासा एयर के विमानों के पंख आपस में टकरा गए

सभी यात्री और चालक दल पूरी तरह सुरक्षित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब टैक्सीइंग के दौरान स्पाइसजेट का एक विमान अकासा एयर के विमान से टकरा गया। इस घटना में दोनों विमानों को नुकसान पहुंचा, हालांकि राहत की बात यह रही कि सभी यात्री और क्रू पूरी तरह सुरक्षित हैं। स्पाइसजेट का बी737-700 विमान रनवे की ओर बढ़ रहा था, तभी उसका दाहिना विंगलेट दूसरे विमान से टकरा गया। इस टक्कर से दूसरे विमान के लेफ्ट हैंड हॉरिजॉन्टल स्टेबलाइजर को भी नुकसान हुआ। तकनीकी जांच जारी है।

### डीजीसीए ने जांच शुरू की

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने दिल्ली एयरपोर्ट पर हुई विमान टक्कर की घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि टक्कर कैसे हुई और क्या प्रक्रियागत चूक हुई?

### सुंदरलाल पटवा राष्ट्रीय नगर प्रबंधन संस्थान में 'शहरी सुधार कार्यशाला' के शुभारंभ पर बोले मंत्री विजयवर्गीय

# आने वाला वक्त शहरीकरण का.. इसलिए शहरी केंद्रों को विकास केंद्र बनाएं, वहां रोजगार के मौके पैदा करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का कहना है कि आने वाला वक्त शहरीकरण का है। इसलिए शहरी केंद्रों को विकास केंद्र बनाएं, वहां रोजगार के अवसर पैदा करें। सभी नगरीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाएं। विजयवर्गीय गुरुवार को सुंदरलाल पटवा राष्ट्रीय नगर प्रबंधन संस्थान में शहरी सुधार कार्यशाला का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप हमें सभी नगरीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाना है।

- *सभी नगरीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाएं*
- *प्रदेश के सभी 16 नगर निगमों के आयुक्त, मुख्य नगरपालिका अधिकारी और वरिष्ठ अधिकारी इस कार्यशाला में शामिल*

विजयवर्गीय आर्थिक सुदृढ़ीकरण पर चर्चा करते हुए

### नवाचार और राजस्व वृद्धि पर विशेष जोर

विजयवर्गीय ने नगरों के आर्थिक सुदृढ़ीकरण पर चर्चा करते हुए भूमि मुद्रीकरण और भूमि के कुशल प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि नगरीय भूमि का उपयोग जनकल्याणकारी और विकास कार्यों के लिए प्रभावी ढंग से हो।

### मुख्य उद्देश्य सुव्यवस्थित कार्य योजना तैयार करना: दुबे

अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस संस्थान में प्रथम बार इस प्रकार का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आगामी वर्ष के लिए एक सुव्यवस्थित कार्ययोजना तैयार करना और नियोजित विकास के साथ नागरिक जागरूकता विकसित करना है। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य केंद्र नागरिक संतुष्टि और मूलभूत सिद्धांतों पर कार्य करना है। इस कार्यशाला के माध्यम से आगामी दो दिनों तक नगरीय निकायों की कार्यप्रणाली में सुधार, समीक्षा और संवाद का क्रम निरंतर जारी रहेगा, ताकि प्रदेश के शहरों को आधुनिक और जन-सुविधाओं से युक्त बनाया जा सके।

### अमेरिका-ईरान के बीच बन सकती है बात, व्हाइट हाउस आशान्वित

# अब युद्ध के आसार कम, पाक में फिर होगी वार्ता, इससे समझौते की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

- राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि इस संवाद को पाकिस्तान के माध्यम से ही आगे बढ़ाना अहम है और इसलिए यह प्रक्रिया जारी है

अमेरिका और ईरान में बात बनने के नजदीक है। बैक डोर से दोनों देशों के बीच बात चल रही है। अगली वार्ता फिर पाक में हो सकती है। इस बातचीत को लेकर व्हाइट हाउस काफी आशान्वित है। हालांकि, 7 अप्रैल को घोषित यह संघर्ष विराम अगले मंगलवार को समाप्त होने वाला है।

यानी, उससे पहले ही शांति समझौता होने की उम्मीद है। क्यों कि, दोनों तरफ से सीजफायर दो हफ्ते बढ़ाने को कोई अनुरोध नहीं किया गया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि हमने संघर्ष विराम बढ़ाने के लिए औपचारिक अनुरोध किया है। हम वार्ताओं में पूरी तरह से जुड़े हुए हैं। आपने इस हफ्ते उपराष्ट्र पति (जेडी वेंस) और राष्ट्र पति (डोनाल्ड ट्रंप) से सुना है कि यह बातचीत परिणाम दे रही है और जारी है और अभी हम उसी स्थिति में हैं। हमें समझौता होने की उम्मीद नजर आ रही है।

7 अप्रैल को घोषित संघर्ष विराम अगले मंगलवार को समाप्त हो जाएगा



- *पाकिस्तान इस बातचीत में एकमात्र मध्यस्थ*
- *जबकि दुनिया के कई देश मदद की पेशकश कर रहे हैं*

### मुनीर पहुंचे तेहरान, दूसरे दौर की वार्ता की जमीन तैयार

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि उनका देश शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्धता है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर के साथ मुलाकात के बाद अराघची ने यह बात कहते हुए वार्ता में दिलचस्पी रखने का संकेत दिया है। असीम मुनीर बुधवार को तेहरान पहुंचे हैं, जहां अराघची ने उनका स्वागत किया। मुनीर का तेहरान दौरा ईरान-अमेरिका के बीच दूसरे दौर की वार्ता की जमीन तैयार करने के लिए है। अब्बास अराघची ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में बातचीत को आगे बढ़ाने में पाकिस्तान की भूमिका की सराहना करते हुए क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

**अमेरिका ने कहा**

### ईरान के पास समझौता करने का मौका

अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी है कि अगर उसने पीस डील नहीं मानी, तो फिर से जंग शुरू हो सकती है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि ईरान के पास समझौता करने का मौका है, लेकिन अगर उसने इसे ठुकराया तो अमेरिका दोबारा सैन्य कार्रवाई शुरू करेगा। उन्होंने बताया कि अमेरिकी फोर्सेस पूरी तरह तैयार हैं और किसी भी समय कॉम्बैट ऑपरेशन शुरू कर सकती हैं। हेगसेथ ने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश का इंतजार कर रही है और निर्देश मिलते ही कार्रवाई शुरू की जा सकती है। हेगसेथ ने कहा है कि अमेरिका ईरान पर नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखेगा।

### पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया पर जताई चिंता

ऑस्ट्रिया के संघीय चांसलर स्टॉकर से चर्चा

# सैन्य संघर्ष से समस्याओं का समाधान संभव नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया और यूक्रेन में चल रहे संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान की वकालत की। उन्होंने कहा कि सैन्य संघर्ष किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। पीएम ने ये बात नई दिल्ली में ऑस्ट्रिया के संघीय चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर से साथ वार्ता के बाद कही है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली में ऑस्ट्रिया के संघीय चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर के साथ उच्च स्तरीय वार्ता की। इस दौरान पीएम ने यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी युद्ध पर चिंता व्यक्त करते की और कहा कि आज पूरी दुनिया एक बहुत ही गंभीर और तनावपूर्ण स्थिति से गुजर रही है। दुनिया में व्याप्त इस तनावपूर्ण स्थिति का प्रभाव हम सभी महसूस कर रहे हैं। पीएम ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रिया इस बात पर सहमत हैं कि सैन्य संघर्ष से समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। हम यूक्रेन और पश्चिम एशिया में स्थिर, टिकाऊ और दीर्घकालिक शांति का समर्थन करते हैं। चांसलर विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से चार दिवसीय दौरे पर मंगलवार को नई दिल्ली पहुंचे हैं, ये उनकी पहली भारत की आधिकारिक यात्रा है।

### बांधवगढ़ में बाघ शावक की मौत

# गर्दन पर हमले के निशान, दूसरे बाघ के 'हमले' की है आशंका

पीछे का हिस्सा खाया, पोस्टमार्टम के बाद किया अंतिम संस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उमरिया

उमरिया के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में फिर से एक बाघ शावक की मौत हो गई है, जिसके बाद टाइगर रिजर्व प्रबंधन में हड़कंप मच गया है। बाघ शावक का शव क्षत-विक्षत हालत में मिला है। शावक की मौत के कारणों की जांच की जा रही है। पनपथा कोर के बीट बघडो में ये बाघ शावक नर है या मादा इसका पता अभी नहीं चल सका है। सूचना मिलते ही तत्काल एनटीसीए प्रोटोकॉल के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में डॉग स्क्वाड बुलाया गया।

### देश का भाग्य बदलने की क्षमता रखने वाला ऐतिहासिक निर्णय

# यह गर्व केवल अधिकार मिलने का नहीं.. बल्कि उस विश्वास का है, जो देश ने अपनी महिलाओं पर जताया

- महिला सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भागीदारी को मजबूत करेगा

▶▶ अनीता नागर सिंह चौहान, सांसद, रतलाम

नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण विधेयक) देश का भाग्य बदलने की क्षमता रखने वाला ऐतिहासिक निर्णय है, जो संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की 33 फीसदी भागीदारी सुनिश्चित करता है। सालों से संसद की दहलीज पर खड़ी भारत की बेटियों का इंतजार अब खत्म हुआ। यह निर्णय दशकों से लंबित महिला आरक्षण के मुद्दे को साकार करता है। बहनों को अपने क्षेत्र की समस्याओं को रखने का मौका मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए 'सबका साथ, सबका विकास' के नारे को साकार करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में इस ऐतिहासिक विधेयक को साकार रूप मिला।

### यह गहरा और स्थायी परिवर्तन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस अधिनियम का पारित होना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आज का भारत केवल आर्थिक या तकनीकी विकास की बात नहीं करता, बल्कि सामाजिक न्याय और समान अवसरों को भी उतनी ही प्राथमिकता देता है।

### एयर न्यूजीलैंड ने लॉन्च किया

## अब फ्लाइट में मिलेंगे बेड! मिट सकेगी थकान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

■ 40 से 45 हजार रुपए अलग से देने होंगे

लंबी हवाई यात्रा की थकान दूर करने के लिए एयर न्यूजीलैंड ने दुनिया का पहला इकोनॉमी स्काईनेस्ट बेड लॉन्च किया है। अब साधारण टिकट वाले यात्री भी फ्लाइट के अंदर बने खास स्लीपिंग पॉड्स में आराम से लेटकर सो सकेंगे। इन स्लीपिंग पॉड्स को बंक बेड की तरह डिजाइन किया गया है ।

### हाईकोर्ट से रेप पीड़िता को राहत

## 10 हफ्ते के गर्भ को खत्म करने का दिया आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ग्वालियर

■ आज से जेएएच में होगी प्रक्रिया

ग्वालियर हाईकोर्ट की एकल पीठ ने दुष्कर्म पीड़िता के पक्ष में महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए उसके गर्भपात की अनुमति दे दी है। कोर्ट के आदेश के अनुसार शुक्रवार सुबह 10 बजे जीआर मेडिकल कॉलेज में यह प्रक्रिया कराई जाएगी। पीड़िता की ओर से दायर याचिका में बताया गया कि 11 जनवरी को आरोपियों द्वारा उसे घर से ले जाकर दुष्कर्म किया गया।

### ग्वालियर में बड़ा हादसा टला

## एलिवेटेड कॉरिडोर रोड का 35 फीट लंबा गर्डर गिरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ग्वालियर

■ खेड़ापति कॉलोनी के पास हादसा एक मजदूर घायल

शहर के स्वर्ण रेखा नदी पर बन रहे निर्माणाधीन एलिवेटेड कॉरिडोर रोड के गर्डर का एक हिस्सा गुरुवार दोपहर लगभग 4 बजे अचानक गिर गया। इस हादसे में एक मजदूर घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना खेड़ापति कॉलोनी में खेड़ापति मंदिर के पास हुई। सीमेंट का यह गर्डर 35 फीट लंबा है।

### दिल्ली बम ब्लास्ट आरोपी से निदा खान का कनेक्शन

## 'व्हाइट कॉलर' आतंकी साजिश की जांच में जुटी एनआईए, स्पेशल सेल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नासिक स्थित टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की एचआर एग्जीक्यूटिव निदा खान के पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की आतंकी डॉ. शाहीन शाहिद से जुड़ने के मामले की जांच करने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल नासिक जा सकती है। निदा खान, लाल किला बम धमाके की आरोपित डॉ. शाहीन शाहिद के साथ लंबे समय से जुड़ी रही है। मुकदमा दर्ज होने के बाद से निदा खान फरार है। इस संबंध में नासिक पुलिस ने स्पेशल सेल को भी सूचित कर दिया है। निदा खान उन कट्टरपंथी नेटवर्क के संपर्क में थी जो शाहीन के जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े महिला विंग से जुड़े हुए हैं। जांच एजेंसियां अब इस पूरे मामले को एक 'हाइब्रिड' या 'व्हाइट-कालर' आतंकी साजिश के तौर पर देख रही है, जहां कॉर्पोरेट कार्यालयों का उपयोग कट्टरपंथ फैलाने और भर्ती करने के लिए किया जा रहा था। एसआईटी डिजिटल सुबूतों, वॉट्सएप चैट और अन्य दस्तावेज को खंगाल रही हैं। ताकि इस नेटवर्क की पूरी गहराई तक पहुंचा जा सके।

### छनानी 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

मामले में गिरफ्तार टीसीएस असिस्टेंट जनरल मैनेजर अश्विनी अशोक छनानी को बुधवार को अदालत ने 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि आवश्यकता पड़ने पर पुलिस हिरासत का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

### परमाणु ऊर्जा से चंद्रमा पर बने बेस, रोवर्स और मशीनों को चलाएगा यूएस

# ट्रंप ने चंद्रमा पर न्यूक्लियर रिएक्टर लगाने का दिया आदेश

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

- चंद्रमा पर परमाणु रिएक्टर से बिजली पैदा करेगा अमेरिका
- मंगल और चंद्रमा पर स्थाई इंसानी बस्तियां बसाने में अहम योजना

अंतरिक्ष में वर्चस्व कायम करने के लिए दुनिया के कई देशों के बीच होड़ मची हुई है। इनमें अमेरिका, चीन और रूस जैसे देशों का नाम प्रमुख रूप से शामिल है। अब इस बीच अंतरिक्ष को लेकर अमेरिका बड़ी तैयारी कर रहा है। अंतरिक्ष में इंसानों को भेज चुका अमेरिका अब परमाणु शक्ति को अंतरिक्ष में अपना हथियार बनाने की तैयारी में लगा है। व्हाइट हाउस ने एक नया आदेश जारी किया है, जिसनी दुनिया की अंतरिक्ष एजेंसियों का हैरान कर दिया है। व्हाइट हाउस ने नासा और रक्षा विभाग को चंद्रमा पर न्यूक्लियर रिएक्टर लगाने का आदेश दिया है।

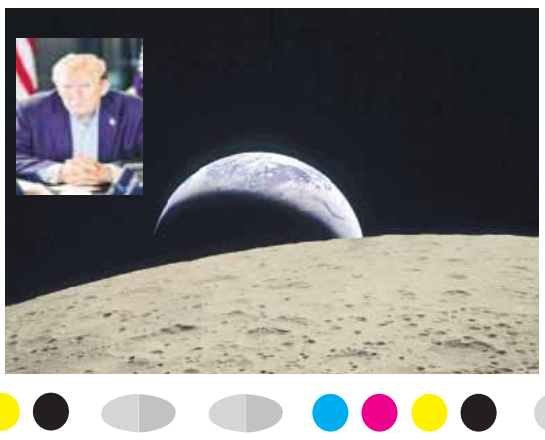

### 2030 तक की समयसीमा तय की अमेरिका ने

अमेरिका की सरकार ने साल 2028 तक अंतरिक्ष आर्बिट में और 2030 तक चंद्रमा की सतह पर परमाणु रिएक्टर स्थापित करने की समयसीमा तय की है। अंतरिक्ष में अमेरिका का परमाणु रिएक्टर लगाने का मकसद बिजली पैदा करना है। यह एक मशीन की तरह है, जिससे निकली ऊर्जा से चंद्रमा पर बने बेस, रोवर्स और मशीनों को चलाया जा सके।

### सूर्य की रोशनी न होने से ऊर्जा संकट

अभी तक अंतरिक्ष यान को मुख्य तौर पर सोलर एनर्जी या केमिकल फ्यूल से चलाया जाता है। लेकिन चंद्रमा के चंद्रमा के अंधेरे इलाकों या मंगल जैसे सुदूर ग्रहों पर सूर्य की रोशनी से ठीक से नहीं पहुंचती है। इसलिए वहां पर ऊर्जा संकट है। अमेरिका मानता है कि चंद्रमा और मंगल पर स्थायी इंसानी बस्तियां बसाने के लिए सिर्फ परमाणु ऊर्जा ही विकल्प है, जो बिना रुके बिजली, गर्मी प्रदान कर सकता है।

### भारत-अमेरिका ऊर्जा साझेदारी पर जोर

# सर्जियो गोर और पुरी की अहम बैठक द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत-अमेरिका के बीच ऊर्जा सहयोग को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के बीच महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस दौरान ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और नए अवसरों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई। बैठक के बाद सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच ऊर्जा साझेदारी को आगे बढ़ाने पर सकारात्मक बातचीत हुई। उन्होंने भरोसेमंद अमेरिकी ऊर्जा तक पहुंच के विस्तार को आर्थिक संबंधों को मजबूत करने वाला कदम बताया। हरदीप सिंह पुरी ने भी बैठक को सार्थक बताते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग को और सुदृढ़ बनाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने अमेरिकी राजदूत का स्वागत करते हुए इस साझेदारी को अहम बताया। राजदूत सर्जियो गोर ने संकेत दिया कि भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूत करने के लिए आने वाले दिनों में कुछ बड़े फैसले सामने आ सकते हैं।

# आइए, हम मिलकर भारत की नारी शक्ति को सशक्त करें

## आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं

21वीं सदी की विकास यात्रा में हमारा भारत एक महत्त्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगी। यह ऐसा समय है, जब हमारे देश की संसद को एक महत्त्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा।

हमारी नारीशक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आज देश के हर सेक्टर में नारीशक्ति मिसाल बन रही है। साइंस ऐंड टेक्नॉलजी से लेकर एंटरप्रेन्योरशिप तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र में महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं। इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तीकरण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है।

लेकिन ये भी सच्चाई है कि इन सारे प्रयासों के बावजूद भी राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है। इस कमी को अब दूर किया जाना चाहिए, क्योंकि जब महिलाएं प्रशासन चलाने और प्रशासनिक निर्णयों में हिस्सा लेती हैं, तो उनका अनुभव और विजन बहुत काम आता है। इससे चर्चा तो समृद्ध होती ही है, क्वालिटी ऑफ गवर्नेंस में सुधार भी होता है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, ये हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, अधिक संतुलित और अधिक उत्तरदायी बनाने का प्रयास है। पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए हैं। समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसौदे प्रस्तुत किए गए, लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है।

अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधान सभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं। महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना, उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें राष्ट्र का भविष्य तय करने में प्रत्येक नागरिक की समान भूमिका हो।

अब इस निर्णय को और टाला नहीं जा सकता। दशकों से इसकी आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। इस पर चर्चा हुई है, इसे बार बार दोहराया गया है। अगर अब भी हम इसे आगे टालते हैं, तो उसका अर्थ यही होगा कि हम उस असंतुलन को और लंबा खींच रहे हैं, जिसे हम पहचानते भी हैं और सुधारने की क्षमता भी रखते हैं। आज भारत पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इसलिए ये जरूरी है कि हमारी संस्थाएं सभी नागरिकों, विशेष रूप से हमारी आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करें। इससे न सिर्फ दशकों पुराना संकल्प पूरा होगा, बल्कि विकास की गति को बनाए रखने में भी बहुत मदद मिलेगी। यह हमारे लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाने और भविष्य के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम होगा। यह समय सामूहिक संकल्प का है। यह किसी एक सरकार, एक दल या एक व्यक्ति का विषय नहीं है। यह पूरे राष्ट्र का विषय है। हमें मिलकर इस कदम के महत्त्व को समझना है और मिलकर ही इसे साकार करना है। यही हमारी नारी शक्ति के प्रति हमारा दायित्व भी है, इसलिए महिला आरक्षण बिल को पारित कराने के लिए सहमति बहुत जरूरी है। इसे बड़े राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर देखा जाना चाहिए। ये हमें याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र की असली ताकत समय के साथ खुद को और अधिक न्यायपूर्ण और अधिक समावेशी बनाने की क्षमता में होती है। हम जिम्मेदारी और दृढ़ संकल्प के साथ इस दायित्व को पूरा करें। आइए, हम अपने लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

**नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री**

### नारी सशक्तिकरण की नई दास्तां, प्रदेश ही नहीं देश में भी लिखी जा रही

# नारी शक्ति वंदन अधिनियम से सशक्त होगी देश की आधी आबादी और बढ़ेगी भागीदारी

- *प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर एक वर्ग का विशेष ख्याल रखा है।*
- *आधी आबादी ने भागीदारी सुनिश्चित करने में केंद्र की सरकार का बड़ा योगदान*

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश महिला सशक्तीकरण अब केवल नीतियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह जमीनी हकीकत बन चुका है। केंद्र सरकार के प्रयास और प्रदेश स्तर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल ने महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर दिया है। यही कारण है कि आज महिलाएं मैनेजमेंट, नेतृत्व और निर्णय लेने की भूमिका में तेजी से अपनी पहचान बना रही हैं। केंद्र सरकार ने नारी शक्ति को आगे लाने के लिए योजनाओं की एक मजबूत श्रृंखला तैयार की है। इन प्रयासों का असर यह हुआ कि महिलाएं आज हर सेक्टर में अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रही है। चाहे प्रशासनिक सेवा हो, शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान या राजनीति, हर जगह महिलाओं ने अपने काम से पहचान बनाई है। मध्यप्रदेश इसका सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया है। प्रदेश में महिलाओं की भागीदारी सिर्फ संख्या में नहीं बढ़ी, बल्कि नेतृत्व की गुणवत्ता में भी नजर आती है। वर्तमान में राज्य के 17 जिलों में महिला कलेक्टर पदस्थ हैं, जो प्रशासनिक स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी संभाल रही हैं। नगरीय निकायों की बात करें तो 16 में से 9 नगर निगमों में महिला महापौर हैं।

स्थानीय स्वशासन में महिलाओं की भूमिका और भी प्रभावी दिखती है। प्रदेश के 7321 पार्षदों में 4154 महिलाएं हैं, जो शहरी विकास की दिशा तय कर रही है। जिला पंचायतों में 875 सदस्यों में से 519 महिलाएं है, जबकि 6771 जनपद पंचायत सदस्यों में 4068 महिलाएं शामिल हैं। ग्राम पंचायत स्तर परं तो यह बदलाव और भी व्यापक है, जहां 22923 ग्राम पंचायतों में से 12319 में महिला सरपंच नेतृत्व कर रही हैं।

## नेतृत्व में बढ़ी भागीदारी, समाज का चेहरा भी बदला

### मुद्दों की बेहतर समझ

महिलाओं का मैनेजमेंट सिर्फ फाइलों और योजनाओं तक सीमित नहीं होता। वे हर काम को लोगों के जीवन से जोड़कर देखती हैं। पानी की समस्या हो या राशन वितरण, महिलाएं पहले जरूरत की गहराई समझती है। संसाधनों का उपयोग अधिक संतुलित और व्यर्थ खर्च पर नियंत्रण करती हैं।

नतीजा: योजनाएं कागज से निकलकर सीधे लोगों तक पहुंचती हैं।

### हर फैसले पर अच्छे से करतीं हैं विचार

महिलाओं के नेतृत्व में काम करने की कुछ विशेषताएं साफ दिखती है, जैसे वे निर्णय लेने में जल्दबाजी कभी नहीं करतीं। हर पहलू पर अच्छे से विचार करती हैं। भ्रष्टाचार के मामलों में सख्ती और पारदर्शिता पर उनका जोर रहता है। जनता के साथ सीधा संवाद करती हैं।

नतीजा: लोगों का भरोसा बढ़ता है, शासन मजबूत होता है।

### विवाद नहीं, समाधान पर करतीं हैं बात

महिला नेतृत्व का सबसे बड़ा प्रभाव फैसलों की गुणवत्ता में दिखता है। सरपंच, नगर पालिका अध्यक्ष, महापौर, विधायक और सांसद बनने पर महिलाएं स्थानीय समस्याओं को प्राथमिकता देती हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता जैसे मुद्दे तेजी से आगे आते हैं। विवाद नहीं, समाधान पर बात होती है।

नतीजा: समाज में तनाव कम, सहयोग की भावना मजबूत ।

### हर वर्ग पर समान फोकस

जब महिलाएं नेतृत्व करती हैं तो विकास का असर पूर्ण रूप से हर स्तर पर नजर आता है। जैसे गावों में पेयजल, स्कूल और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होता है। महिलाओं और बच्चों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता मिलती है। परिवार और समाज में जागरूकता का विस्तार होता है।

नतीजा: विकास केवल दिखावा नहीं, जीवन स्तर में सुधार होता है।

## समाज की शिल्पकार है नारी

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कहना है कि नारी समाज की आदर्श शिल्पकार है... भारतीय दर्शन का यह उल्लेख नारी शक्ति और निर्माण का आहान है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आवास, उज्ज्वला, आयुष्मान, मातृ वंदना, महिला स्व रोजगार, सुकन्या समृद्धि आदि योजनाओं की श्रृंखला से महिलाओं के समग्र विकास को सुनिश्चित किया है।

## इन योजनाओं से महिलाओं की तरक्की को लगे पंख

### प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

- 9 लाख 70 हजार पंजीयन, 512करोड़ का भुगतान
- मध्यप्रदेश द्वारा शत प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को आर्थिक सहायता

### मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना

- 1500 रुपए प्रतिमाह
- 2023 से मार्च 2026 तक 54 हजार करोड़ 1.25 करोड़ बहनों को आर्थिक सहायता

### प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

- 89 लाख मुफ्त जैस कनेक्शन
- 29 लाख बहनों को गैस सिलेंडर रिफलिंग के लिए 11 हजार 80 करोड़ रुपए का अंतरण।

### महिला स्व सहायता समूह

- 5 लाख स्व सहायता समूह के 62 लाख सदस्य
- 10 हजार 560 करोड़ की

### नमो ड्रोन दीदी योजना

- 89 नमो ड्रोन दीदी कृषि कार्य में दे रही सहयोग।

### प्रधानमंत्री मुद्रा योजना

- 2.81 करोड़ के खातों में 1.55 लाख करोड़ अंतरित 70 प्रतिशत खाता धारक महिलाएं

# यशोदा माता, पन्नाधाय, अहिल्याबाई और रानी दुर्गावती का उत्कृष्ट व्यक्तित्व अमर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहना है कि इंदौर में सुशासन स्थापित करने वाली लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने प्रजा के हितों की रक्षा के लिए पूरा जीवन समर्पित कर दिया। जब पेशवा की सेना राज्य पर आक्रमण करने आई तो माता अहिल्याबाई ने सेना तैयार की, जिसका नेतृत्व उन्होंने स्वयं किया था। उन्होंने अपनी युक्ति और बुद्धि से पेशवाओं को सचेत किया कि बहनों से युद्ध करने पर इतिहास में इसका परिणाम किस प्रकार देखा जाएगा। बहनें कभी हारने वाली नहीं हैं, अगर हार भी गए तो पेशवाओं के माथे पर कलंक लगेगा कि उन्होंने पूरी ताकत से लड़ते हुए राज्य की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने का कहना है कि महाकौशल की रानी दुर्गावती ने अकबर के शासनकाल में 52 युद्ध लड़े और सभी में विजय प्राप्त की थी। आखिरी युद्ध में दुश्मन सेना ने तोप का प्रयोग किया। तब रानी ने अपने महावत को आज्ञा पूर्वक खंजर सौंपते हुए कहा कि मैं आखिरी सांस तक युद्ध करूंगी, अगर सेना पराजय की स्थिति में आए तो तुम मेरी जीवन लीला समाप्त कर देना। रानी दुर्गावती ने राज्य की रक्षा के लिए स्वयं को बलिदान कर दिया।

# जब भी महिलाओं को अवसर मिलता, तभी वे कमाल कर जातीं

### एक सीजन में 40 हजार कमा लेती हैं ड्रोन दीदी

आगर-मालवा जिले के ग्राम थड़ौदा की रीना चंदेल की जिंदगी को योजना से एक नई दिशा मिली है। रीना बताती हैं कि वे अब किसानों के खेतों में नैनो यूरिया और नैनो पेस्टिसाइड का ड्रोन से छिड़काव करती हैं। इसके बदले उन्हें प्रति हेक्टेयर की दर से भुगतान प्राप्त होता है। केवल एक कृषि सीजन में वे 40,000 रुपये से अधिक की आमदनी कर लेती हैं और सालभर में यह आय 1 लाख रुपये तक पहुंच जाती है। साथ ही, वे किसानों को नैनो टेक्नोलॉजी के उपयोग के प्रति जागरूक भी कर रही हैं। ड्रोन तकनीक से संतुलित और प्रभावी छिड़काव संभव होता है, जिससे किसानों को शत-प्रतिशत लाभ मिलता है। मजदूरों की तुलना में यह प्रक्रिया कम समय और कम लागत में पूरी हो जाती है। एक हेक्टेयर खेत में मात्र 5 से 10 मिनट में स्प्रे संभव है। रीना चंदेल नेता वर्ष 2024 में इंदौर एवं भोपाल में ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण उन्हें मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत निशुल्क दिया गया। रीना की मेहनत को देखते हुए कृषि विभाग ने उन्हें कृषि सखी की जिम्मेदारी भी सौंपी है। प्रशिक्षण के बाद वह समूह की महिलाओं और किसानों को तकनीकों की जानकारी दे रही हैं। इस कार्य के लिए उन्हें विभाग की ओर से 5 हजार का मानदेय दिया जा रहा है।

### गृहिणी से उद्यमी बनीं कविता दुबे बनी हैं प्रेरणास्रोत

एक गृहिणी से सफल व्यवसायी बनने तक का सफर तय करने वाली कविता दुबे आत्मनिर्भरता की मजबूत मिसाल बन चुकी है। कभी घर की जिम्मेदारियों तक सीमित रहने वाली कविता ने अब अपनी पहचान खुद बनाई है और यह बदलाव उनकी मेहनत के साथ सरकारी योजना के सहयोग से संभव हुआ है। परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए कुछ अलग करने की चाह ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इसी दौरान उन्हें मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना की जानकारी मिली। योजना के तहत मिली आर्थिक सहायता ने उनके आत्मविश्वास को नई ताकत दी और उन्होंने अपना व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया। वर्ष 2023 में कविता ने 'नारायणी लेडीज कलेक्शन के नाम से दुकान खोली। शुरुआत छोटे स्तर पर हुई, लेकिन सोच बड़ी थी। आज उनकी दुकान महिलाओं की जरूरतों का भरोसेमंद केंद्र बन चुकी है, जहां लहंगे, सूट, साड़ियां, कुर्तियां, ब्लाउज और आर्टिफिशियल ज्वेलरी उपलब्ध है। आज कविता हर महीने 15 से 20 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही है। यह कमाई उनके परिवार के लिए सहारा बनी है। कविता अब अपने काम को और आगे बढ़ाकर दूसरों को भी रोजगार देने का सपना देख रही हैं।

D-19022/26

**अमेरिका ने दिखाई सख्ती**

# बात के साथ क्या अमेरिका कर रहा है घात...रूसी और ईरानी तेल पर 30 दिन की छूट खत्म, तेहरान के खिलाफ 'ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी' चलाने की भी तैयारी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन/ तेहरान

अमेरिका ने रूस और ईरान से तेल खरीद पर प्रतिबंधों में दी गई छूट को आगे बढ़ाने से साफ इनकार कर दिया है, जिससे पश्चिम एशिया संकट के चलते संकट से गुजर रहे वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए और परेशानी बढ़ सकती है। व्हाइट हाउस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि हम रूसी तेल पर दी गई सामान्य लाइसेंस (छूट) को नवीनीकृत नहीं करेंगे और न ही ईरानी तेल पर दी गई छूट को बढ़ाएंगे। अमेरिकी वित्त मंत्री ने साफ किया कि यह छूट केवल उन तेल खेपों पर लागू थी, जो 11 मार्च से पहले समुद्र में थीं और अब उनका उपयोग हो चुका है। बता दें, 5 मार्च को अमेरिका ने यूक्रेन युद्ध के चलते लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद भारत समेत कई अन्य देशों को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिन की अस्थाई छूट दी थी। इस छूट की अवधि 11 अप्रैल को समाप्त हो गई। अब अमेरिका ने इस छूट की अवधि को आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया है।

भारत ने मार्च में छूट का फायदा उठाते हुए रूस से तेल आयात दोगुना कर दिया था। मार्च के महीने में ही रूसी तेल का आयात 21 लाख बैरल प्रति दिन तक जा पहुंचा है। अमेरिका की ओर से मिली छूट का भारत ने जमकर फायदा उठाया है। इससे पहले अक्टूबर, 2025 में अमेरिकी पाबंदी लगाने के बाद से भारत का रूस से तेल आयात बेहद गिर गया था। यह तेल आयात नवंबर, 2025 में 18.5 लाख बैरल रोजाना से गिरकर फरवरी, 2026 तक 10.6 लाख बैरल प्रतिदिन पर आ गया था। अब छूट वापस लिए जाने के बाद भारत पर भी इसका असर होना तय है।

### छूट के दौरान भारत ने रूस से तेल आयात दोगुना कर दिया था

### चीन, ईरान से उसकी तेल आपूर्ति का 90 प्रतिशत से अधिक खरीद रहा

### चीन को भी चेतावनी

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट

अमेरिका ने ईरान और चीन के बीच तेल व्यापार को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए संकेत दिया है कि वह इसमें शामिल संस्थानों पर कड़े कदम उठा सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा कि ईरान, दुनिया में आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले प्रमुख देशों में शामिल रहा है। चीन उसकी तेल आपूर्ति का 90 प्रतिशत से अधिक खरीद रहा था, जो चीन की कुल ऊर्जा जरूरतों का करीब 8 प्रतिशत हिस्सा है। अमेरिका का मानना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी नाकेबंदी के चलते चीनी खरीद में अस्थाई ठहराव आ सकता है।

### ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 94.49 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

अमेरिका और ईरान के बीच संभावित वार्ता को लेकर सकारात्मक संकेतों के बीच गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट दर्ज की गई। व्हाइट हाउस ने कहा है कि उसे पश्चिम एशिया में जारी तनाव को खत्म करने के लिए ईरान के साथ नई वार्ता की संभावना को लेकर आशा है, जिसके बाद बाजार में नरमी देखी गई। ब्रेंट क्रूड की कीमत 44 सेंट यानी 0.5% गिरकर 94.49 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 70 सेंट यानी 0.8% टूटकर 90.59 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

### होर्मुज की नाकेबंदी पर ईरान की यूएस को धमकी, कहा हममें इतनी ताकत पहली मिसाइल से ही अमेरिकी जहाजों को डुबो देंगे

अमेरिका ने अरब और ओमान की खाड़ी में ईरानी बंदरगाहों की पूरी तरह नाकेबंदी कर दी है। अब किसी भी देश का जहाज ईरान के बंदरगाहों पर न तो आ सकता है और न ही वहां से जा सकता है। अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत ओमान की खाड़ी में लगातार गश्त कर रहे हैं। इस कार्रवाई पर ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के सैन्य सलाहकार मोहसिन रेजाई ने अमेरिका को सीधी धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी करने का फैसला करता है, तो ईरान अमेरिकी जहाजों को डुबो देगा। मोहसिन रेजाई को पिछले महीने ही सैन्य सलाहकार नियुक्त किया गया था। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर तंज कसते हुए पूछा कि क्या ट्रंप अब होर्मुज जलडमरूमध्य के पुलिस बनना चाहते हैं? उन्होंने सवाल किया कि क्या यह वास्तव में आपका काम है? क्या यह अमेरिका जैसी शक्तिशाली सेना का काम है? रेजाई ने कहा कि अमेरिकी जहाज ईरान की पहली मिसाइल की मार से ही समुद्र में डूब जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि ये जहाज निश्चित रूप से ईरानी मिसाइलों की चपेट में आ सकते हैं और हम इन्हें नष्ट कर सकते हैं।

### एक अमेरिकी बंधक सैनिक के बदले एक अरब डॉलर मांगेंगे

रेजाई ने यह भी कहा कि अगर अमेरिका ईरान पर जमीनी हमला करता है, तो यह ईरान के लिए और भी अच्छा होगा। उन्होंने दावा किया कि वे हजारों अमेरिकी सैनिकों को पकड़ लेंगे और फिर हर एक बंधक सैनिक के बदले अमेरिका से एक अरब डॉलर की मांग करेंगे। रेजाई ने साफ किया कि वे व्यक्तिगत रूप से युद्धविराम को आगे बढ़ाने के पक्ष में नहीं हैं।

### ईरान पर तेल कारोबार, बैंकिंग लेन-देन पर प्रतिबंध

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान की कमर तोड़ने के लिए कड़े आर्थिक प्रतिबंधों के तहत 'ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी' की तैयारी भी कर ली है। तेल कारोबार, बैंकिंग लेन-देन और विदेशी फंड पर कड़े प्रतिबंध भी लगाए जा रहे हैं, जिससे ईरान पर चौतरफा दबाव बनाया जा सके। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि यह कदम ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी के तहत उठाया जा रहा है। उनका कहना है कि पिछले एक साल से ईरान पर अधिकतम दबाव बनाया जा रहा है।

### उन देशों पर भी सख्ती जिनके पास ईरान के पैसे

अमेरिका अब उन देशों से भी सख्त कदम उठाने को कह रहा है, जिनके पास ईरान से जुड़े पैसे हैं। खासकर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर और ईरानी नेतृत्व से जुड़े फंड को फ्रीज करने की मांग की जा रही है। ऐसे में अमेरिका ने साफ चेतावनी दी है कि अगर कोई देश ईरानी तेल खरीदता है या उसके पैसे अपने बैंकों में रखता है, तो उस पर सेकेंडरी सैंक्शन यानी अप्रत्यक्ष प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

### अमेरिका ने चीन के दो बैंकों को चेताया

स्कॉट बेसेंट ने बताया कि इस संदर्भ में चीन के दो बैंकों को पत्र भेजे हैं। हालांकि, इन बैंकों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। अमेरिका ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि ये साबित होता है कि इन बैंकों के माध्यम से ईरानी धन का लेन-देन हो रहा है, तो उनके खिलाफ द्वितीयक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। अमेरिका का कहना है कि हाल ही में ईरान की कुछ गतिविधियों, खासकर पड़ोसी खाड़ी देशों के साथ तनाव, की वजह से अब कई देश भी सतर्क हो गए हैं और पैसे के लेन-देन पर ज्यादा नजर रख रहे हैं।

**अमेरिका ने होर्मुज में की नाकेबंदी**

### यूएस नौसेना ने अब तक 10 ईरानी जहाजों को खदेड़ा

*अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि उनके मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत 'यूएसएस स्प्रुएंस' ने ईरान के झंडे वाले एक मालवाहक जहाज को वापस ईरान लौटने पर मजबूर कर दिया। यह इस क्षेत्र में चल रही अमेरिकी नाकेबंदी के तहत की गई नवीनतम कार्रवाई है। यह ईरानी जहाज बंदर अब्बास से निकला था। जहाज ने इस हफ्ते शुरू हुई नाकेबंदी की पाबंदियों से बचने का प्रयास किया। अमेरिकी युद्धपोत 'यूएसएस स्प्रुएंस' ने सफलतापूर्वक इस जहाज का रास्ता बदल दिया। अब यह जहाज वापस ईरान की ओर लौट रहा है। अमेरिकी सेना ने बताया कि सोमवार को नाकेबंदी शुरू होने के बाद से अब तक कुल 10 जहाजों को वापस भेजा जा चुका है।*

### 3 दिन में ईरान का समुद्री व्यापार रोका

सेंटकॉम के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा कि नाकेबंदी शुरू होने के मात्र 36 घंटों के भीतर अमेरिकी सेना ने ईरान के समुद्री व्यापार को प्रभावी ढंग से रोक दिया है। यह नाकेबंदी फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में स्थित ईरान के सभी बंदरगाहों पर लागू है। अमेरिकी सेना ने कहा कि वे केवल ईरानी बंदरगाहों पर जाने वाले जहाजों को रोक रहे हैं। जो जहाज गैर-ईरानी बंदरगाहों की ओर जा रहे हैं, उनके लिए होर्मुज में आवाजाही की पूरी आजादी बनी रहेगी।

### ईरान का यूरेनियम संवर्धन पर समझौते से स्पष्ट इनकार

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि ईरान अपने परमाणु संवर्धन अधिकारों से कोई समझौता नहीं करेगा। परमाणु ऊर्जा पर उसका अधिकार अंतरराष्ट्रीय कानून और परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) पर आधारित है। तेहरान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बाघेई ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत ईरान के वैध अधिकार पर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण परमाणु संवर्धन का अधिकार किसी बाहरी शक्ति की कृपा या रियायत नहीं है, जिसे दबाव या संघर्ष के समय वापस लिया जा सके। जब तक ईरान एनपीटी का सदस्य है, उसे इस संधि के सभी प्रावधानों का पूरा लाभ मिलना चाहिए। बाघेई ने कहा कि किसी भी संभावित समझौते के लिए पहले एक व्यापक ढांचा तय होना जरूरी है। जब तक बुनियादी शर्तें तय नहीं होतीं, तब तक युद्ध और शांति जैसे संवेदनशील मुद्दों पर विस्तृत बातचीत जल्दबाजी होगी।

**दक्षिणी लेबनान में भीषण झड़पें**

### इजराइली एयरस्ट्राइक में अस्पताल क्षतिग्रस्त

दक्षिणी लेबनान में बिन्त जेबील शहर में हिजबुल्ला लड़ाकों और इजराइली सेना के बीच गुरुवार सुबह भारी संघर्ष शुरू हो गया। इस दौरान इजराइल ने युद्धक विमानों और हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया। शहर के प्रवेश द्वारों और अल-मिहानिया इलाके में रुक-रुक कर झड़पें जारी हैं। वहीं, इजराइली बलों ने शहर के ग्रैंड मार्केट के प्रवेश क्षेत्र में कई घरों को भी ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा, इजराइली लड़ाकू विमानों ने टेबनाइन शहर पर हवाई हमला किया, जिससे स्थानीय अस्पताल को भारी नुकसान पहुंचा है।

### हिजबुल्लाह का इजराइल पर हमला

लेबनान के सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने पिछले 24 घंटों में 39 सैन्य अभियान चलाए हैं। इन हमलों में इजराइली बस्तियों, सैनिकों की टुकड़ियों और सैन्य वाहनों को निशाना बनाया गया। दक्षिणी सीमा और उत्तरी इजराइल में आमने-सामने झड़पें भी हुईं।

### हिजबुल्लाह को खत्म करके रहेंगे: नेतन्याहू

इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइली सेना दक्षिण लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अभियान जारी रखेगी। नेतन्याहू ने बिंट जबील को हिजबुल्लाह का मुख्य गढ़ बताया और इसे पूरी तरह खत्म करने का संकल्प लिया। नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल शांति के लिए लेबनान के साथ बातचीत कर रहा है। उनका लक्ष्य हिजबुल्लाह को खत्म करना और ताकत के जरिए शांति हासिल करना है।

**ईरान में जहाज पर फंसा भारतीय युवक**

*केरल के हरिपाड के रहने वाले जेरिन जॉर्ज के माता-पिता ने गुरुवार को अपने बेटे की सुरक्षित घर वापसी के लिए अधिकारियों से गुहार लगाई है। जॉर्ज पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से एक ईरानी जहाज पर फंसे हुए हैं। परिजनों के अनुसार, जेरिन जॉर्ज करीब 8 महीने पहले काम के सिलसिले में घर से निकले थे और 3 मार्च तक लौटने की उम्मीद थी। लेकिन फरवरी में युद्ध छिड़ने के बाद उनका जहाज वापस ईरान चला गया और तब से वह वहीं फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि जहाज पर खाने-पीने की कमी है और जॉर्ज किसी तरह गुजारा कर रहे हैं। परिवार की उनसे केवल कुछ बार फोन पर बात हो पाई है, लेकिन वीडियो कॉल संभव नहीं हो सका। वहीं, जॉर्ज के पिता ने बताया कि उन्होंने बेटे की वापसी के लिए के. सी. वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथलाको लिखित अनुरोध दिया है।*

### दुर्ग आने वाली ट्रेन में 'ब्रेक बाइंडिंग'

**चाईबासा।** झारखंड में गुरुवार को दक्षिण पूर्वी रेलवे के चक्रधरपुर संभाग में आरा-दुर्ग दक्षिण बिहार एक्सप्रेस के कई डिब्बों से धुआं निकलने लगा। यह घटना 'ब्रेक बाइंडिंग' की समस्या के कारण हुई। ट्रेन में 'ब्रेक बाइंडिंग' की समस्या आई जिसके कारण चक्रधरपुर संभाग में दो स्थानों पर ट्रेन के डिब्बों से धुआं निकलने लगा। रेलवे कर्मचारियों ने इसे देखा और ट्रेन को तुरंत रोक दिया गया। ब्रेक संबंधी दिक्कत ठीक की गयी। यह घटना दो स्थानों पर हुई। राउरकेला पहुंचने के बाद ट्रेन का निरीक्षण किया गया।

### स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

**चंडीगढ़।** चंडीगढ़ और पंजाब के बरनाला में गुरुवार को कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ई-मेल मिले। गहन जांच के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। बम की धमकियों की जानकारी मिलने के बाद पुलिस, बम निरोधक दस्ते, श्वान दस्ते और एम्बुलेंस व दमकल विभाग सहित अन्य दलों को तुरंत स्कूलों में भेजा गया। बरनाला के छह स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल मिले थे।

### भ्रष्टाचार रोकने नेपाल में जांच पैनल गठित

**काठमांडू।** नेपाल में नई सरकार ने भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। पीएम बने बालेंद्र शाह की सरकार ने पूर्व और वर्तमान नेताओं व अधिकारियों की संपत्ति की जांच के लिए एक पैनल गठित किया है। सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने बताया कि पांच सदस्यीय इस पैनल की अध्यक्षता सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट जज राजेन्द्र कुमार भंडारी करेंगे। इसका उद्देश्य पारदर्शिता लाना है। बढ़ाना और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण करना है।

### यूक्रेन में रूसी हमले में 16 लोगों की मौत

**कीव।** रूस ने यूक्रेन के नागरिक क्षेत्रों पर कई घंटे तक सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। इस हमले में कम से कम 16 लोग मारे गए और 80 से अधिक लोग घायल हो गए। रूस ने लगभग 700 ड्रोन और कई बैलिस्टिक एवं क्रूज मिसाइलें दागीं, जिनका मुख्य निशाना आम नागरिक थे। बमबारी यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की इस सप्ताह यूरोप की यात्रा के बाद हुई।

### लंदन में आंबेडकर की 136वीं जयंती मनाई

**लंदन।** लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने पुष्पांजलि अर्पित कर 'भारत रत्न' डॉ. बी. आर. आंबेडकर की 136वीं जयंती मनाई। 'इंडिया हाउस' के आंबेडकर हॉल में आयोजित कार्यक्रम में 'फेडरेशन ऑफ अंबेडकराइट एंड बुद्धिस्ट ऑर्गेनाइजेशन्स' (एफएबीओ) ब्रिटेन के सदस्यों और छात्रों ने काव्यात्मक प्रस्तुतियां दीं।

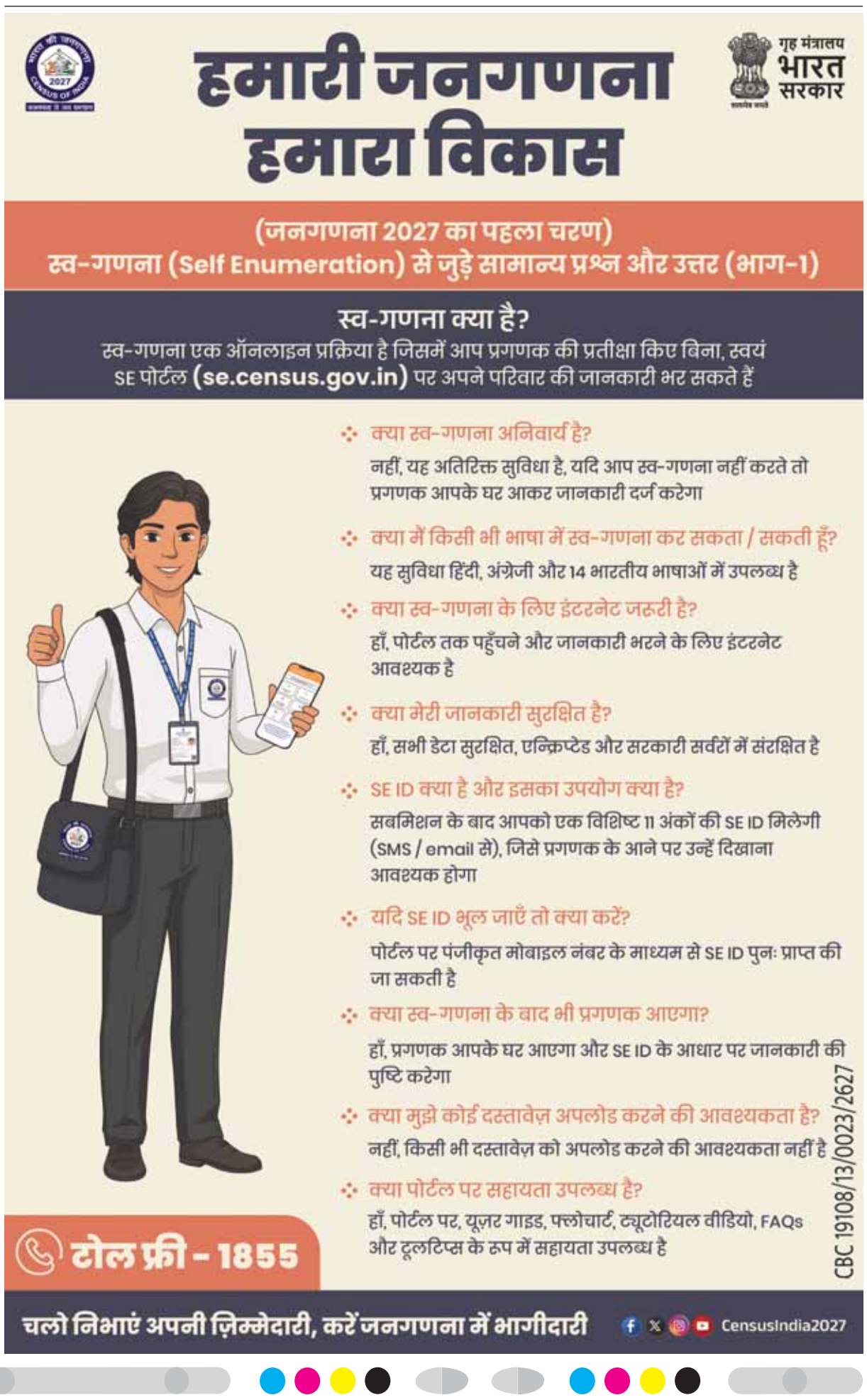

# एक दिन का ट्रेलर रिलीज दिखी ऑफिस वाली लव स्टोरी

**मुंबई।** एक तरफा प्यार करने वाले अक्सर कल्पनाएं खूब करते हैं। दुआएं भी काल्पनिक होती हैं। कुछ ऐसा ही फिल्म 'एक दिन' के गुरुवार को रिलीज हुए ट्रेलर में देखने को मिला है। साई पल्लवी और जुनैद खान अभिनीत फिल्म 'एक दिन' का दूसरा ट्रेलर जारी हो गया है। दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री है। रोमांस है। एक तरफा प्यार है। और, एक कोरी काल्पनिक कहानी है। ट्रेलर की शुरुआत ऑफिस के एक दृश्य से होती है। जुनैद आईटी विभाग में हैं। साई पल्लवी भी उसी ऑफिस में हैं। उनके किरदार का नाम मीरा है। जुनैद खान का किरदार मीरा को मन ही मन पसंद करता है, लेकिन दिल की बात कहने की हिम्मत नहीं है।

## लाइफ Style

# शरवरी

## मधुबाला की बायोपिक में निभाएंगी लीड रोल!

एजेंसी ▶▶ मुंबई

दिग्गज अभिनेत्री मधुबाला के जीवन पर बनने वाली फिल्म में उनकी भूमिका निभाने के लिए अभिनेत्री की तलाश जारी है। इस प्रोजेक्ट से कई बड़े नाम पहले ही जुड़ चुके हैं। वहीं, अब मधुबाला की बायोपिक में मुख्य भूमिका के लिए अभिनेत्री शरवरी के नाम पर भी विचार किया जा रहा है।

मधुबाला की बोयपिक में अभिनेत्री शरवरी की कास्टिंग की चर्चाएं तेज हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'शरवरी को फिल्म में लिए जाने की चर्चाएं सच हैं। कहा जा रहा है कि इस रोल के लिए जिन नामों पर विचार किया जा रहा है, उनमें शरवरी अब टॉप चॉइस में से एक हैं'। हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अभी यह भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है कि औपचारिक बातचीत चल रही है या शरवरी को इस प्रोजेक्ट के लिए साइन कर लिया गया है। मधुबाला की बायोपिक बॉलीवुड के सबसे ज्यादा चर्चित आगामी प्रोजेक्ट्स में से एक है। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सारा अर्जुन, कल्याणी प्रियदर्शन, साई पल्लवी और अनीत पड्डा जैसी एक्ट्रेस को मधुबाला की भूमिका अदा करने के लिए अप्रोज किया गया था। रिपोर्ट्स में बताया गया कि इस रोल के लिए अनीत पड्डा एक मजबूत दावेदार हैं। हालांकि, अब रेस में सबसे आगे शरवरी का नाम चल रहा है। इस बायोपिक का निर्देशन जसमीत के. रीन कर रही हैं। उन्हें नेटफ्लिक्स की चर्चित फिल्म 'डार्लिंग्स' के निर्देशन के लिए भी जाना जाता है। उम्मीद है कि फिल्म के मेकर्स जल्द ही कास्ट के बारे में और अधिक डिटेल्स शेयर कर सकते हैं।

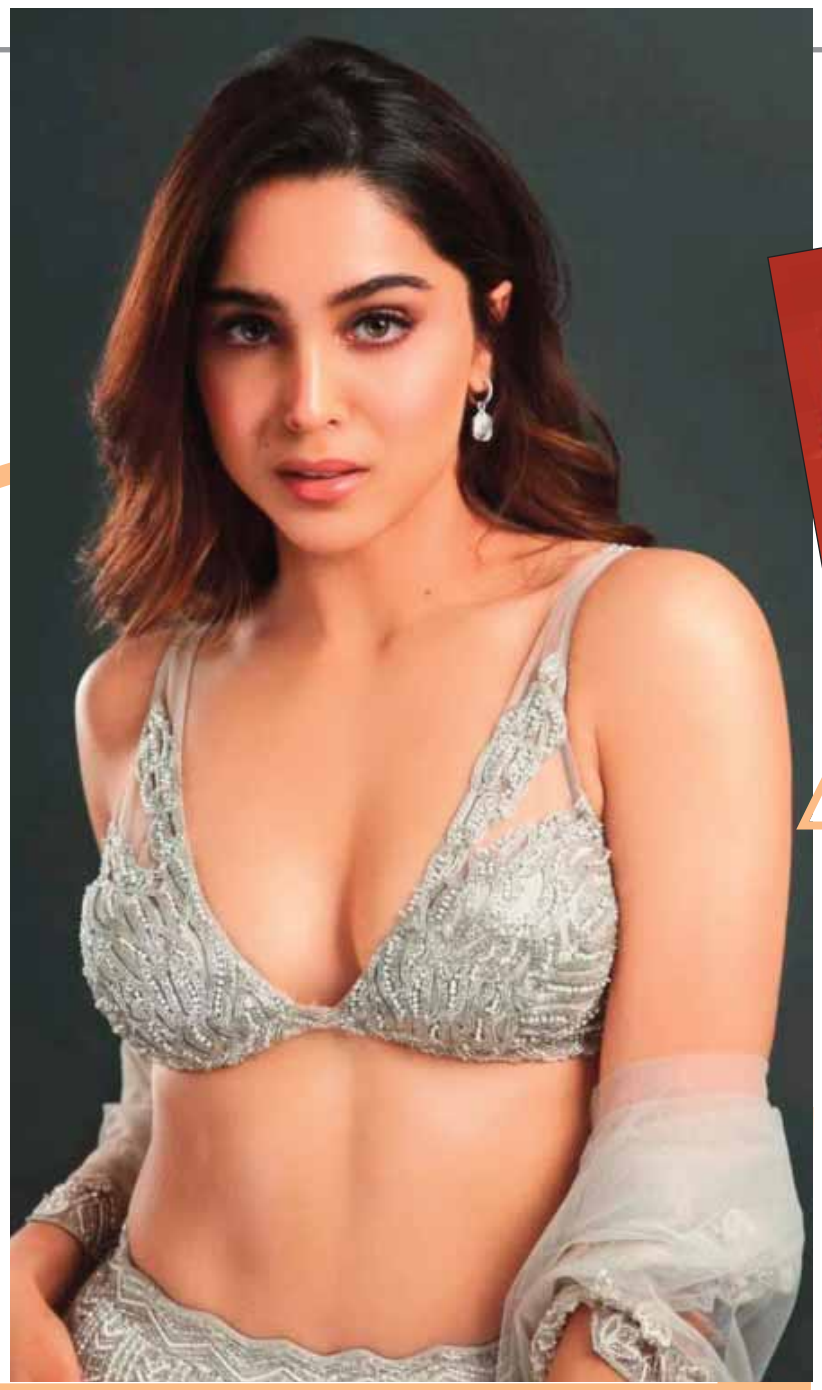

## हॉलीवुड मसाला

# शेयर किए सिनेमाकॉन के खास पल

**लॉस एंजिल्स।** लॉस वेगास में चल रहे सिनेमाकॉन फिल्म समारोह में हॉलीवुड स्टार टॉम क्रूज ने भी अपनी फिल्म का प्रदर्शन किया। उनकी फिल्म 'डिगर' की कुछ फुटेज यहां दिखाई गईं। इसके साथ ही फिल्म उद्योग के लिए 2026 की आशाजनक शुरुआत को लेकर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने लॉस वेगास के सीजर्स पैलेस में आयोजित इस समारोह के खास पल सोशल मीडिया पर शेयर किए। एक्टर के साथ उनकी फिल्म के निर्माता एलेजांद्रो जी. इनारितु भी स्टेज पर दिखाई दिए।

# अमेरिकन म्यूजिक अवार्ड्स... की हुई घोषणा, सबसे आगे हैं टेलर

**लॉस एंजिल्स।** हर साल अमेरिका में होने वाले अमेरिकन म्यूजिक अवार्ड्स की घोषणा हो चुकी है। इस साल 2026 में होने वाले अमेरिकन म्यूजिक अवार्ड्स की रेस में टेलर स्विफ्ट सबसे आगे हैं। क्योंकि उन्हें कुल 8 नॉमिनेशन मिले हैं। उनके ठीक पीछे सबरीना कारपेंटर, ओलिविया डीन, सोमब्र और मॉर्गन वॉलन हैं। इन चारों को 7-7 नॉमिनेशन मिले हैं। जबकि लेडी गागा और एलेक्स वॉरेन को 6-6 नॉमिनेशन मिले हैं। ओलिविया डीन और सोमब्र को पहली बार 7-7 नॉमिनेशन मिले हैं। कुल 11 नई कैटेगरी जोड़ी गई हैं, जैसे ब्रेकथ्रू एल्बम, ब्रेकआउट टूर, सॉन्ग ऑफ द समर शामिल है। अवार्ड शो लास वेगास में आयोजित किया जाएगा। अमेरिकन म्यूजिक अवार्ड्स दुनिया का सबसे बड़ा अवॉर्ड है, जिसे प्रशंसक की वोटिंग के आधार पर चुना जाता है। इसकी शुरुआत 1973 में डिक क्लार्क ने की थी।

# कॉकटेल-2 का बीटीएस वीडियो किया शेयर

**मुंबई।** रश्मिका मंदाना ने गुरुवार को अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' का एक बीटिएस वीडियो सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। यह वीडियो उनकी फिल्म के गाने 'जब तलक' का है। शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन एक साथ फिल्म 'कॉकटेल 2' में काम कर रहे हैं। यह फिल्म होमी अदजानिया निर्देशित कर रहे हैं। रश्मिका ने इटली के सिसिली में 'जब तलक' गाने की शूटिंग का मजेदार वीडियो आज इंस्टाग्राम पर शोयर किया है। इस बीटीएस वीडियो में शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ उनके मस्ती भरे पल दिखाए गए हैं। रश्मिका फिल्म 'कॉकटेल 2' में दीया का रोल निभा रही हैं। उन्होंने वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, 'दीया की डायरी का एक पन्ना। हमने सिसिली में 'जब तलक' गाने की शूटिंग की।

# 100 प्रभावशाली लोगों में रणबीर शामिल

**नई दिल्ली।** बॉलीवुड के चर्चित अभिनेता रणबीर कपूर अपनी आगामी फिल्म 'रामायण' की तैयारियों में जुटे हैं। इसका पहला पार्ट इसी साल दिवाली पर रिलीज होगा। एक्टर फिल्म में भगवान राम की भूमिका अदा करते दिखेंगे। इस बीच अभिनेता एक और वजह से भी सुर्खियां बटोर रहे हैं। दरअसल, टाइम मैग्जीन ने 2026 के 100 सबसे प्रभावशाली हस्तियों की सूची जारी की है। इस सूची में बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर का भी नाम शामिल है। रणबीर की इस उपलब्धि पर आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर रिएक्शन दिया है। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर रणबीर की इस उपलब्धि पर तारीफ की है। उन्होंने एक्टर की फोटो के साथ लिखा है, 'बहुत शानदार बेबी'। उन्होंने उस फीचर का लिंक भी साझा किया है, जो रणबीर कपूर के लिए लिखा गया है।

## टीवी मसाला

# बैटलग्राउंड 2: प्रतियोगी शारीरिक और मानसिक चुनौतियों का करेंगे सामना

**नई दिल्ली।** मेकर्स द्वारा जारी किए गए 'बैटलग्राउंड 2' के ट्रेलर में चार टीम मालिकों को दिखाया गया है - प्रियंका चाहर चौधरी की टीम मुंबई स्ट्राइकर्स, खेसारी लाल यादव की टीम हरियाणा बुल्स, अभिषेक मल्हान की टीम दिल्ली डोमिनेटर्स और राहुल चौधरी की टीम यूपी दबंग्स। एक बार फिर सुपरमेंटर शिखर धवन टीम की कमान संभाल रहे हैं, जो अपने अनुभव और जोश से प्रतियोगिता को और भी रोमांचक बना देंगे। रस्क मीडिया और बानिजय एंटरटेनमेंट का बनाया 'बैटलग्राउंड सीजन 2' 18 अप्रैल को प्रीमियर होने के लिए तैयार है। चार टीमों में बंटे 16 प्रतियोगी शारीरिक और मानसिक चुनौतियों का सामना करेंगे। उन्हें प्रतिदिन ऐसे टास्क दिए जाएंगे जो उनकी परीक्षा लेंगे, साथ ही हाई-वोल्टेज 'फाइट क्लब वीकेंड' के मुकाबलों से एलिमिनेशन होगा। अंत में, केवल एक पुरुष और एक महिला कंटेस्टेंट ही भारत के 'अल्टीमेट फिटनेस स्टार' का खिताब जीतेंगे। इसका प्रोमो भी मजेदार है जिसमें सभी चार टीमों के मालिकों ने कमर कस ली है और एक-दूसरे पर कड़ा प्रहार भी कर रहे हैं। शिखर धवन ने एक्साइटमेंट जताते हुए कहा, 'सीजन 1 ने हमें दिखाया कि इस प्रारूप में किस तरह का जुनून और क्षमता झलकती है, और मैं इससे भी बड़े सीजन 2 के लिए वापस आकर बहुत उत्साहित हूं। इस बार, चुनौतियां और भी कठिन हैं, और सफर और भी चुनौतीपूर्ण है। मुझे सबसे ज्यादा खुशी प्रतियोगियों को अपनी असली क्षमता का पता लगाते हुए देखने में होती है।'

## 14 साल का वनवास हुआ खत्म

**नई दिल्ली।** रियलिटी शो लाफ्टर शेफ के सेट पर कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक, उनकी पत्नी और एक्ट्रेस कश्मीरा शाह, गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा के साथ नजर आईं। तीनों ने हंसते-मुस्कुराते हुए पैपराजी को साथ में पोज दिए। साथ ही अपने बेहतर हो चुके रिश्ते को लेकर भी सिचुएशन साफ की। वायरल वीडियो में सुनीता आहूजा, कृष्णा और कश्मीरा शाह पैपराजी के सामने खूब मस्ती-मजाक करते हैं। इस बीच सुनीता कहती हैं, '14 साल का वनवास खत्म हुआ।' इस पर कृष्णा और कश्मीरा मुस्कुराते हैं। बता दें कि बीते कुछ वर्षों में कश्मीरा और सुनीता आहूजा के बीच मनमुटाव की खबरें आती रहीं। साथ ही कुछ इंटरव्यू में भी कृष्णा अभिषेक ने अपनी मामी सुनीता आहूजा को लेकर नाराजगी जाहिर की। इन बातों से फैंस को अंदाजा हो गया कि इनके सबके रिश्ते में दरार पड़ चुकी है। सुनीता आहूजा, कृष्णा अभिषेक के वायरल वीडियो में एक जगह पर कश्मीरा शाह कहती हैं, 'अब किसी और का होगा वनवास।' इसके बाद सुनीता जोर-जोर से हंसती हैं।

# आने वाली हैं अजय की ये पांच मूवीज चार हैं ब्लॉकबस्टर के सीक्वल

**नई दिल्ली।** अजय देवगन की भले ही शाहरुख खान, सलमान खान या अक्षय कुमार जैसी पॉपुलैरिटी नहीं हो, लेकिन बिना शोर-शराबे के खूब पॉपुलैरिटी हासिल की है। उनका स्टारडम इनमें से किसी भी स्टार से कम नहीं है। एक से बढ़कर एक ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। उनकी फिल्मों को फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। अब उनकी कई और फिल्में आने वाली हैं, जिसे लेकर फैंस एक्साइटेड हैं। अजय देवगन आखिरी बार 'सन ऑफ सरदार 2' में दिखाई दिए थे, जो 2012 में आई सुपरहिट फिल्म 'सन ऑफ द सरदार' का सीक्वल है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 60 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया। अब अजय की 5 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर आने वाली हैं। इनमें से तीन सुपरहिट फिल्म के सीक्वल हैं। अजय देवगन ने हाल में ही 'गोलमाल 5' का इंट्रोडक्शन वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में अक्षय कुमार भी दिखाई दिए, जिससे इस फिल्म को लेकर लोगों की एक्साइमेंट बढ़ गई है। इतना ही नहीं, फिल्म के पहले पार्ट 'गोलमाल: फन अनलिमिटेड' से शरवन जोशी की भी वापसी हो रही है। पहली फिल्मों में हमेशा अजय देवगन

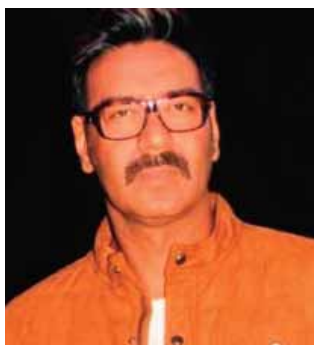

के साथ एक फीमेल लीड रही है। 2006 में आई 'गोलमाल: फन अनलिमिटेड' में रिमी सेन थीं। '

**धमाल 4:** अजय देवगन मल्टीस्टारर फिल्म 'धमाल 4' में भी नजर आएंगे। 'टोटल धमाल' के बाद वह दूसरी बार इस फिल्म के साथ जुड़ रहे हैं। फिल्म इस साल के आखिरी में या फिर अगले साल बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होगी।

**शैतान 2 :** पिछले साल फरवरी में आई गुजराती फिल्म 'वश' के रीमेक 'शैतान' को ऑडियंस ने खूब पसंद किया। अजय ने एक पिता की भूमिका में दमदार अदाकार दिखाई। इसमें उनके अपोजिट ज्योतिका थीं। वह अब इसके सीक्वल 'शैतान 2' में नजर आएंगे।

**भोला 2:** तमिल फिल्म कैथी के रीमेक 'भोला' को भी सराहा गया। लॉकडाउन के बीच रिलीज हुई इस फिल्म को ऑडियंस और क्रिटिक्स से अच्छा रिस्पांस मिला। अब वह इसके सीक्वल में भी लीड रोल निभाएंगे। 'भोला 2' भी अगले साल रिलीज होने की संभावना है।

**दृश्यम 3 :** अजय देवगन की सबसे पॉपुलर और हिट फ्रेंचाइजी 'दृश्यम 3' इस साल 2 अक्टूबर को रिलीज होगी। अजय ने पिछले साल दिसंबर में ही इसकी रिलीज डेट अनाउंसमेंट कर दी थी। इससे पहले मोहनलाल स्टारर 'दृश्यम 3' भी मई में रिलीज होगी।

**रैंजर :** इनके अलावा, अजय देवगन एक्शन फिल्म रैंजर भी अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी. कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि 'रैंजर' में संजय दत्त और तमन्ना भाटिया भी अहम किरदार में हो सकते हैं।

# जुबिन ने गुपचुप रचाई शादी

## बचपन की प्रेमिका को बनाया हमसफर

**मुंबई।** बॉलीवुड के मशहूर गायक जुबिन नौटियाल ने अपने फैंस को एक बड़ा सरप्राइज दिया है। गायक जुबिन नौटियाल ने उत्तराखंड में अपने घर में अपनी बचपन की प्रेमिका से शादी कर ली है। बताया जा रहा है कि यह एक निजी शादी समारोह था। जुबिन ने उत्तराखंड की खूबसूरत पहाड़ियों में बहुत ही साधारण और पारंपरिक तरीके से शादी की। इस शादी में सिर्फ परिवार के सदस्य ही शामिल थे। कोई बड़ी दावत या मीडिया नहीं था। जुबिन हमेशा अपनी निजी जिंदगी को प्राइवेट रखते हैं। उन्होंने शांतिपूर्ण और सादगी भरी रस्मों के साथ शादी कर ली है। अभी जुबिन ने अपनी पत्नी का नाम सार्वजनिक रूप से नहीं बताया है, लेकिन फैंस को उम्मीद है कि जल्द ही वे अपनी शादी की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करेंगे। जुबिन नौटियाल एक बहुत लोकप्रिय पार्श्व गायक हैं। उन्होंने अब तक 200 से ज्यादा गाने गाए हैं। वे उत्तराखंड के देहरादून शहर के रहने वाले हैं।

## कॅरियर में गाए सैंकड़ों शानदार गीत, लाइमलाइट से रहती हैं दूर

# लता और आशा की परछाई बन छोटी बहन ने सिनेमा में छोड़ी छाप

*नई दिल्ली। मंगेशकर परिवार लंबे समय से संगीत की दुनिया में काफी दबदबा रहा है। लता मंगेशकर से लेकर आशा भोसले तक बारी-बारी से इन्होंने अपनी गायिकी से हर फैंस के दिलों पर राज किया। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि लता और आशा की सबसे छोटी बहन उषा मंगेशकर हैं, जो अपनी बड़ी बहनों की परछाई बनकर रहीं। लाइमलाइट से दूर रहने वालीं उषा मंगेशकर ने गायिकी के क्षेत्र में अपने परिवार का नाम रोशन किया।*

### हिंदी सिनेमा में काफी रहीं लोकप्रिय

सुरों की कोकिला लता मंगेशकर के जरिए उनके परिवार को इंडस्ट्री में पहचान मिली। लता के अलावा उनकी तीन बहनें और एक भाई भी फैमिली में शामिल रहे। जिनमें मीना खाड़ीकर, आशा भोसले, उषा मंगेशकर और हृदयनाथ मंगेशकर के नाम मौजूद हैं। उषा मंगेशकर बहनों के लिहाज से परिवार की सबसे छोटी बेटी रहीं। संगीत और गायिकी का हुनर उन्होंने अपनी दोनों बड़ी बहनें लता और आशा से सीखा। बतौर गायिका वह हिंदी सिनेमा में काफी लोकप्रिय रहीं। उन्होंने साल 1952 में आई फिल्म सुबह का तारा के जरिए अपने सिंगिंग करियर का आगाज किया।

### कई भाषाओं में गाए गाने

इस तरह से उषा मंगेशकर ने हिंदी और भोजपुरी सहित कई भाषाओं में सैंकड़ों से अधिक गाने गाए। बताया जाता है कि 90 वर्षीय उषा ने बड़ी बहन लता मंगेशकर की देखभाल की खातिर कभी भी शादी नहीं की।

### आशा के अंतिम संस्कार में हुईं शामिल

अपनी बड़ी बहन आशा भोसले के निधन के बाद उषा मंगेशकर लंबे समय बाद स्पॉट हुईं। वह मुंबई में आशा के अंतिम संस्कार में शामिल हुईं, जहां उषा ने अपनी बहन को श्रद्धांजलि अर्पित की।

### थोड़ी देर से मिली कामयाबी

उनका पहला गाना भाभी आई बड़ी धूमधाम से... रहा। चूंकि उषा मंगेशकर की दो बहने पहले से हिंदी सिनेमा में अपनी गायिकी की धाक जमा चुकी थीं, तो उस लिहाज से उषा को कामयाबी थोड़ी देर से मिली, लेकिन जब मिली तब हर कोई उनका कायल हो गया। साल 1975 में आई फिल्म जय संतोषी मां के सभी भजन गीतों को अपनी सुरीली आवाज में गाकर उषा मंगेशकर ने शोहरत हासिल की और वह अपनी बड़ी बहनों की तरह एक पॉपुरल प्लेबैक सिंगर बन गईं। गौर किया जाए उषा मंगेशकर के पॉपुलर गीतों की तरफ तो वे इस प्रकार हैं-

- भाभी आई बड़ी धूमधाम से
- चली चली कैसी हवा ये चली
- देखो बिजली डोले बिन बादल की
- काहे तरसाए जयारा
- नमना लाज येस्तारी
- मैं तो आरती उतारूं रे संतोषी माता की
- मुंगड़ा
- रंग जमाके जायेंगे
- गोरो की ना कालों की

### 15 अप्रैल से शुरू होनी थी खरीदी, केंद्र तय नहीं; समितियां और सहायता समूहों के बीच फंसा मामला

# जबलपुर में गेहूं खरीदी ठप
# 40 हजार किसान परेशान

हरिभूमि, जबलपुर।

जिले में गेहूं खरीदी की प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हो सकी है, जिससे लगभग हजारों किसान परेशान हो रहे हैं। शासन के निर्देशानुसार 15 अप्रैल से खरीदी प्रारंभ हो जानी थी, लेकिन अब तक न तो खरीदी केंद्र तय हो पाए हैं और न ही जिम्मेदार एजेंसी स्पष्ट हो सकी है। जानकारी के अनुसार, खरीदी को लेकर समितियों और स्व सहायता समूहों के बीच जिम्मेदारी को लेकर स्थिति उलझी हुई है। जिला प्रशासन भी अब तक यह तय नहीं कर पाया है कि आखिर खरीदी का संचालन कौन करेगा। इस असमंजस का सीधा असर किसानों पर पड़ रहा है, जिनकी फसल तैयार होकर घरों और खेतों में रखी हुई है। किसानों का कहना है कि समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए वे पंजीयन करा चुके हैं, लेकिन खरीदी शुरू न होने से उन्हें आर्थिक नुकसान का डर सता रहा है। कई किसान मजबूरी में निजी व्यापारियों को कम दाम पर गेहूं बेचने को विवश हो रहे हैं। वहीं, अधिकारियों से जब इस संबंध में जानकारी ली जाती है तो उनके जवाब गोलमटोल मिल रहे हैं। कोई स्पष्ट तिथि या व्यवस्था सामने

नहीं आ रही है। इससे प्रशासनिक तैयारी पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। किसान संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द खरीदी केंद्र शुरू नहीं किए गए तो आंदोलन किया जाएगा। किसानों ने प्रशासन से तत्काल स्पष्ट नीति बनाकर खरीदी शुरू करने की मांग की है, ताकि उन्हें राहत मिल सके।

#### इस बार भी हो सकता है घोटाला

कहा जा रहा है कि जबलपुर में समर्थन मूल्य पर होने वाले उपार्जन को लेकर असमंजस की स्थिति इसलिए बनी हुई है क्योंकि कई वर्षों से खरीदी में घोटाला होता चला रहा है। प्रशासन के अनेक अधिकारी ऐसे हैं जो नहीं चाहते कि किसानों से उनकी उपज खरीदी जाए। जितनी लेट खरीदी होगी उतना कम उपार्जन करना पड़ेगा। किसान के पास निजी व्यापारी के यहां जाने के अलावा कोई विकल्प बचता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। कहा तो यह भी जा रहा है कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी घोटाला हो सकता है। सूत्रों का कहना है कि किसान जो फसल बाजार में बेचता है वही समर्थन मूल्य पर भी बिक जाती है बहरहाल आप देखना होगा कि प्रशासन कब तक गेहूं की खरीद कर पता है।

## डॉक्टरों का लायसेंस 6 माह के लिए निलंबित करने का आदेश रद्द

### हाईकोर्ट का फैसला

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) के उस आदेश को निरस्त कर दिया जिसके तहत डॉक्टरों का लायसेंस 6 माह के लिए निलंबित कर दिया था। जस्टिस दीपक खोत की सिंगल बेंच ने कहा कि एमसीआई ने रिकॉर्ड पर रखे गए दस्तावेजों का उचित मूल्यांकन किए बिना विवेकहीन तरीके से आदेश पारित किया। कार्रवाई करते समय एमसीआई ने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का पालन नहीं किया। इसलिए उक्त आदेश अवैधानिक है।जबलपुर निवासी डॉ हर्ष सक्सेना, डॉ आलोक अग्रवाल सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता सुमित रघुवंशी ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि 18 फरवरी 2025 को एमसीआई की आचार समिति के निर्देश पर मप्र मेडिकल काउंसिल भोपाल ने कदाचरण के आरोप में याचिकाकर्ता चिकित्सकों का लायसेंस 6 माह के लिए निलंबित कर दिया था। दरअसल, मई 2012 में न्यूरोसर्जन डॉक्टर्स की एक टीम पर्यटन के लिए लंदन गई थी। समाजसेवी संस्था स्वास्थ्य अधिकार मंच ने मेडिकल काउंसिल में शिकायत कर आरोप लगाया कि उक्त टीम को एक निजी फार्मा कंपनी ने प्रायोजित किया है। दलील दी गई कि डॉक्टर्स ने स्वयं अपनी जेब से टूर का पूरा खर्चा दिया है। प्रमाण स्वरूप बैंक चेक और अन्य ट्रांजेक्शन भी पेश किए गए, इसके बावजूद उक्त कार्रवाई की गई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि एमसीआई के आदेश में कई अनियमितताएं हैं और विधि की दृष्टि से मान्य नहीं है। इसलिए इसे निरस्त किया जाना उचित है।

# एसपी की पाठशाला का कमाल
# 63 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

**निःशुल्क कोचिंग से युवाओं को मिली नई राह, अब तक 309 अभ्यर्थी पा चुके हैं शासकीय सेवा, कंट्रोल रूम में हुआ सम्मान समारोह**

हरिभूमि, जबलपुर। पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय की पहल 'एसपी की पाठशाला' एक बार फिर सफलता की मिसाल बनकर सामने आई है। पुलिस लाइन में संचालित इस निःशुल्क कोचिंग से तैयार 63 अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न शासकीय सेवाओं में हुआ है। गुरुवार को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित समारोह में पुलिस उप महानिरीक्षक अतुल सिंह ने पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय की उपस्थिति में चयनित अभ्यर्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया।चयनित अभ्यर्थियों में मध्यप्रदेश पुलिस में 53 कांस्टेबल, बीएसएफ/आरपीएफ में चार, ग्रामीण बैंक में एक पीओ, इंडियन बैंक में एक क्लर्क, शिक्षा विभाग में वर्ग-तीन के तीन तथा दिल्ली पुलिस में एक अभ्यर्थी शामिल हैं।**गरीब और पुलिस परिवार के लिए संबल**- डीआईजी अतुल सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'एसपी की पाठशाला' पुलिस परिवार और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवाओं के लिए एक अभिनव पहल है, जो उन्हें सही मार्गदर्शन और मंच प्रदान कर रही है। उन्होंने सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि कठिन परिश्रम ही सफलता की कुंजी है, वहीं असफल अभ्यर्थियों को निराश न होकर लगातार प्रयास करने की सीख दी। कप्तान संपत उपाध्याय ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य ऐसे युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तैयारी का अवसर देना है, जो संसाधनों के अभाव में पीछे रह जाते हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले समय में और अधिक युवाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा।**2020 से अब तक 309 चयन**- वर्ष 2020 से संचालित इस कोचिंग के माध्यम से लगातार बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। वर्ष 2021 में 8, 2022 में 41, 2023 में 32, 2024 में 43, 2025 में 102 और वर्ष 2026 में अब तक 83 अभ्यर्थी शासकीय सेवाओं में चयनित हो चुके हैं। इस प्रकार कुल 309 युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है। वर्तमान में 72 विद्यार्थी थ्योरी और 48 विद्यार्थी फिजिकल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। अनुभवी शिक्षकों एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा विभिन्न विषयों और शारीरिक प्रशिक्षण की नियमित कक्षाएं संचालित की जा रही हैं।**यह रहे उपस्थित**- कार्यक्रम में एएसपी आयुष गुप्ता, एएसपी सूर्यकांत शर्मा, रक्षित निरीक्षक जयप्रकाश आर्य सहित प्रशिक्षक, चयनित अभ्यर्थी और उनके परिजन मौजूद रहे।

## हत्यारे पिता की मौत, पुत्र को आजीवन कारावास की सजा

**चरगवां में पिता-पुत्र पर किया था फावड़े से हमला**

**जबलपुर।** जिला अदालत ने चरगवां में पड़ोस में रहने वाले युवक और उसके पिता पर फावड़े से हमला कर हत्या करने के आरोपी मस्तराम पिता मुन्ना रजक का दोष सिद्ध पाया। इसी के साथ अपर सत्र न्यायाधीश ओमप्रकाश रजक की अदालत ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुना दी। साथ ही तीन हजार रुपये जुर्माना लगाया। जबकि हत्या के आरोपी उसके पिता मुन्ना रजक की मामले के विचारण दौरान मौत हो चुकी है। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक संदीप जैन ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि तीन जून, 2022 को चरगवां के पटेल मोहल्ला निवासी बृजेश और उसके पिता रात्रि अपने मकान की छत पर सो रहे थे। उसी समय पड़ोस में रहने वाले आरोपी मस्तराम और उसके पिता मुन्ना रजक ने गालीगलौज शुरु कर दी। जब पीड़ित बृजेश और उसके पिता ने विरोध किया तो आरोपी पिता-पुत्र ने फावड़े से दोनों बाप-बेटे पर जानलेवा हमला कर दिया। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल रेफर किया गया। जहां उपचार दौरान दशरथ की मौत हो गई, वहीं उनका बेटा बृजेश गंभीर रूप से चोटिल था। उक्त मामले में पुलिस ने हत्या, हत्या का प्रयास सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया था। विचारण दौरान आरोपी मुन्ना रजक की मौत हो गई थी। मामले में पेश किए गए गवाह व साक्ष्यों के मद्देनजर अदालत ने आरोपित 32 वर्षीय मस्तराम रजक पिता स्व. मुन्ना रजक को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुना दी।

## कछपुरा मालगोदाम की धूल से 50 हजार लोग परेशान

**जबलपुर।** कछपुरा रेलवे मालगोदाम से उड़ने वाली धूल के कारण आसपास की कॉलोनियों में रहने वाले करीब 50 हजार लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। दिन-रात मालवाहक वाहनों की आवाजाही से धूल के गुबार लगातार फैल रहे हैं, जिससे लोगों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एनजीटी के एक वर्ष पूर्व दिए गए निर्देशों के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। डॉ. पी.जी. नाजपांडे और रजत भार्गव द्वारा दायर याचिका पर एनजीटी ने रेलवे और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पर्यावरण नियमों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए थे, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। जनसंगठनों का आरोप है कि गढ़ा साइडिंग में शिफ्टिंग का निर्णय होने के बावजूद सीमेंट और आयरन ओर की लोडिंग-अनलोडिंग अब भी कछपुरा में ही की जा रही है। इससे क्षेत्रवासियों में नाराजगी बढ़ रही है। बैठक में डॉ. पी.जी. नाजपांडे, रजत भार्गव, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, टी.के. रायघटक, डी.के. सिंह, सुभाष चंद्रा सहित अन्य नागरिक उपस्थित रहे और पुनः एनजीटी का रुख करने की बात कही।

### नियमों की अनदेखी भारी, 49 परमिटधारक अभी भी नहीं जागे

## 15 साल पुराने वाहनों पर आरटीओ की सख्ती, 4 यात्री वाहन जब्त

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर में 15 वर्ष पुराने यात्री वाहनों पर अब परिवहन विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। परिवहन आयुक्त उमेश जोगा के निर्देश और क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रिंकु शर्मा के नेतृत्व में कार्रवाई तेज कर दी गई है। गुरुवार को की गई कार्रवाई के दौरान 4 यात्री वाहनों को जब्त किया गया। ये सभी वाहन 15 साल की निर्धारित आयु पूरी कर चुके थे, लेकिन वाहन स्वामियों ने न तो प्रतिस्थापन किया और न ही विभाग के निर्देशों का पालन किया। सम्भागीय उड़नदस्ता प्रभारी राजेंद्र साहू ने बताया कि स्थाई अनुज्ञापत्र वाले 49 ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें वाहन निर्धारित समय सीमा पार कर चुके हैं, फिर भी सड़कों पर दौड़ रहे हैं। विभाग द्वारा पहले ही नोटिस जारी कर चेतावनी दी जा चुकी थी, लेकिन कई संचालकों ने इसे नजरअंदाज किया।

#### वाहन मालिकों को अंतिम चेतावनी

विभाग ने वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे समय रहते अपने पुराने वाहनों का प्रतिस्थापन कर लें। अन्यथा आने वाले दिनों में और भी कड़ी कार्रवाई तय मानी जा रही है।

## कर्ज चुकाने के लिए बन गया चोर

**जबलपुर।** शहर में बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए लॉर्डगंज पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के 11 दुपहिया वाहन बरामद किए हैं, जिनकी कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी वरुण उर्फ कृष्णा यादव (18 वर्ष 6 माह) निवासी यादव कॉलोनी थाना लॉर्डगंज है। आरोपी लंबे समय से क्षेत्र में सक्रिय था और सुनियोजित तरीके से अलग-अलग स्थानों से वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहा था।टीआई नवल आर्य ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध युवक गोलबाजार क्षेत्र में घूम रहा है, जो वाहन चोरी में लिप्त है। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर युवक को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम वरुण यादव बताया और सख्ती से पूछताछ करने पर वाहन चोरी की कई वारदातें कबूल कर लीं। आरोपी ने लॉर्डगंज क्षेत्र से 5, ओमती, पनागर, गढ़ा और तिलवारा से 1-1 तथा गोहलपुर क्षेत्र से 2 दुपहिया वाहन चोरी करना स्वीकार किया। उसने बताया कि चोरी के वाहनों को यादव कॉलोनी स्थित जयनगर पार्क के पास खड़ा कर देता था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर दबिश देकर 6 मोटरसाइकिल और 5 स्कूटी सहित कुल 11 वाहन बरामद किए। सभी वाहनों को जब्त कर वैधानिक कार्रवाई की गई है।

## आरोप बेबुनियाद, पूर्व नगर अध्यक्ष खुद भू-माफिया! :सांई पिल्ले

### दुष्कर्म प्रकरण को लेकर सियासी-कानूनी घमासान तेज, अवैध प्लॉटिंग और दबाव बनाने के आरोप

**जबलपुर।** घमापुर थाना क्षेत्र में दर्ज दुष्कर्म प्रकरण को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। मामले में सांई पिल्ले ने पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष जीएस ठाकुर पर तीखा पलटवार करते हुए खुद पर लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताया है। सिविल लाइन स्थित एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में सांई पिल्ले ने कहा कि पीड़िता और उसकी मां के संपर्क करने पर उन्होंने केवल घमापुर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराने में मदद की थी। इसके बाद इस पूरे मामले से उनका कोई लेना-देना नहीं रहा। पिल्ले ने आरोप लगाया कि पूर्व नगर अध्यक्ष द्वारा उन्हें झूठे प्रकरण में फंसाने की कोशिश की जा रही है।

#### एक प्रकरण में खुद आरोपी हैं जीएस

पिल्ले ने कहा कि उन पर बलात्कार जैसे गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं, जबकि उनके खिलाफ ऐसा कोई मामला दर्ज नहीं है। उल्टा एक अन्य प्रकरण में जीएस ठाकुर स्वयं उनके साथ आरोपी हैं। पिल्ले ने यह भी आरोप लगाया कि हाल ही में ओला शोरूम में तोड़फोड़ कर अराजकता फैलाने की घटना में भी ठाकुर की भूमिका रही है, जो उनके आचरण पर सवाल खड़े करती है।

#### अवैध प्लॉटिंग के आरोप भी लगाए

पत्रकार वार्ता में सांई पिल्ले ने जीएस ठाकुर पर भू-माफिया होने का आरोप लगाते हुए कहा कि रांझी तहसील के रिछाई क्षेत्र में "जीएसबी ड्रीम्स" नाम से अवैध प्लॉटिंग की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि तहसीलदार रांझी द्वारा इसे फर्जी बिल्डर और अवैध प्लॉटिंग की सूची में शामिल किया गया है। संबंधित दस्तावेज उनके पास मौजूद हैं, जिन्हें जल्द ही जांच एजेंसियों को सौंपा जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम ने दुष्कर्म प्रकरण को लेकर सियासी और कानूनी विवाद को और अधिक गरमा दिया है।

#### पूर्व अध्यक्ष का पलटवार

वहीं भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष अधिवक्ता जीएस ठाकुर ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें राजनीतिक द्वेष से प्रेरित बताया। ठाकुर का कहना है कि सांई पिल्ले की बहू को टिकट नहीं मिली, इसी कारण वह अनर्गल और बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 62 वर्ष की आयु और 35 वर्षों के वकालत के करियर में उनकी छवि पर कभी कोई आंच नहीं आई है। ठाकुर ने प्रशासन से मांग की है कि पिल्ले द्वारा लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और ऐसे पाखंडी लोगों का असली चेहरा उजागर हो।

## पारिवारिक सदस्यों में चल रहा सुलह का प्रयास

### बंदी प्रत्यक्षीकरण मामले में पेश की गई जानकारी

**जबलपुर** । मप्र हाईकोर्ट के समक्ष बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका की सुनवाई के दौरान अवगत कराया गया कि स्वजनों के बीच सुलह का प्रयास जारी है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने जानकारी को रिकार्ड पर लेकर अगली सुनवाई 14 मई को तय की। मामला संपत्ति विवाद के चलते पिता को पुत्र द्वारा नशा मुक्ति केंद्र में बंधक बनाकर रखने जाने के आरोप से संबंधित है। जबलपुर निवासी अक्षय चौधरी की तरफ से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में कहा गया था कि वह दुर्गेश पटेल के पास काम करता है। उनके पुत्र रूपेश पटेल ने पिता दुर्गेश पटेल को जबरन नशा मुक्ति केंद्र में बंधक बनाकर रखा है। हाई कोर्ट के आदेश पर विगत 26 फरवरी को तिलवारा पुलिस ने वृद्ध को हाई कोर्ट में पेश किया था। वृद्ध ने कोर्ट को बताया था कि वह कोई साइकोट्रोपिक सब्सटेंस नही लेते है और प्रापर्टी के झगड़े की वजह से उसे नशा मुक्ति केंद्र में रखा है। कोर्ट में अनावेदकों की तरफ से बताया गया कि वे साइकोट्रोपिक सब्सटेंस लेते हैं। वे भू-माफिया के प्रभाव में हैं, जो प्रापर्टी पर कब्जा करना चाहते हैं। कोर्ट ने पुलिस जांच अधिकारी को वृद्ध की मेडिकल जांच मेडिकल बोर्ड ,नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कालेज से करवाने के निर्देश दिए थे।

### बिजनेस साइट

## पोर्टफोलियो के बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए थीम और बॉन्ड का समझदारी से मेल

**जबलपुर।** पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक टकराव, लंबे समय तक बाजार में सुधार और सही वैल्यूएशन के मौजूदा माहौल में, जो निवेशक मैक्रो हालात के हिसाब से चुनी हुई थीम पर दांव लगाते हैं, वे लंबे समय में अच्छे नतीजों की उम्मीद कर सकते हैं। सामान्य हालात में भी, थीम-आधारित निवेश के साथ-साथ बाजार के मौजूदा जोखिमों को भांपकर डेट (कर्ज) में भी निवेश करने जैसे समझदारी भरे कदम उठाने से पोर्टफोलियो का परफॉर्मेंस बेहतर हो सकता है।

थीम, एक ही विचार या अवसर से जुड़े अलग-अलग सेक्टरों या शेयरों का एक मेल होती है। अब, थीम-आधारित निवेश के लिए सही अवसरों की पहचान करने के लिए एक खास प्रक्रिया-आधारित तरीका अपनाना जरूरी है।

सबसे पहले, मैक्रो संकेतकों का अध्ययन करना होता है। जीडीपी ग्रोथ, राजकोषीय घाटा, चालू खाता घाटा, महंगाई, ब्याज दरें, मौजूदा हलचलें, कच्चे तेल और दूसरी कमोडिटी की कीमतों में उतार-चढ़ाव, और भू-राजनीतिक पहलुओं को ध्यान में रखना जरूरी है, ताकि यह तय किया जा सके कि किसी खास माहौल में कौन सी थीम ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकती है।

एक बार जब सेक्टर या थीम की पहचान हो जाती है, तो उनके वैल्यूएशन का आकलन और विश्लेषण उनके लंबे समय के औसत के साथ-साथ पूरे बाजार के औसत के मुकाबले भी किया जाना चाहिए, ताकि ज्यादा कीमत चुकाने से बचा जा सके। आखिर में, मैक्रो संकेतकों और वैल्यूएशन के आधार पर, सेक्टर/थीम का सही मेल चुना जाता है और उन्हें सही अनुपात में निवेश दिया जाता है।

संजय कुमार पांडेय
को-फाउंडर, ट्रायमफिन सर्विसेज एलएलपी, जबलपुर

बाहर निकलने की सही रणनीति भी तय की जानी चाहिए और फंड का दोबारा बंटवारा किया जाना चाहिए। बाजार के बदलते हालात के आधार पर समय-समय पर पोर्टफोलियो को दोबारा रीबैलेंस किया जाना चाहिए।

रिटेल निवेशकों के पास शायद थीम-आधारित निवेश के फैसले लेने के लिए जरूरी समय और कौशल न हो। बाजार में भारी उतार-चढ़ाव के दौरान वे अक्सर भावनाओं में बहकर फैसले ले लेते हैं। बाहर निकलने की रणनीतियां बनाना और उन्हें टैक्स-बचत वाले तरीके से लागू करना भी उनके सामने एक और चुनौती होती है।

फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) का तरीका सबसे अच्छा है, क्योंकि यह एक हाइब्रिड ढांचे में थीम और डेट (कर्ज) दोनों को मिलाता है। इसलिए, निवेशक आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एग्रेसिव हाइब्रिड एक्टिव एफओएफ ( जिसे पहले थीमैटिक एडवांटेज एफओएफ कहा जाता था) पर विचार कर सकते हैं। 1 अप्रैल, 2026 से, यह इक्विटी में 65-80 फीसदी (मिड और स्मॉल कैप में सेक्टोरल, थीमैटिक और मार्केट-कैप के अवसर) और डेट में 20-35 फीसदी निवेश करेगा। यह सेबी द्वारा फरवरी 2025 में पेश किए गए एफओएफ के लिए एएमएफआई के नए फ्रेमवर्क के अनुरूप होगा।

दिसंबर 2003 में लॉन्च किए गए इस फंड ने वेल्थ क्रिएशन के मामले में लगातार एक मजबूत लॉन्ग-टर्म ट्रैक रिकॉर्ड दिखाया है। 31 मार्च, 2026 तक, फंड ने 3-वर्षीय सीएजीआर 15.11 फीसदी, 5-वर्षीय सीएजीआर 14.91 फीसदी और 10-वर्षीय सीएजीआर 14.47 फीसदी दर्ज किया है।

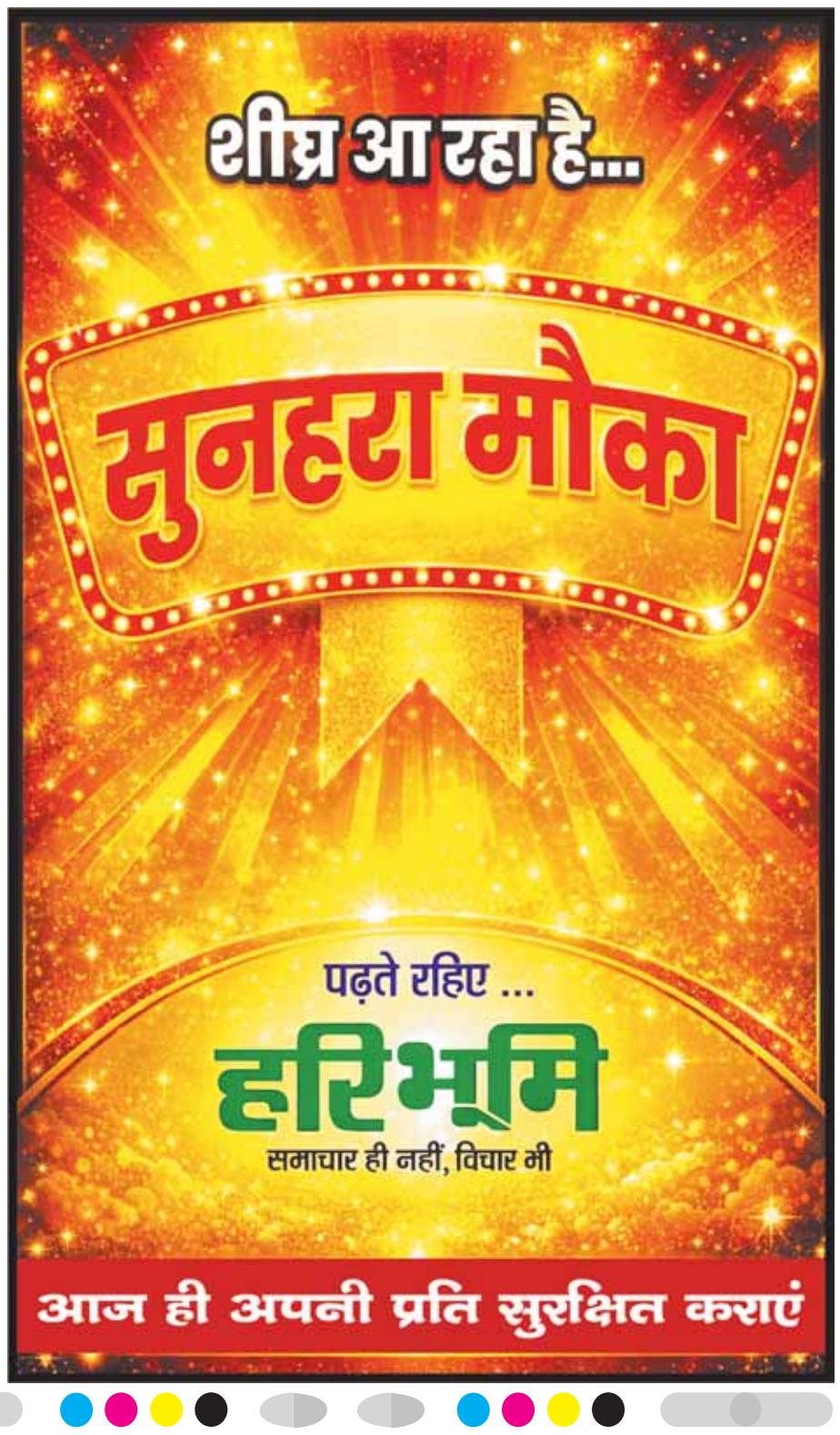

# डिजिटल स्व-गणना शुरू: जनप्रतिनिधियों ने खुद से जानकारियां भरकर पेश की मिसाल

**जबलपुर। आधुनिक भारत की डिजिटल विकास यात्रा में आज एक नया अध्याय जुड़ गया। जबलपुर जिले में 'स्व-गणना' अभियान का विधिवत शुभारंभ हुआ। डिजिटल जनगणना की दिशा में कदम बढ़ाते हुए पहले दिन शहर के कैबिनेट मंत्री, महापौर, सांसद, विधायकों, निगमाध्यक्ष, नेताप्रतिपक्ष और अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।**

अभियान के क्रम में आज मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू,सांसद आशीष दुबे श्रीमती सुमित्रा बाल्मिकी के निवास पर आयोजित इस प्रक्रिया के दौरान अपर आयुक्त व्ही.एन. बाजपेयी, सांसद राज्यसभा विवेक तन्खा, श्रीमती सुमित्रा बाल्मीकि के निवास पर अपर आयुक्त देवेन्द्र चौहान, महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'', महानगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर के निवास पर अपर आयुक्त वित्त अशफाक परवेज कुरैशी, निगमाध्यक्ष रिकुंज विज, पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक लखन घनघोरिया के निवास पर अपर आयुक्त श्रीमती अंजू सिंह, विधायक केन्ट विधानसभा क्षेत्र अशोक ईश्वरदास रोहाणी के निवास पर सहायक आयुक्त वेदप्रकाश चौधरी, विधायक पनागर विधानसभा क्षेत्र सुशील तिवारी इन्दू के निवास पर उपायुक्त श्रीमती अंकिता जैन, विधायक उत्तर मध्य विधानसभा क्षेत्र डॉ. अभिलाष पाण्डेय, बरगी विधानसभा क्षेत्र नीरज सिंह लोधी के निवास पर उपायुक्त संभव अयाची, संभागीय आयुक्त, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय के निवास पर अपर आयुक्त अरविंद शाह, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निवास पर अपर आयुक्त मनोज श्रीवास्तव आदि ने अपने निवास पर 'स्व-गणना' की प्रक्रिया पूरी की। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में सभी जनप्रतिनिधियों ने डिजिटल माध्यम से अपनी जानकारी साझा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा, सटीक जनगणना ही भविष्य की जनकल्याणकारी योजनाओं का सुदृढ़ आधार बनती है। यह हम सभी का राष्ट्रीय कर्तव्य है। इसी प्रकार नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा एवं एम.आई.सी. सदस्यों डॉ. सुभाष तिवारी, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, दामोदर सोनी, विवेकराम सोनकर ने भी अपनी गणना सफलतापूर्वक पूर्ण कर समाज को जागरूकता का संदेश दिया।

### प्रशासनिक मुस्तैदी और मार्गदर्शन

यह अभियान कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। नगर निगम और जिला प्रशासन की टीमें घर-घर पहुँचकर नागरिकों को डिजिटल गणना के फायदों के प्रति जागरूक कर रही हैं।

### महापौर की अपील

महापौर ने शहरवासियों से आह्वान किया है कि वे इस राष्ट्रीय महत्व के अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और डिजिटल माध्यम का उपयोग कर सटीक जानकारी दर्ज कराएं, ताकि शहर के विकास की बेहतर रूपरेखा तैयार की जा सके।

## जीसीएफ गुरुद्वारा में हर्षोल्लास से मनाया गया बैसाखी पर्व

**जबलपुर।** श्री गुरु सिंघ सभा जीसीएफ स्टेट के तत्वावधान में 14 अप्रेल को खालसा पंथ का स्थापना दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में देश के महान रागी जत्थे भाई गगनदीप सिंह (हजूरी रागी जत्था, अमृतसर दरबार साहिब), टाडी भाई लवप्रीत सिंह (अकाल तख्त, अमृतसर), कथा वाचक ज्ञानी सुखविंदर सिंह (लुधियाना वाले) ने शिरकत की।

बताया गया जीसीएफ गुरुद्वारा संस्कारधानी का सबसे पुराना गुरुद्वारा है, इसकी स्थापना आजादी के पहले सन 1940 में हुई तथा इस गुरुद्वारा में सर्वप्रथम सन 1941 में पहली बार बैसाखी का पर्व मनाया गया। यह गुरुद्वारा आपसी भाईचारे का भी एक बहुत अच्छा प्रतीक है, क्योंकि यहां पर गुरुद्वारा एवं राम मंदिर एक साथ बने हुए हैं और दोनों धर्मों के लोग एकदूसरे के त्यौहारों में काफी सहयोग प्रदान करते हैं।

**बैसाखी का महत्व-** 13 अप्रेल 1699 को सिक्खों के दसवें गुरु श्री गुरुगोविंद सिंह ने आनंदपुर साहिब (पंजाब) में खालसा पंथ की स्थापना की थी, वैसे तो यह त्यौहार पूरे भारत वर्ष में मनाया जाता है, परंतु पंजाब, हरियाणा में इस त्यौहार की धूम कुछ और ही रहती है। इस महापर्व को सफल बनाने के लिए प्रबंधक कमेटी के स. एमएस नागी, अध्यक्ष स. परमदीप सिंह मैनी, सचिव स. खुशमीत सिंह, स. गुरुदीप सिंह मैनी, स. प्रितपाल भमरा, स. अवतार सिंह, स. मलकित सिंह, स. रणधीर सिंह, स. तेजा सिंह, हरनेक सिंह एवं गुरविंदर सिंह का योगदान रहा। अंत में सर्वत्र के भले की अरदास के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। सभी धर्मों के लोगों ने एक ही पंगत में बैठकर गुरु का लंगर ग्रहण किया। कार्यक्रम का संचालन सचिव परमदीप सिंह मैनी एवं एमएस नागी द्वारा किया गया।

## आज सायंकाल जलापूर्ति प्रभावित रहेगी

**जबलपुर।** नगर निगम के अधीक्षण यंत्री और जल विभाग के प्रमुख कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि नर्मदा जल प्रदाय योजनांतर्गत 120 एम.एल.डी. रमनगरा जलशोधन संयंत्र के अंतर्गत फिल्टर हाउस में 500 एम.एम. व्यास, बैकवॉश लाईन में 700 एम.एम. व्यास के वाल्व बदलने का कार्य, इंटेकवेल में आईसोलेटर बदलने का कार्य एवं देवताल टैंक में वायपास अरेन्जमेंट बनाने का कार्य किया जाना है, जिसके चलते आज दिनांक 17 अप्रैल 2026 को सांयकाल जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। उक्त संयंत्र से भरी जाने वाली टंकियाँ क्रमशः बिड़ला धर्मशाला, मेडिकल, त्रिपुरी, गुलौआ, राईट टाउन, रामेश्वरम, मनमोहन नगर, लक्ष्मीपुर, कोतवाली, मोतीनाला, आनंद नगर, लेमा गार्डन, सर्वोदय नगर, मदर टेरेसा, बेदी नगर, मिल्क स्कीम, किलकारी गार्डन, न्यू शोभापुर, राजीव नगर, गंगा नगर तथा अमृत योजना की कोंगवा, करमेता, शिवनगर, अमखेरा, रविन्द्र नगर, सुहागी, खैरी व देवताल उच्चस्तरीय टंकियों से जलापूर्ति अवरूद्ध रहेगी। प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की जायेगी। उक्त अतिमहत्वपूर्ण कार्यों के संपादन के चलते क्षेत्रीय लोगों को होने वाली असुविधा के लिए महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, जल प्रभारी एम.आई.सी. सदस्य दामोदर सोनी एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने खेद व्यक्त किया है।

### धुर्वी ढाकरिया का सुयश

**धुर्वी ढाकरिया** ने शासकीय संदीपानी स्कूल आधारताल कक्षा दसवीं में 85.2% प्राप्त कर माता सुखवति-पिता दीपक ढाकरिया व स्कूल का नाम रोशन किया।

## "साहित्य भास्कर सम्मान" विनोद नयन को

**जबलपुर।** वरिष्ठ साहित्यकार शिक्षाविद प्रतिष्ठित कवि प्रसंग संस्था के संस्थापक इंजीनियर विनोद नयन को गत दिवस राष्ट्रीय साहित्य सम्मेलन तिरोड़ी महाराष्ट्र में साहित्य संगम संस्था एवं माइल लिमिटेड तिरोड़ी खान द्वारा आयोजित समारोह में नयन की 35 वर्षों की साहित्य साधना, उत्कृष्ट काव्य पाठ और संचालन के लिए डॉ. राजा करैया "साहित्य भास्कर अलंकरण" एवं 31 हजार की राशि प्रदान कर अलंकृत किया गया। इस उपलब्धि के लिए संस्कारधानी के गौरव पुत्र नयन को हास्य सम्राट के.के. नायकर, डॉ. मकबूल अली कादरी, बसंत शर्मा, डॉ. रानू रूही, डॉ. विनीता पाण्डेय, इंदु सिंह कंचन, डॉ. विनोद बाजपेई, मथुरा जैन उत्साही, डॉ. मुकुल तिवारी, कृष्णा राजपूत, एडवोकेट तृप्ति त्रिवेदी, डॉ. अंकिता नेमा, डॉ. संध्या पाठक, आकांक्षा सिंह, डॉ. लक्ष्मी दीक्षित, मृगेंद्र नारायण सिंह, डॉ. शोभा सिंह, सुशील श्रीवास्तव, डॉ. प्रदीप उप्पल, मनोज शुक्ल, ज्योत्सना शर्मा, अर्चना गोस्वामी, डॉ. सुनीता गुप्ता, राजेश परोहा, कुंजीलाल चक्रवर्ती, तरुणा खरे, प्रीति नामदेव, डॉ. आशा श्रीवास्तव, राधिका सेन, सुभाष मणि बैरागी, प्रकाश सिंह ठाकुर ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की। द्वितीय चरण में इंजीनियर विनोद नयन के कुशल संचालन में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन प्रारंभ हुआ जिसमें देश भर से पधारे कवियों ने शानदार काव्य पाठ किया। अध्यक्षता ख्यातिलब्ध कवि दिनेश देहाती ने की।

## कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता: कलेक्टर राघवेंद्र सिंह

### कक्षा 10वीं एवं 12वीं मेरिट विद्यार्थियों का जिला स्तरीय सम्मान समारोह संपन्न

**जबलपुर।** माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं एवं 12वीं की राज्य स्तरीय तथा जिला स्तरीय मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं का जिला स्तरीय सम्मान समारोह शासकीय मॉडल स्कूल में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राघवेंद्र सिंह (कलेक्टर) उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में अभिषेक सिंह गेहलोत (अपर कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत) शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन से किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने जिले के परीक्षा परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष परीक्षा परिणाम अधिक उत्कृष्ट रहे हैं। कक्षा 10वीं का परिणाम जहाँ पिछले वर्ष 70.45% था, वह इस वर्ष बढ़कर 73.42% (शासकीय विद्यालय का 80.59% एवं अशासकीय विद्यालय का 68.23) हो गया। इसी प्रकार कक्षा 12वीं का परिणाम 73.81% से बढ़कर 77.26% (शासकीय स्कूल का 83.68% एवं अशासकीय स्कूल का 72.19%). रहा। उन्होंने आगे बताया कि राज्य स्तरीय मेरिट सूची में कक्षा 12वीं के 05 तथा कक्षा 10वीं के 07 विद्यार्थियों ने स्थान प्राप्त किया है, वहीं जिला स्तरीय मेरिट सूची में कक्षा 12वीं के 13 एवं कक्षा 10वीं के 14 विद्यार्थियों ने स्थान बनाया है। इस प्रकार राज्य स्तर पर कुल 12 तथा जिला स्तर पर कुल 27 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया।

विशिष्ट अतिथि अभिषेक सिंह गेहलोत ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्य अतिथि राघवेंद्र सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि जीवन में परीक्षा परिणाम का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान होता है और सभी विद्यार्थी इसके प्रति उत्सुक रहते हैं। उन्होंने कहा कि "कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता"। विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन करते हुए देश, समाज एवं परिवार का नाम रोशन करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि परीक्षा में असफल होने वाले विद्यार्थियों को निराश नहीं होना चाहिए, बल्कि अधिक परिश्रम कर बेहतर परिणाम प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। साथ ही, उन्होंने विद्यार्थियों को गुरुजनों का सम्मान करने और पूर्ण मनोयोग से कार्य करने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के दौरान मेरिट सूची में स्थान प्राप्त सभी विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सहायक संचालक आर.के. बधान, डीएसओ मधुमिता हाजरा, विधि प्रभारी कृष्णकांत शर्मा, मॉडल स्कूल के प्राचार्य संजय परिहार सहित एस.एन. श्रीवास्तव, अशोक उपाध्याय, प्रवीण झारिया, उपमा गुप्ता, पूर्व प्राचार्य मुकेश तिवारी, सुनील भटेले, के.के. चौबे, चंद्रशेखर तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ, पालक, शिक्षक एवं शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे।

## कंचनपुर में स्वच्छता अभियान बना जन-आंदोलन

**जबलपुर।** नगर निगम के स्वच्छता अभियान के तहत कंचनपुर आधारताल क्षेत्र में जनभागीदारी का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में स्थानीय नागरिकों और स्कूली बच्चों ने मिलकर क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प लिया। अभियान के दौरान बच्चों ने दीवारों पर आकर्षक पेंटिंग बनाकर "कचरा पात्र का उपयोग" और "हरा-नीला डस्टबिन" जैसे संदेश दिए। रंगों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश देते इन बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। महापौर ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जब नई पीढ़ी स्वच्छता की जिम्मेदारी उठाती है, तो शहर अवश्य आगे बढ़ता है। वहीं निगमायुक्त ने भी नागरिकों से स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग की अपील की। कार्यक्रम के अंत में सभी ने स्वच्छता का सामूहिक संकल्प लिया।

## 100% अंकों की गूंज: फिजिक्सवाला छात्रों की सीबीएसई 10वीं बोर्ड 2026 में रिकॉर्ड सफलता

**जबलपुर।** PhysicsWallah (पीडब्ल्यू) के लिए आज का दिन गर्व और उत्सव का रहा, जब इसके कई विद्यार्थियों ने Central Board of Secondary Education (सीबीएसई) कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च अंक प्राप्त किए। इनमें कुछ विद्यार्थियों ने शत-प्रतिशत (100%) अंक हासिल किए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में पंजाब के फाजिल्का से वैभव अरोड़ा, गुजरात के अहमदाबाद से अमोलिक पंडिता और ओडिशा के भुवनेश्वर से आयुष्मान महापात्रा शामिल हैं, जिन्होंने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर देश में शीर्ष स्थान हासिल किया।इसके अतिरिक्त, पीडब्ल्यू विद्यापीठ, जो फिजिक्सवाला के तकनीक-सक्षम ऑफलाइन केंद्र हैं, ने जबलपुर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में शहर के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने सीबीएसई कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा 2026 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। प्रमुख प्रदर्शनकर्ताओं में वेद गुप्ता (98.60%), हर्ष हल्दकर (97.60%) और अर्चना जोगलेकर (97.60%) शामिल रहीं।

अपने अनुभव साझा करते हुए वैभव अरोड़ा ने कहा, "नियमित तैयारी, सतत अभ्यास और स्कूल व पीडब्ल्यू शिक्षकों के मार्गदर्शन ने मुझे पूर्ण अंक प्राप्त करने में मदद की।" अमोलिक पंडिता ने बताया, "नियमित पुनरावृत्ति और नमूना प्रश्न पत्र हल करना मेरे लिए 100% अंक लाने में बहुत सहायक रहा।" आयुष्मान महापात्रा ने कहा, "अनुशासन बनाए रखते हुए एक सुव्यवस्थित अध्ययन योजना का पालन करना मेरी सफलता की कुंजी रहा।"परिणामों पर अपने विचार साझा करते हुए अलख पांडेय, संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, फिजिक्सवाला ने कहा, "हम परीक्षा में शामिल हुए सभी विद्यार्थियों की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हैं। विशेष रूप से उन विद्यार्थियों को बधाई, जिन्होंने पूर्ण अंक हासिल किए। ये परिणाम निरंतर प्रयास और सही शैक्षणिक सहयोग प्रणाली को दर्शाते हैं।"इस वर्ष सीबीएसई कक्षा 10 परीक्षा में 25 लाख से अधिक विद्यार्थी सम्मिलित हुए। इन विद्यार्थियों का प्रदर्शन यह दर्शाता है कि सुनियोजित ऑनलाइन एवं मिश्रित शिक्षण पद्धति शैक्षणिक सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

## महर्षि विद्या मंदिर विद्यानगर में दसवीं का परीक्षा परिणाम घोषित

**जबलपुर।**

महर्षि विद्या मंदिर सबसे बड़ी निजी स्कूल श्रृंखलाओं में से एक है, जो चेतना पर आधारित शिक्षा के माध्यम से बच्चों के शारीरिक और मानसिक आध्यात्मिक विकास पर जोर देती है। यहां सीबीएसई से सम्बद्ध और योग ध्यान पर पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिक शिक्षा दी जाती है। महर्षि विद्या मंदिर विजयनगर में दसवीं का परीक्षा परिणाम 15 अप्रैल को घोषित हुआ। इस वर्ष परीक्षा में 95% छात्र पास हुए। इस बार छात्रों का परीक्षा परिणाम अत्यंत सराहनीय रहा। विद्यालय की छात्रा तनिष्का जैन ने 97% अंक प्राप्त किया। इसी क्रम में शिवांशी चौधरी ने 96% अंक प्राप्त किया। निहारिका ठाकुर ने 86.20%, अंश पटेल ने 85.00%, बालकृष्ण यादव ने 84.60% प्राप्त किए। इन छात्रों ने विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्रीकांत सोनी ने छात्रों को बधाई दी और सम्मानित किया।

## आनंद तिवारी का हुआ सम्मान

**जबलपुर।** मध्यप्रदेश अमेच्योर शरीर सौष्ठव संघ के सक्रिय सदस्य एवं पूर्व मध्यप्रदेश कुमार बॉडी बिल्डर आनंद तिवारी का सम्मान संघ के अध्यक्ष सुमित कालिया एवं महासचिव डॉ. राकेश तिवारी द्वारा गोरखपुर रतन कॉलोनी स्थित फीनिक्स पोल्ट्री कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम में जिला संघ के सचिव सचिन यादव एवं नेशनल रेफरी शकील अनवर विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला संघ के अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, संरक्षक बी.के. पाठक, अशोक कपूर, अरविंद डहाके, जी.एस. चौहान, डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, डॉ. प्रशांत मिश्रा, अवधेश यादव, लखन नायक, इंद्रपाल सिंह गोगी, सपन रॉय, अमित सोनकर, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, लारेंस मार्टिन, दीनू स्वामी एवं रॉक्सन सिंह सहित अन्य सदस्यों ने शुभकामनाएं दीं।

### नाम परिवर्तन सूचना

मैं परषोतम नामदेव पिता हीरा लाल नामदेव निवासी 2239 राम मंदिर मोहल्ला वॉटर वर्क्स मार्ग टेमर भीटा रानी लक्ष्मी बाई वार्ड जबलपुर म. प्र.। यह कि मैं उक्त पते का निवासी हूँ । पूर्व में मेरा नाम परषोतम नामदेव पिता हीरा लाल नामदेव था जिसे परिवर्तन कर मैने अपना नाम परसराम नामदेव पिता हीरा लाल नामदेव करवा लिया था जो कि मेरे आधार कार्ड में दर्ज हैं ।परंतु मैने पुनः अपना नाम परिवर्तन कर परषोतम नामदेव पिता हीरा लाल नामदेव कर लिया हैं । अतः अब मुझे परषोतम नामदेव पिता हीरा लाल नामदेव के नाम से जाना पहचाना लिखा पढा जावे।

वर्तमान नाम-
परषोतम नामदेव पिता हीरा लाल नामदेव
पूर्व नाम- परसराम नामदेव पिता हीरा लाल नामदेव

**कु. सुरमयी दुबे-** आयुषी ग्रीन अपार्टमेंट गंगासागर गढ़ा निवासी श्री पंकज दुबे की पुत्री कु. सुरमयी दुबे (20) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री पीएल दुग्गल-** आदर्श नगर नर्मदा रोड निवासी श्री पीएल दुग्गल (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

**श्री राजेश कुशवाहा-** जाग्रति नगर अमखेरा निवासी श्री राजेश कुशवाहा (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती लक्ष्मी बाई चौधरी-** ठक्कर ग्राम पश्चिमी करियापाथर निवासी श्री उमेश चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई चौधरी (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती प्रभा देवी नौरिया-** कृपाल चौक गुप्तेश्वर निवासी श्री होती लाल नौरिया की धर्मपत्नी श्रीमती प्रभा देवी नौरिया (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

**श्री मनोज कुमार प्रजापति-** भानतलैया निवासी श्री मनोज कुमार प्रजापति (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री अमन निलकर-** कृपाल चौक खेरमाई मंदिर के पास निवासी श्री संतोष राव निलकर के पुत्र श्री अमन निलकर का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

**श्री राजेंद्र रजक-** रजक मोहल्ला

गोहलपुर निवासी श्री राजेंद्र रजक (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**कु. वैष्णवी पटेल-** शक्तिनगर बदनपुर निवासी श्री देवेंद्र पटेल की पुत्री कु. वैष्णवी पटेल (18) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

**सुश्री राधा बेन-** ठक्कर ग्राम चौथ वाले बाबा के निकट पश्चिमी करियापाथर निवासी श्री राम कुमार बेन की पुत्री सुश्री राधा बेन (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री करनजीत सिंह गिल-** मंडला रोड बिलहरी गुरूद्वारा के पास निवासी श्री करनजीत सिंह गिल (29) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती सुगन उईके-** गोराबाजार केंट पुलिस चौकी के पास निवासी श्री शंभूलाल उईके की धर्मपत्नी श्रीमती सुगन उईके (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती आशा देवी राठौर-** लार्डगंज कछियाना निवासी श्री कृष्णदेव सिंह राठौर की धर्मपत्नी श्रीमती आशा देवी राठौर (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती ममता झा-** चुंगी चौकी द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री देवेंद्र कुमार झा की धर्मपत्नी श्रीमती ममता झा (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती मुन्नी बाई कोरी-** खलासी लाइन छोटी ओमती निवासी श्री छकोड़ी लाल कोरी धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी बाई कोरी (95) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती श्यामरती बाई जैसवार-** गली नं. 19, सदर निवासी श्री पंचम लाल जैसवार की धर्मपत्नी श्रीमती श्यामरती बाई जैसवार (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती सुशीला लखेरा-** विजय नगर निवासी श्रीमती सुशीला लखेरा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री किशोर चौधरी-** गंगासागर एकता चौक अकबर का बाड़ा निवासी श्री राम प्रसाद चौधरी के पुत्र श्री किशोर चौधरी (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती शकुंतला शर्मा-** जवाहर नगर अधारताल निवासी श्री रतन लाल शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला शर्मा (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री सुरेश कोल-** संजय गांधी नगर पोलीपाथर निवासी श्री सुरेश कोल (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री राजेंद सिंह परिहार-** गोपालबाग निवासी श्री राजेंद्र सिंह परिहार का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

**श्रीमती श्यामा बाई ठाकुर-** संत नगर पोलीपाथर निवासी श्री प्रेम लाल ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती श्यामा बाई ठाकुर (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

## खबर संक्षेप

### फ्लिपकार्ट, उबर ने ग्राहकों को लाभ देने की साझेदारी

**नई दिल्ली।** ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट और ऑनलाइन कैब बुकिंग की सुविधा देने वाले मंच उबर ने साझेदारी की घोषणा की। इसके तहत फ्लिपकार्ट के 'सुपरकॉइन्स' रिवॉर्ड कार्यक्रम को उबर की वाहन सेवाओं में एकीकृत किया गया है। बुक प्रत्येक पात्र कैब यात्रा पर अपने किराये का चार प्रतिशत 'सुपरकॉइन्स' के रूप में प्राप्त कर सकते हैं।

### चीन की अर्थव्यवस्था पांच प्रतिशत की दर से बढ़ी

**हांगकांग।** चीन की अर्थव्यवस्था में 2026 की पहली तिमाही में तेजी आई और यह सालाना आधार पर पांच प्रतिशत की दर से बढ़ी। बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। जनवरी-मार्च 2026 के आंकड़े अर्थशास्त्रियों के अनुमान से बेहतर रहे और अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में दर्ज 4.5 प्रतिशत वृद्धि से भी अधिक हैं।

### पोलारिस स्मार्ट ने बीआईआई में हासिल किया वित्त पोषण

**नई दिल्ली।** पोलारिस स्मार्ट मीटरिंग ने कहा कि उसने अपनी इकाई हुगली स्मार्ट मीटरिंग के लिए ब्रिटेन के विकास वित्त संस्थान ब्रिटिश इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट (बीआईआई) से 710 करोड़ रुपये का वित्त पोषण हासिल किया है। कंपनी ने बयान में कहा कि यह वित्त पोषण पश्चिम बंगाल में 22 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लगाने में मदद करेगा।

### विप्रो का मुनाफा 1.89% घटकर 3502 करोड़ रुपए

**नई दिल्ली।** सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी विप्रो का बीते वित्त वर्ष की चौथी (मार्च) तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 1.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,501.8 करोड़ रुपये रहा है। 2024-25 की चौथी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 3,569.6 करोड़ रुपये था। 2025-26 की चौथी तिमाही में उसकी आमदनी 7.6 प्रतिशत बढ़कर 24,236.3 करोड़ रुपये हो गई।

### एसपीएल ने आधी हिस्सेदारी टेक्नॉर एपेक्स को बेची

**नई दिल्ली।** डीसीएम श्रीराम ने कहा कि वह अपनी अनुषंगी कंपनी श्रीराम पॉलीटेक लिमिटेड (एसपीएल) में अपनी आधी हिस्सेदारी नीदरलैंड की कंपनी टेक्नॉर एपेक्स बी वी को 56 लाख डॉलर में बेचेगी। एक संयुक्त उद्यम में बदल जाएगी। डीसीएम श्रीराम के बोर्ड ने इस सौदे को मंजूरी दे दी है, जिसके 23 अप्रैल तक पूरा होने की उम्मीद है।

# एक दिन में 230 वाला शेयर हुआ 1,840 रुपए का, कंपनी की पलटी किस्मत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्टॉक मार्केट में अक्सर चमत्कार होते हैं। ऐसा ही अमेरिकी शेयर बाजार में बुधवार को हुआ। घाटे की वजह से दिवालिया होने की कगार पर खड़ी ऊन के जूते बनाने वाली कंपनी ऑलबर्ड्स के शेयर अचानक रॉकेट बन गए।

- दिवालिया होने की कगार पर खड़ी थी कंपनी

लेकिन फिर एक ऐसा ऐलान हुआ जिसने न केवल कंपनी का नाम बदल दिया, बल्कि इसके गिरते हुए शेयरों को 'रॉकेट' बना दिया। कंपनी का शेयर महज 2.49 डॉलर (करीब 230 रुपए) पर खुला लेकिन शाम को बंद 16.99 डॉलर (करीब 1,840 रुपए) पर हुआ। यानी एक दिन में ही 582 प्रतिशत का उछाल। कंपनी की डूबती नैया को 'एआई' ने ऐसी रफ्तार दी कि रातों-रात निवेशकों की चांदी हो गई और कंपनी का बाजार पूंजीकरण भी 22 मिलियन डॉलर से उछलकर 150 मिलियन डॉलर हो गया।

## अमेरिकी शेयर बाजार में हुआ यह अजूबा

### क्या टिक पाएगी तेजी

बाजार के विशेषज्ञ इस बदलाव को 'अवसरवादिता' मान रहे हैं। स्वतंत्र रिटेल कंसल्टेंट बूस विंडर का मानना है कि यह केवल एआई की मौजूदा 'हाइप' का फायदा उठाने की कोशिश है। जब भी कोई नई तकनीक आती है, डूबती कंपनियां उसका नाम ओढ़कर निवेशकों को रिझाने की कोशिश करती हैं। डॉट-कॉम दौर में कंपनियों ने नाम के पीछे '.com' लगाया था। क्रिप्टो लहर में 'लॉन्ग आइलैंड आइस्ड टी' ने अपना नाम 'लॉन्ग ब्लॉकचेन' कर लिया था। विशेषज्ञों का कहना है कि ऑलबर्ड्स के पास फिलहाल एआई के क्षेत्र में कोई ठोस अनुभव या इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है, केवल एक योजना और नया नाम है।

### कंपनी की वैल्यूएशन पहले 4 अरब डॉलर थी

ऑलबर्ड्स की वैल्यूएशन कभी 4 अरब डॉलर से अधिक हुआ करती थी। लेकिन खराब मांग और घाटे के कारण यह कंपनी महज 22 मिलियन डॉलर की रह गई थी। इसके स्टोर बंद हो रहे थे और भविष्य अंधकारमय लगने लगा था। ऐसे में कंपनी ने एक चौंकाने वाला फैसला लिया। ऑलबर्ड्स ने घोषणा की है कि वह अब जूते नहीं बनाएगी, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर की दुनिया में कदम रखेगी। बस इसी ऐलान ने निवेशकों में जोश भर दिया। ऑलबर्ड्स 2021 में बाजार में लिस्ट हुई थी। तब से हर साल इसके शेयर गिरते रहे हैं।

### न्यूबर्ड एआई का जन्म

ऑलबर्ड्स अब खुद को पूरी तरह से बदलने जा रही है। कंपनी ने घोषणा की है कि वह अपने फुटवियर बिजनेस को अलविदा कहकर अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंफ्रास्ट्रक्चर की दुनिया में उतरेगी। इस नए अवतार में कंपनी का नाम होगा न्यूबर्ड एआई। कंपनी 50 मिलियन डॉलर की नई फंडिंग के जरिए हाई-परफॉर्मेंस जीपीयू इंफ्रास्ट्रक्चर खरीदेगी। ऑलबर्ड्स का लक्ष्य भविष्य में खुद को एक 'जीपीयू-एज-ए-सर्विस' और 'एआई-नेटिव क्लाउड सॉल्यूशंस' प्रदाता के रूप में स्थापित करना है।

**बांड के लिए न्यूनतम बोली आवश्यकता को कम किया गया**

**शून्य ब्याज व मूलधन उत्पाद की संरचना बांड के समान होती है**

## सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर पंजीकरण किया जाएगा

# सेबी ने गैर-लाभकारी इकाइयों के लिए पंजीकरण वैधता अवधि बढ़ाई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी ने गैर-लाभकारी इकाइयों के लिए सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर पंजीकरण वैधता अवधि बढ़ा दी है। इन इकाइयों को बिना कोई कोष जुटाये तीन साल के लिए गैर-सरकारी संगठन के रूप में पंजीकरण की अनुमति दी गयी है। साथ ही शून्य ब्याज शून्य मूलधन (जेडसीजेडपी) वाला बॉन्ड जारी करने के लिए न्यूनतम बोली आवश्यकता को कम कर दिया गया है।

शून्य ब्याज शून्य मूलधन उत्पाद की संरचना बॉन्ड के समान होती है। एक पारंपरिक बॉन्ड में, जारीकर्ता को परिपक्वता पर ब्याज और मूलधन का भुगतान करना होता है। हालांकि, चूंकि जेडसीजेडपी उत्पाद ऋण के बजाय दान मांगने वाले संगठनों द्वारा जारी किए जाते हैं, इसलिए जारीकर्ता को इकाइयों को ब्याज (शून्य कूपन) या मूलधन (शून्य मूलधन) वापस करने की आवश्यकता नहीं होती है।

### छूट कुछ ही परियोजनाओं पर लागू होगी

*सेबी ने कहा कि यह छूट केवल उन परियोजनाओं पर लागू होगी जहां लागत और परिणाम स्पष्ट रूप से प्रति इकाई आधार पर लागू किए जा सकते हैं। इससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि आंशिक बोली या अभिदान से परियोजना के क्रियान्वयन पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। ऐसे मामलों में, एसएसई को यह सुनिश्चित करने के लिए उचित जांच-पड़ताल करनी होगी कि कम बोली सीमा पर जुटाई गई राशि का उपयोग निर्धारित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सार्थक रूप से किया जा सके।*

### बोली पूरी न होने पर निवेशकों को राशि वापस

*नियामक ने यह भी कहा कि यदि न्यूनतम बोली आवश्यकता पूरी नहीं होती है तो निवेशकों को राशि वापस कर दी जाएगी। सेबी ने कहा, ''न्यूनतम बोली राशि जेडसीजेडपी जारी करके जुटाई जाने वाली राशि का 75 प्रतिशत होनी चाहिए। न्यूनतम बोली राशि 50 प्रतिशत होगी यदि जुटाई गई राशि का उपयोग इस प्रकार किया जा सके कि वह जारी करने के समय घोषित उद्देश्य के अनुरूप हो ताकि परियोजना का क्रियान्वयन व्यावहारिक और सार्थक बना रहे।''*

### न्यूनतम बोली को घटाकर 75 से 50 फीसदी किया गया

हालांकि, यह शेयर बाजार की मंजूरी पर निर्भर करेगा। इसके अतिरिक्त, नियामक ने गैर-लाभकारी संगठनों के लिए कोष जुटाने में लचीलापन बढ़ाने के लिए शून्य ब्याज शून्य मूलधन उत्पादों के लिए न्यूनतम बोली आवश्यकता को 75 प्रतिशत से घटाकर 50 प्रतिशत कर दिया है।

**जारीकर्ता को परिपक्वता पर ब्याज और मूलधन का भुगतान करना होता है**

### कोष जुटाने एक वर्ष और बढ़ाया जा सकता है

सेबी ने गैर-लाभकारी संगठनों के समक्ष आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय किया है। इन चुनौतियों में वैधानिक और नियामकीय मंजूरी में देरी शामिल है। नियामक ने कहा, एक गैर-लाभकारी संगठन सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर पंजीकरण करा सकता है और पंजीकरण की तारीख से दो वर्षों की अवधि के लिए इसके माध्यम से कोष नहीं जुटाने पर उसे छूट है। इस दो वर्ष की अवधि को एक अतिरिक्त वर्ष के लिए और बढ़ाया जा सकता है।

# वित्तीय कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली से सेंसेक्स टूटा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 123 अंक टूट गया, जबकि एनएसई निफ्टी 24,200 अंक के नीचे बंद हुआ। हाल की तेजी के बाद बैंक और वित्तीय शेयरों में मुनाफावसूली से बाजार नुकसान में रहा।

तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स शुरुआती बढ़त को गंवाते हुए 122.56 अंक की गिरावट के साथ 77,988.68 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स बढ़त के साथ खुला और 78,730.32 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, बाद में ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली से यह गिरावट के साथ 77,674.93 अंक के निचले स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी भी 34.55 अंक यानी 0.14 प्रतिशत टूटकर 24,196.75 अंक पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेत के बीच दोनों मानक सूचकांकों में बुधवार को एक प्रतिशत से अधिक की तेजी आई थी। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एचडीएफसी बैंक में सबसे ज्यादा 1.75 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फाइनेंस में प्रमुख रूप से गिरावट दर्ज की गई।

- सेंसेक्स में 123 अंक की आई गिरावट
- निफ्टी 24,200 अंक के नीचे बंद

### एशियाई बाजार में रही बढ़त

एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार दोपहर के कारोबार में सकारात्मक दायरे में थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए थे।

# भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या में 20 फीसदी गिरावट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या में 15-20 प्रतिशत की गिरावट आई है। बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। इसके अनुसार, संघर्ष के कारण पैदा हुई बाधाओं के चलते विमानन उद्योग को करीब 18,000 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा होने की आशंका है।

'भारत के पर्यटन, विमानन और आतिथ्य क्षेत्रों पर पश्चिम एशिया संघर्ष का प्रभाव' शीर्षक वाली रिपोर्ट में बताया गया कि विमानन क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। एयरलाइन कंपनियों को उड़ानें रद्द करने, हवाई क्षेत्र के प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के मार्ग में बड़े बदलावों का सामना करना पड़ रहा है। इन बाधाओं के कारण प्रमुख मार्गों पर उड़ान के समय में 2-4 घंटे की वृद्धि हुई है, जिसके चलते ईंधन की खपत और परिचालन लागत में भारी वृद्धि हुई है। एयरलाइन की परिचालन लागत में ईंधन की हिस्सेदारी 35-40 प्रतिशत होती है, और वर्तमान स्थिति ने एयरलाइन की लाभप्रदता पर दबाव डाला है।

- पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण आई गिरावट
- विमानन उद्योग को 18,000 करोड़ का शुद्ध घाटा

दुनिया के सबसे व्यस्त मार्गों में से एक पश्चिम एशिया के हवाई गलियारों में व्यवधान ने संपर्क की सुविधा को कम कर दिया है और हवाई किराये में वृद्धि की है। पीएचडीसीसीआई ने कहा कि रेटिंग एजेंसी इक्रा ने उद्योग के रुझानों, बुकिंग, रद्दीकरण और परिचालन लागत के दबावों की जांच करके उद्योग को करीब 18,000 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा होने की आशंका जताई है।

### पर्यटक सावधानी बरत रहे

रिपोर्ट के अनुसार, भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या में 15-20 प्रतिशत की गिरावट आई है, क्योंकि वैश्विक यात्री भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच सावधानी बरत रहे हैं।

**चांदी बढ़कर 2.58 लाख रुपए प्रति किलोग्राम**

# मजबूत वैश्विक संकेतों से चांदी 1,700 रुपए चढ़ी, सोना टूटा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को चांदी की कीमत 1,700 रुपये बढ़कर 2.58 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसकी वजह लगातार मांग और मजबूत वैश्विक रुख था, जबकि निवेशक भू-राजनीतिक घटनाक्रम और मुद्रा के उतार-चढ़ाव पर नजर रखे हुए थे।

अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, चांदी 1,700 रुपये या लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 2,58,700 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई, जबकि पिछली सत्र में यह 2,57,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। हालांकि, 99.9 प्रतिशत वाला सोना 200 रुपये टूटकर 1,57,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गया। बुधवार को, सोने की कीमत 1,58,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''बृहस्पतिवार को सोने में सीमित दायरे में कारोबार हुआ, जो मिले-जुले बाजार संकेतों को दिखाता है। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास चल रही अस्थिरता ने डॉलर की सुरक्षित निवेश मांग को समर्थन दिया, जिसने कीमती धातु के लिए एक बड़ी रुकावट का काम किया।

### रेनो भारत को शीर्ष तीन वैश्विक बाजारों में शामिल करेगा: सीईओ

**चेन्नई।** फ्रांसीसी वाहन विनिर्माता रेनो की भारत को अपने शीर्ष तीन वैश्विक बाजारों में शामिल करने की योजना है और इसके लिए वह 2030 तक देश में कई ऊर्जा विकल्पों वाले सात मॉडल पेश करेगी। कंपनी के वैश्विक समूह सीईओ फ्रांस्वा प्रोवोस्ट ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्रोवोस्ट ने यहां कहा कि रेनो भारत में अपने सबसे बड़े उत्पाद नवीनीकरण चरण में प्रवेश कर रही है। उन्होंने कहा, /"हम नए वाहन पेश करेंगे और वर्ष 2030 तक अपने पोर्टफोलियो को सात मॉडल तक लेकर जाएंगे। हाल ही में अपने लोकप्रिय मॉडल डस्टर को दोबारा भारतीय बाजार में पेश करने वाली कंपनी ने निर्यात (कलपुर्जों समेत) से 2030 तक सालाना दो अरब यूरो राजस्व का लक्ष्य भी तय किया है।

### पाक को सऊदी अरब से दो अरब डॉलर की सहायता मिली

एजेंसी ▶▶| कराची

पाकिस्तानी केंद्रीय बैंक एसबीपी ने सऊदी अरब से दो अरब अमेरिकी डॉलर की राशि मिलने की बृहस्पतिवार को पुष्टि की। वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने एक दिन पहले ही तीन अरब डॉलर की विदेशी सहायता मिलने की घोषणा की थी। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने बयान में कहा कि सऊदी अरब से दो अरब डॉलर की राशि 15 अप्रैल, 2026 को प्राप्त हुई। यह राशि ऐसे समय आई है जब पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बना हुआ है। इस राशि का हस्तांतरण प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सऊदी अरब यात्रा के दौरान हुआ, जहां वह पश्चिम एशिया में शांति प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए गए हैं।

- वित्त मंत्री ने तीन दिन पहले तीन अरब डॉलर मिलने की घोषणा की थी

सऊदी अरब ने हाल ही में पाकिस्तान के लिए अपनी पांच अरब डॉलर की जमा सुविधा को तीन वर्ष के लिए बढ़ा दिया है। इसके अलावा अलग से तीन अरब डॉलर जमा करने का भी आश्वासन दिया है। इस नई सहायता के साथ सऊदी अरब पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक में कुल आठ अरब डॉलर जमा रखने वाला सबसे बड़ा देश बन गया है।

### भारत ने 2025-26 में निर्यात का नया रिकॉर्ड बनाया

**नई दिल्ली।** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 में 860 अरब डॉलर के कुल निर्यात के साथ माल एवं सेवाओं के निर्यात में नया रिकॉर्ड बना दिया है। गोयल ने सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट में कहा, 'भारत ने निर्यात का नया रिकॉर्ड बनाया। यह देश के लिए गर्व का विषय है कि भारत ने 2025-26 में निर्यात के मामले में नया कीर्तिमान स्थापित किया है।' इससे पहले वित्त वर्ष 2024-25 में कुल माल एवं सेवा निर्यात 825 अरब डॉलर रहा था। गोयल ने कहा कि यह उपलब्धि वैश्विक स्तर पर जारी चुनौतियों के बावजूद हासिल की गई है, जो देश की आर्थिक मजबूती एवं वैश्विक व्यापार में बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है।

### रुपया 10 पैसे की बढ़त के साथ 93.23 प्रति डॉलर पर

**मुंबई।** पश्चिम एशिया में संघर्ष विराम की उम्मीदों के बीच वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के चलते रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 10 पैसे मजबूत होकर 93.23 (अस्थायी) पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि आयातकों की ओर से डॉलर की मांग बढ़ने और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि कच्चे तेल की कीमतें 95 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहने से घरेलू मुद्रा में तेजी आई।

**'दोस्त' और 'दोस्त प्लस एक्सएल' वाहन सीएनजी व पेट्रोल में किए पेश**

# अशोक लेलैंड ने पेश किए दो ईंधन वाले एलसीवी मॉडल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वाणिज्यिक वाहन कंपनी अशोक लेलैंड ने पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद मांग मजबूत बनी होने का जिक्र करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित उसके संयंत्र के उत्पादन पर असर पड़ा है।

- 'दोस्त' और 'बड़ा दोस्त' पहले से ही इलेक्ट्रिक संस्करण में उपलब्ध हैं

कंपनी के अध्यक्ष (हल्के वाणिज्यिक वाहन, अंतरराष्ट्रीय परिचालन, रक्षा एवं बिजली समाधान) अमनदीप सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मौजूदा हालात का वित्त वर्ष 2026-27 के प्रदर्शन पर संभावित असर का आकलन करना अभी जल्दबाजी होगी लेकिन भारत में आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं।

### सऊदी अरब में नया असेंबली संयंत्र लगाने पर काम

यूएई के रास अल खैमा में स्थित विनिर्माण संयंत्र अशोक लेलैंड के लिए खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) और अफ्रीकी बाजारों के एक गढ़ के रूप में काम करता है। इसके अलावा, कंपनी सऊदी अरब में एक नया असेंबली संयंत्र लगाने पर भी काम कर रही है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 11,534 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व दर्ज किया, जिसमें मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहन (एमएचसीवी) और हल्के वाणिज्यिक वाहन (एलसीवी) की मजबूत बिक्री का योगदान रहा।

### ग्राहक दोनों ईंधन के बीच स्विच कर सकते हैं

इसी क्रम में अशोक लेलैंड ने बृहस्पतिवार को 'दोस्त' और 'दोस्त प्लस एक्सएल' के दोहरे ईंधन (सीएनजी और पेट्रोल) वाले संस्करण भी पेश किए। इन संस्करणों में ग्राहक अपनी पसंद के हिसाब से दोनों ईंधन के बीच 'स्विच' कर सकते हैं। सिंह ने कहा कि मौजूदा तनाव के बावजूद खाड़ी देशों में मांग में कोई कमी नहीं आई है और ऑर्डर रद्द होने के मामले भी नहीं देखे गए हैं।

### मार्च में उत्पादन थोड़ा घटा

सिंह ने कहा कि पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात के कारण लॉजिस्टिक और कलपुर्जों की आपूर्ति में कुछ बाधाएं आई हैं, जिससे मार्च में उत्पादन थोड़ा घट गया। उन्होंने कहा, /"हम वैकल्पिक मार्ग और लॉजिस्टिक व्यवस्था पर काम कर रहे हैं ताकि संयंत्र का संचालन सामान्य हो सके। स्थिति जल्द सुधरने की उम्मीद है।/"

### एलसीवी की अच्छी बिक्री

सिंह ने कहा कि ईरान से जुड़े तनाव इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की मांग को बढ़ावा दे सकते हैं और कंपनी इस दिशा में आगे बढ़ने को तैयार है। सिंह ने कहा, ''कंपनी के हल्के वाणिज्यिक वाहन (एलसीवी) मॉडल 'दोस्त' और 'बड़ा दोस्त' पहले से ही इलेक्ट्रिक संस्करण में उपलब्ध हैं और उनकी अच्छी संख्या में बिक्री हो रही है।''

### वोल्वो एक मई से वाहनों के दाम एक लाख तक बढ़ाएगी

**मुंबई।** स्वीडन की लक्जरी कार विनिर्माता वोल्वो कार्स ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह भारत में अपने वाहनों की कीमतों में एक मई से एक लाख रुपये तक की बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में लगातार व्यवधान आने और विदेशी मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के चलते उसे कीमतों में यह सीमित बदलाव करना पड़ रहा है। इसके साथ ही वोल्वो कार्स इंडिया ने संकेत दिए कि वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक परिस्थितियां इसी तरह बनी रहने पर आगे भी कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है।

चिंतन

# महिला हित में राजनीति से ऊपर उठें सभी दल

भारतीय लोकतंत्र में लंबे इंतजार के बाद महिला आरक्षण को लेकर आया "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" केवल एक विधायी पहल नहीं, बल्कि सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। दशकों से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए यह कानून लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33% महिला आरक्षण का रास्ता खोलता है। ऐसे समय में जब संसद में महिलाओं की भागीदारी अभी भी सीमित रही है, यह पहल लोकतंत्र को अधिक प्रतिनिधिक और समावेशी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। ऐसे में सभी विपक्षी दलों को चाहिए कि वे महिला हित में राजनीति से ऊपर उठें और इस बिल का समर्थन करें। हालांकि तेलंगाना, तमिलनाडु समेत दक्षिण के कुछ राज्य इसके विरोध में हैं, लेकिन इस ऐतिहासिक पहल के साथ एक कड़वी सच्चाई भी सामने आई है। वह विपक्षी दलों में श्रेय लेने की होड़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष से यह कहकर कि "आप श्रेय ले लीजिए, लेकिन महिला हित में समर्थन दीजिए", एक तरह से उस राजनीतिक मानसिकता को उजागर किया है, जहां मुद्दे से ज्यादा महत्व श्रेय को दिया जाता है। सवाल यह है कि क्या देश की आधी आबादी के अधिकार भी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की भेंट चढ़ेंगे? यह विधेयक केवल संख्या बढ़ाने का प्रयास नहीं है। आज संसद में महिलाओं की भागीदारी लगभग 14-15 प्रतिशत के आसपास है, जो लोकतांत्रिक संतुलन के लिहाज से अपर्याप्त है। ऐसे में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाएगा और निर्णयों को अधिक संवेदनशील तथा समावेशी बनाएगा। यह 'महिला विकास' से आगे बढ़कर 'महिला-नेतृत्व विकास' की दिशा में एक वैचारिक बदलाव भी है। फिर भी, इस पहल के साथ कुछ गंभीर सवाल जुड़े हुए हैं। सबसे बड़ी चिंता इसका कार्यान्वयन है, जिसे परिसीमन और जनगणना से जोड़ दिया गया है। इसका सीधा अर्थ है कि यह कानून 2029 तक ही प्रभावी हो पाएगा। क्या यह देरी अनिवार्य है या राजनीतिक सुविधा का परिणाम? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इतिहास गवाह है कि कई बार अच्छे कानून भी लागू होने में वर्षों की देरी के कारण अपना प्रभाव खो देते हैं। इसके अलावा, सीटों के रोटेशन की व्यवस्था भी एक जटिल मुद्दा है। लगातार बदलती सीटें महिला प्रतिनिधियों के लिए स्थिर राजनीतिक आधार तैयार करने में बाधा बन सकती हैं। लोकतंत्र में निरंतरता और अनुभव का महत्व कम नहीं आंका जा सकता, इसलिए इस व्यवस्था पर गंभीरता से पुनर्विचार आवश्यक है। विपक्ष द्वारा उठाया गया एक और महत्वपूर्ण मुद्दा है ओबीसी महिलाओं के लिए अलग आरक्षण का अभाव। यदि महिला आरक्षण का लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से नहीं पहुंचता, तो यह सशक्तिकरण अधूरा रह जाएगा। इसलिए यह जरूरी है कि इस कानून के क्रियान्वयन में सामाजिक न्याय के व्यापक पहलुओं को भी ध्यान में रखा जाए। आज जरूरत इस बात की है कि सभी दल इस मुद्दे पर राजनीति से ऊपर उठें। यह केवल सत्ता या विपक्ष का सवाल नहीं, बल्कि समाज के संतुलित विकास का प्रश्न है। महिला सशक्तिकरण को यदि सच में राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना है, तो इसे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से अलग रखना होगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक अवसर है भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी, संतुलित और संवेदनशील बनाने का, लेकिन यह अवसर तभी सार्थक होगा, जब इसे ईमानदारी से लागू किया जाए और राजनीतिक दल इसके पीछे छिपे व्यापक उद्देश्य को समझें।

संसद सत्र

डॉ. सतीश पूनियां

# महिला आरक्षणः नारी शक्ति से राष्ट्र शक्ति

यह भारतीय जनता पार्टी की देश की आधी आबादी को उनका वांछित अधिकार दिलाने की मंशा और इच्छाशक्ति का भी सत्र है। गुरुवार को संसद में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, परिसीमन विधेयक 2026 और केंद्र-शासित प्रदेश कानून (संशोधन विधेयक), 2026 सदन में प्रस्तुत किए गए। इसके माध्यम से विधायिका में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने का प्रस्ताव है। भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। मोदी सरकार के नेतृत्व में पिछले एक दशक में देश और दुनिया ने यह अनुभव किया है कि भारत में महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक तौर पर सशक्त किया गया है।

संसद का यह विशेष सत्र भारतीय संसद के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। यह भारतीय जनता पार्टी की देश की आधी आबादी को उनका वांछित अधिकार दिलाने की मंशा और इच्छाशक्ति का भी सत्र है। गुरुवार को संसद में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, परिसीमन विधेयक 2026 और केंद्र-शासित प्रदेश कानून (संशोधन विधेयक), 2026 सदन में प्रस्तुत किए गए। इसके माध्यम से विधायिका में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने का प्रस्ताव है। भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। मोदी सरकार के नेतृत्व में पिछले एक दशक में देश और दुनिया ने यह अनुभव किया है कि भारत में महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक तौर पर सशक्त किया गया है।

इसके लिए महिला आधारित अनेक योजनाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। महिलाओं को राजनीतिक तौर पर सशक्त करने की उसी मंशा के अनुरूप मोदी सरकार विधानसभा और संसद में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के उद्देश्य से महिला आरक्षण के प्रावधान को शीघ्र लागू करने की दिशा में पहल की है। भारत पुरातन प्रवाह का राष्ट्र है। एक विशिष्ट इतिहास, संस्कृति और विरासत के कारण विश्व में एक पहचान वाला राष्ट्र है। जहां भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक भिन्नताएं होते हुए भी 'अनेकता में एकता' ऐसा दृश्य परिलक्षित होता है। विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत आधुनिक युग में लोकतांत्रिक व्यवस्था की अक्षुण्णता के लिए भी माना जाता है। आज विश्व के मानचित्र पर भारत की एक आत्मनिर्भर स्वाभिमानी राष्ट्र की पहचान है। भारत के लोकतंत्र को दृढ़ता भारत के संविधान ने दी है जो एक वैशिष्ट्य लिए हुए है, जिसमें नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों में बखूबी उल्लेख किया गया है। भारत के संविधान में प्रदत समानता के अधिकारों ने इसे और पुष्ट किया है, इसलिए लैंगिक समानता के अवसर सुनिश्चित करने के लिए यह उत्कंठा हमेशा रही है कि गार्गी, मैत्रेयी के पुरातन परंपरा के देश में महिलाओं यानि आधी आबादी को पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिले ताकि शासन में, निर्णयों में भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ ही नारी के उत्थान और उत्कर्ष में पूर्वक अपना योगदान दे सकें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का महिलाओं को उनका वांछित अधिकार दिलाने का निर्णय भारतीय जनता पार्टी की नीतियों और उसके नेतृत्व की महिलाओं के प्रति संवेदनशील नीति का ही आईना है। भारतीय जनसंघ और भाजपा के वैचारिक स्तंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय अपने 'एकात्म मानववाद' के सिद्धांत में समाज को एक जीवंत इकाई के रूप में देखते हैं। उनके अनुसार, समाज के प्रत्येक अंग का सशक्त होना आवश्यक है और नारी इसमें केंद्रीय भूमिका निभाती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पुरुष और स्त्री परस्पर पूरक हैं। किसी एक की उपेक्षा राष्ट्र को कमजोर बना देती है। यह दर्शन आज मोदी सरकार की नीतियों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहां महिला सशक्तिकरण को केवल सामाजिक न्याय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय पुनरुत्थान का आधार माना गया है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की

भागीदारी को हमेशा प्राथमिकता दी। उन्होंने संसद में महिला आरक्षण विधेयक लाने का साहसिक प्रयास किया, भले ही वह उस समय राजनीतिक बाधाओं के कारण सफल नहीं हो सका। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना शुरू हुई तो देश की 32 करोड़ से ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते खुले। आज देश की बेटियां नए-नए बिजनेस में अपनी पहचान बना रही हैं। मुद्रा योजना में 60% से ज्यादा लोन महिलाओं ने लिए हैं। देश की स्टार्टअप क्रांति को भी महिलाएं लीड कर रही हैं। आज 42% से ज्यादा रजिस्टर्ड स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला डायरेक्टर है। यह हमारे लिए, देश के लिए और देश की आधी आबादी के लिए गौरव की बात है कि इस समय हमारे देश में राष्ट्रपति से लेकर वित्त मंत्री जैसे अहम पद महिलाएं ही संभाल रही हैं। उन्होंने देश की गरिमा और गौरव, दोनों को बढ़ाया है। साल 2023 में जब नारी शक्ति वंदन अधिनियम आया था, तब भी सभी दलों ने सर्वसम्मति से इसे पास कराया था। तब एक सुर में ये बात भी उठी थी कि इसे हर हाल में 2029 तक लागू हो जाना चाहिए। खासकर, हमारे विपक्ष के सभी साथियों ने मुखर होकर इस बात पर जोर डाला था कि 2029 में ये लागू हो जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने उसी संकल्प को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में महिला सशक्तिकरण को लेकर जो ठोस कदम उठाए गए हैं, उन्होंने समाज की संरचना को बदलने का कार्य किया है। फिर चाहे वह सम्मानजनक जीवन जीने के लिए स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालयों के निर्माण की बात हो, या फिर 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के माध्यम से महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने का प्रयास हो। यह योजनाएं केवल सुविधाएं नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और आत्मसम्मानी बनाने के साधन हैं। आर्थिक सशक्तिकरण के मोर्चे पर भी मोदी सरकार लगातार महिलाओं के लिए कार्य कर रही हैं। जन-धन खातों, स्वयं सहायता समूहों और मुद्रा योजनाओं ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। आज ग्रामीण भारत में लाखों महिलाएं उद्यमिता की ओर अग्रसर हैं। लखपति दीदी के माध्यम से मोदी सरकार ने महिलाओं को उद्यमिता में आगे बढ़ाने का काम किया है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान के माध्यम से महिलाओं के प्रति समाज की सोच में क्रांतिकारी बदलाव लाने में मोदी सरकार ने अभूतपूर्व काम किया। इस अभियान से निश्चित रूप से सामाजिक मानसिकता में परिवर्तन आया है। इसका परिणाम भी हमें पिछले दस-ग्यारह वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में देखने को मिला है। खेल, विज्ञान, शिक्षा, राजनीति और आर्थिक क्षेत्र में देश की महिलाओं ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। 73वें और 74वें संविधान संशोधन के बाद पंचायतों में महिलाओं को आरक्षण तो मिला, लेकिन लंबे समय तक 'सरपंच पति' जैसी प्रवृत्तियां इस व्यवस्था को कमजोर करती रहीं।

मोदी सरकार ने 'सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान' के माध्यम से इस प्रवृत्ति को चुनौती दी है। सशक्त पंचायत - नेत्री अभियान जैसी महत्वपूर्ण पहल से पूरे देश में पंचायती राज संस्थाओं की महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों को सशक्त किया गया। 4 मार्च 2025 को नई दिल्ली में 'सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान' का शुभारंभ किया गया। वर्षों की जड़ता और संघर्ष तथा विमर्श के बाद मोदी सरकार में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक उल्लेखनीय, ऐतिहासिक एवं स्तुत्य कदम है। 2029 तक संसद और विधानसभाओं में में 33% महिला प्रतिनिधित्व का लक्ष्य भारत को न केवल एक आर्थिक शक्ति, बल्कि एक न्यायपूर्ण और समावेशी लोकतंत्र के रूप में स्थापित करेगा।

(लेखक भाजपा हरियाणा प्रभारी हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

आधी दुनिया

महेन्द्र तिवारी

# लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का भविष्य

भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है, लेकिन प्रतिनिधित्व के स्तर पर यह लंबे समय तक आधा अधूरा रहा है क्योंकि जनसंख्या का लगभग आधा हिस्सा होने के बावजूद महिलाएं राजनीतिक संस्थाओं में पर्याप्त रूप से शामिल नहीं हो पाई हैं। इसी ऐतिहासिक असंतुलन को दूर करने के उद्देश्य से 2023 में पारित संविधान का संशोधन अधिनियम, जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम कहा जाता है, एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में सामने आया। यह अधिनियम लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान करता है, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए भी उप आरक्षण शामिल है। यह कानून लगभग 27 वर्षों से चल रही बहस और राजनीतिक प्रयासों का परिणाम है। 19 सितंबर 2023 को इसे लोकसभा में प्रस्तुत किया गया और 20 तथा 21 सितंबर को दोनों सदनों से पारित कर दिया गया। 28 सितंबर 2023 को राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद यह संविधान का हिस्सा बन गया। इस अधिनियम का उद्देश्य स्पष्ट है, लेकिन इसकी वास्तविकता को समझने के लिए वर्तमान स्थिति पर नजर डालना जरूरी है। आज लोकसभा की 543 सीटों में से केवल 74 सीटों पर महिलाएं हैं, जो लगभग 13.6 प्रतिशत है। यह संख्या 2019 के 78 से थोड़ी कम है। वहीं देशभर में कुल 4666 सांसदों और विधायकों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 10 प्रतिशत के आसपास है। 2024 के लोकसभा चुनाव में कुल 8360 उम्मीदवारों में केवल 797 महिलाएं थीं, यानी लगभग 9.6 प्रतिशत, और लगभग 28 प्रतिशत सीटों पर कोई महिला प्रत्याशी ही नहीं था। यह आंकड़े इस बात को स्पष्ट करते हैं कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी अभी भी संरचनात्मक बाधाओं से घिरी हुई है। इसके विपरीत यदि पंचायती राज संस्थाओं को देखा जाए तो तस्वीर बिल्कुल अलग दिखाई देती है। यहां महिलाओं की भागीदारी लगभग 46.6 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है और कई राज्यों में यह 50 प्रतिशत से भी अधिक है। यह अनुभव इस बात का प्रमाण है कि जब आरक्षण को सही तरीके से लागू किया जाता है तो महिलाएं न केवल प्रतिनिधित्व प्राप्त करती हैं बल्कि प्रभावी नेतृत्व भी प्रस्तुत करती हैं। वैश्विक तुलना में भी भारत पीछे है। रवांडा में संसद में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 64 प्रतिशत है, क्यूबा में 53 प्रतिशत, निकारागुआ में 52 प्रतिशत और संयुक्त अरब अमीरात में 50 प्रतिशत। इस परिप्रेक्ष्य में भारत का आंकड़ा अपेक्षाकृत कम है, जो यह दर्शाता है कि केवल लोकतांत्रिक ढांचा पर्याप्त नहीं है, बल्कि समावेशी नीतियों की भी आवश्यकता होती है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इस कमी को दूर करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है, लेकिन इसके कार्यान्वयन से जुड़ी शर्तें इसे जटिल बना देती हैं। अधिनियम में जोड़ा गया अनुच्छेद 334ए यह स्पष्ट करता है कि महिलाओं के लिए आरक्षण तब तक लागू नहीं होगा, जब तक अगली जनगणना के आंकड़े प्रकाशित नहीं हो जाते और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती। इसका अर्थ यह है कि कानून पारित होने के बावजूद इसका प्रभाव तुरंत नहीं दिखेगा। यही बिंदु इस अधिनियम की सबसे बड़ी आलोचना का कारण भी बना हुआ है। 2021 की जनगणना पहले ही टल चुकी है और अब यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि नई जनगणना 2026 के बाद होगी। इसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया भी समय लेगी, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि महिलाओं का आरक्षण 2029 या उससे भी बाद के चुनावों में लागू हो सकता है। इस देरी को कई विशेषज्ञ न्याय में विलंब के रूप में देखते हैं। हालांकि सरकार और कुछ संवैधानिक विशेषज्ञों का तर्क है कि बिना अद्यतन जनसंख्या आंकड़ों के सीटों का पुनर्वितरण करना उचित नहीं होगा। संविधान के अनुसार परिसीमन एक आवश्यक प्रक्रिया है ताकि प्रतिनिधित्व समान और संतुलित रहे। इस प्रकार यह बहस केवल राजनीतिक नहीं बल्कि संवैधानिक भी है। इस प्रकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐसा कानून है जो सिद्धांत रूप में अत्यंत प्रगतिशील है, लेकिन व्यवहार में कई जटिलताओं से घिरा हुआ है। यह महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है, परंतु इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे कितनी शीघ्रता और प्रभावशीलता के साथ लागू किया जाता है। यदि जनगणना और परिसीमन की प्रक्रियाओं को समय पर पूरा कर लिया जाता है तो यह अधिनियम भारत के लोकतंत्र को अधिक समावेशी और संतुलित बना सकता है। अन्यथा यह केवल एक अधूरी संभावना बनकर रह सकता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

## संघर्ष से आती है जीवंतता

संकलित

दर्शन

साधना संसार में है, जंगल में तो साधना का सवाल ही नहीं है। साधना यहां है, जहां प्रतिपल कांटे हैं। कांटों के बीच जिस दिन तुम चलना सीख लो और कांटों के बीच तो चलो और कांटे चुभें न, बस उसी दिन समझ लेना कि अब तुम योग्य हो गए। जंगल जाने की जरूरत भी क्या है। यहीं भीड़ में जंगल हो गया है, अगर तुम्हारे भीतर प्रौढ़ता आ जाए, तो प्रज्ञा का जन्म हो। प्रज्ञा का जन्म संघर्षण से होता है। प्रतिपल जीवन की चुनौतियों को स्वीकार करने से होता है। हारने, गिरने, उठने से होता है। हजार बार गाली दी जाएगी, तुम क्रोधित हो जाओगे। हजार बार के अनुभव से तुम्हें समझ में आ जाएगा कि अपने को जलाना व्यर्थ है। गाली कोई दूसरा दे रहा है, दंड अपने को देना व्यर्थ है। एक दिन तो ऐसा आएगा कि कोई दूसरा गाली देगा और तुम्हारे भीतर क्रोध न आएगा। उसी दिन तुम्हारे भीतर एक कांटा फूल बन गया। उस दिन तुम्हें जो शांति मिलेगी, कोई जंगल नहीं दे सकता। जंगल की शांति मुर्दा है। अगर यहां गालियों के बीच तुम शांत हो गए, तो तुम्हारी शांति में एक जीवंतता होगी। जंगल की शांति में सन्नाटा है, क्योंकि वहां कोई है ही नहीं। वह नकारात्मक है। संसार में अगर तुम शांत हो जाओ तो सकारात्मक है। जंगल की शांति मरने जैसी है, संसार की शांति बड़ी जीवंत है। परमात्मा को पाना है, तो भागना मत। भगोड़ों से परमात्मा का कभी कोई संबंध नहीं जुड़ता। कायरों से संबंध जुड़ भी कैसे सकता है? चुनौती स्वीकार करने वाला साहस चाहिए।

## कोयला और चंदन

संकलित

प्रेरणा

चौधरी पहलवान का पूरा जीवन जरूरतमंदों की सहायता के लिए समर्पित हुआ था। जब उनका अंतिम समय नजदीक आया तो उन्होंने अपने बेटे को पास बुलाया। बेटा पास आ गया तो उन्होंने उससे कहा-देखो बेटा, मैंने अपना सारा जीवन दुनिया को शिक्षा देने में गुजार दिया। अब अपने अंतिम समय में मैं तुम्हें कुछ जरूरी बातें बताना चाहता हूं। लेकिन इससे पहले जरा तुम एक कोयला और चंदन का एक टुकड़ा उठा कर ले लाओ। बेटे को पहले तो यह बड़ा अटपटा लगा, लेकिन उसने सोचा कि अब पिता का हुक्म है तो यह सब लाना ही होगा। उसने रसोई घर से कोयले का एक टुकड़ा उठाया। संयोग से घर में चंदन की एक छोटी लकड़ी भी मिल गई। वह दोनों को लेकर अपने पिता के पास पहुंच गया। उसे आया देख पहलवान बोले- बेटा, अब इन दोनों चीजों को नीचे फेंक दो। बेटे ने दोनों चीजें नीचे फेंक दीं और हाथ धोने जाने लगा तो पहलवान बोले- जरा ठहरो बेटा। मुझे अपने हाथ तो दिखाओ। बेटे ने हाथ दिखाए तो वह उसका कोयले वाला हाथ पकड़ कर बोले, देखा तुमने। कोयला पकड़ते ही हाथ काला हो गया। लेकिन उसे फेंक देने के बाद भी तुम्हारे हाथ में कालिख लगी रह गई। गलत लोगों की संगति ऐसी ही होती है। उनके साथ रहने पर भी दुख होता है और उनके न रहने पर भी जीवन भर के लिए बदनामी साथ लग जाती है। दूसरी ओर सज्जनों का संग इस चंदन की लकडी की तरह है जो साथ रहते हैं तो दुनिया भर का ज्ञान मिलता है और उनका साथ छूटने पर भी उनके विचारों की महक जीवन भर बनी रहती है।

## अंतर्मन

### आज की पाती

**बच्चों की परीक्षाएं और क्रिकेट का उन्माद**

हद होती है हर चीज की। लगभग चौबीस घंटे, बारह महीने क्रिकेट ही क्रिकेट का असहनीय शोर-शराबा। सबको मालूम है न कि भारत में मार्च-अप्रैल महीने विद्यार्थियों के लिए कितने ही अधिक महत्वपूर्ण हैं! आईपीएल तो हर साल ही होता है, और इस बार ये 'टी-20 वर्ल्ड कप' का हल्ला-गुल्ला भी निरंतर चलता रहा है। इन्हीं दो महीनों में लगभग सारे भारत के सभी स्कूलों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों में छात्र-छात्राओं के विभिन्न प्रकार की बहुत सारी परीक्षाएं और एंट्रेंस टेस्ट होते हैं। ऐसे में देश के हर शहर, कालोनी, नुक्कड़, गली-मोहल्ले, गांव-देहात में घर-बाहर क्रिकेट का ये सर्वथा गैर-जरूरी शोर, हो-हल्ला तथा अवांछित चर्चाएं गंभीर और मेधावी विद्यार्थियों के लिए बड़ी चुनौती बने रहते हैं।

*- सुषमा राजपूत, रोहतक*

## ट्रेंड

### उत्तर प्रदेश में अब शांति

आज उत्तर प्रदेश में कोई अशांति नहीं है, सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ी जा रही है, मस्जिदों से माइक्रोफोन की आवाज नहीं आ रही है, कोई गोहत्या नहीं हो रही है, न ही लव जिहाद की कोई घटना घट रही है।

- **योगी आदित्यनाथ,** सीएम, उप्र

### टीएमसी की धारणा

असम में दस साल से भाजपा की सरकार है, लेकिन वहां के लोग मांसाहारी भोजन खाते हैं। तो फिर टीएमसी बंगाल में यह गलत धारणा क्यों फैला रही है कि भाजपा बंगाल में मांसाहारी भोजन पर प्रतिबंध लगा देगी ?

- **हिमंता बिस्वा सरमा,** सीएम, असम

### परिसीमन पर छल

हम महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन करते हैं, लेकिन इस सरकार द्वारा इसे पेश करने का तरीका राजनीतिक रूप से प्रेरित है। हमारी मांग है कि इस संशोधन को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के बजाय इसे लागू करें। दूसरा, सरकार परिसीमन पर छल कर रही है।

- **मल्लिकार्जुन खरगे,** अध्यक्ष, कांग्रेस

### कच्चे तेल की कीमतें

आरबीआई के पूर्वानुमानों के आधार पर, लगता है कि कच्चे तेल की कीमतों में आए अचानक उछाल के शांत होने के बाद ही ब्याज दरों में वृद्धि शुरू होगी। हालांकि, चिंता की बात यह है कि तब तक, जीएसटी युक्तिकरण के माध्यम से हासिल किया गया मूल्य सुधार बेअसर हो सकता है।

- **स्वामीनाथन पद्मनाभन, उद्यमी**

## करंट अफेयर

# लंदन में भारतीय उच्चायोग ने आंबेडकर की जयंती मनाई

लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने पुष्पांजलि अर्पित कर 'भारत रत्न' डॉ. बी. आर. आंबेडकर की 136वीं जयंती मनाई और समानता के बाबासाहेब के संदेश पर विचार साझा किया। बुधवार शाम को 'इंडिया हाउस' के आंबेडकर हॉल में आयोजित कार्यक्रम में 'फेडरेशन ऑफ अंबेडकराइट एंड बुद्धिस्ट ऑर्गेनाइजेशन्स' (एफएबीओ) ब्रिटेन के सदस्यों, छात्रों और समुदाय के नेताओं द्वारा भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता के दूरगामी सामाजिक-आर्थिक योगदान की प्रशंसा में काव्यात्मक प्रस्तुतियों से माहौल जीवंत हो उठा। इस मौके पर आंबेडकर के जीवन और करियर की कई प्रमुख घटनाओं को शामिल करते हुए एक वीडियो दिखाया गया, जिसमें लंदन में विधि छात्र के रूप में बिताये गए उनके समय को भी प्रदर्शित किया गया। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दुरईस्वामी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'आंबेडकर का यह संदेश कि लोकतंत्र का सार इस विचार में निहित है कि हम सभी लोगों के साथ समान व्यवहार करें, एक आधुनिक राष्ट्र के लिए काफी महत्व रखता है।' उन्होंने कहा, और बेशक, यह एक ऐसी यात्रा है जो न केवल भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में अब भी जारी है। हम लगातार असमानता और लैंगिक एवं सामाजिक आधार पर हिंसा के दौर में जी रहे हैं।

## ऑफ बीट

# भोजन और दवाएं बदल सकती हैं त्वचा का रंग

जब हांगकांग में 84 वर्षीय एक व्यक्ति बढ़े हुए प्रोस्टेट के साथ अस्पताल गया, तो डॉक्टर यह देखकर चौंक गए कि उसकी त्वचा - और यहां तक कि उसकी आँखों का सफेद भाग भी धूसर रंग का हो गया था। ये मामले आर्गिरिया नामक स्थिति के उदाहरणों को दर्शाते हैं, जिसमें शरीर में चांदी के कण जमा हो जाते हैं। चांदी कभी अपने रोगाणुरोधी गुणों के कारण चिकित्सा उपचारों में मुख्य आधार थी। लेकिन आधुनिक साक्ष्य दर्शाते हैं कि बहुत अधिक मात्रा में इसके सेवन या अवशोषण से व्यक्ति की त्वचा में ऐसे परिवर्तन हो सकते हैं जो शायद ही कभी फीके पड़ते हैं। आर्गिरिया में, चांदी के आयन रक्तप्रवाह के माध्यम से प्रसारित होते हैं और त्वचा की ऊपरी सतह डर्मिस में समा जाते हैं। डर्मिस सतह के नीचे की एक परत है जहां शरीर उन्हें आसानी से साफ नहीं कर सकता है। यह वह परत है जिसमें टैटू पिगमेंट रहते हैं। इसी तरह की एक दुर्लभ घटना क्रिसियासिस है, जिसमें सोने का त्वचा में जमाव होता है। अतीत में पहले कभी सूजन संबंधी विकारों के लिए सोने पर आधारित उपचार किए जाते थे। कुछ मामलों में, इन उपचारों के बाद रोगियों में एक विशिष्ट भूरा या भूरा-बैंगनी रंग का विरंजन विकसित हुआ, जो आर्गिरिया की तरह, आसानी से ठीक नहीं किया जा सकता था।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

## आय से अधिक संपत्ति मामले में कार्रवाई, आलीशान बंगले से लेकर करोड़ों के निवेश तक का खुलासा

# रिटा. पीडब्ल्यूडी एसडीओ नागवंशी पर ईओडब्ल्यू का छापा, करोड़ों की संपत्ति उजागर

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाडा

छिंदवाड़ा जिले में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की टीम ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के रिटायर्ड एसडीओ महेश नागवंशी के ठिकानों पर छापेमारी की। आय से अधिक संपत्ति के मामले में की गई इस कार्रवाई में अब तक करोड़ों रुपये की संपत्ति का खुलासा हो चुका है, जबकि जांच अभी जारी है।

जबलपुर से आई ईओडब्ल्यू की करीब 25 सदस्यीय टीम ने सुबह तड़के पूरी गोपनीयता के साथ छिंदवाड़ा पहुंचकर एक साथ कई ठिकानों पर दबिश दी। कार्रवाई की भनक लगने से पहले ही टीम ने नागवंशी के निवास और अन्य संपत्तियों को अपने कब्जे में लेकर तलाशी शुरू कर दी। दिनभर चली इस कार्रवाई में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। प्रारंभिक जांच के अनुसार, महेश नागवंशी के पास एक आलीशान बंगला मिला है, जिसकी कीमत लाखों में आंकी जा रही है। इसके अलावा करीब दो करोड़ रुपये मूल्य की कृषि भूमि, दो प्लॉट और एक आटा मिल में लगभग ढाई करोड़ रुपये का निवेश सामने आया है। यह निवेश उनके घोषित आय स्रोतों से कहीं अधिक बताया जा रहा है।

टीम को जांच के दौरान करीब 30 लाख रुपये मूल्य के वाहन भी मिले हैं। साथ ही 20 लाख रुपये की बीमा पॉलिसी, लगभग 10 लाख रुपये के सोने और चांदी के आभूषण तथा 51 हजार रुपये नगद भी बरामद किए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह केवल प्रारंभिक आंकड़े हैं और आगे की जांच में संपत्ति का कुल मूल्य और बढ़ सकता है।

### परिवार से जुड़े बैंक खातों की भी मिली जानकारी

ईओडब्ल्यू को नागवंशी के नाम और उनके परिवार से जुड़े कई बैंक खातों की जानकारी भी मिली है। इन खातों में हुए लेनदेन की बारीकी से जांच की जा रही है। साथ ही संपत्ति से जुड़े दस्तावेज, निवेश के कागजात और अन्य वित्तीय रिकॉर्ड भी जब्त किए गए हैं। टीम इन सभी दस्तावेजों का विश्लेषण कर रही है, ताकि आय और संपत्ति के बीच अंतर का स्पष्ट आकलन किया जा सके।

### ईओडब्ल्यू की टीम ने की छापेमारी

सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई लंबे समय से मिल रही शिकायतों के आधार पर की गई है। नागवंशी पर आरोप था कि उन्होंने अपने पद पर रहते हुए अवैध रूप से संपत्ति अर्जित की है। इसी के तहत ईओडब्ल्यू ने प्राथमिक जांच के बाद सर्च वारंट लेकर यह छापेमारी की। इस कार्रवाई के बाद छिंदवाड़ा जिले में हड़कंप मच गया है। सरकारी महकमे में भी इस मामले को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। कई अधिकारी और कर्मचारी इस कार्रवाई को लेकर सतर्क नजर आ रहे हैं।

### भ्रष्टाचार के खिलाफ एजेंसी लगातार सक्रिय

ईओडब्ल्यू अधिकारियों का कहना है कि जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में और बड़े खुलासे हो सकते हैं। यदि आय से अधिक संपत्ति के आरोप सिद्ध होते हैं, तो संबंधित के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस पूरी कार्रवाई ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ एजेंसियां लगातार सक्रिय हैं और किसी भी स्तर पर अनियमितता पाए जाने पर सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

## 12वीं के रिजल्ट के बाद सप्लीमेंट्री आने पर छात्रा ने खाया जहर, हुई मौत

छतरपुर। जिले के नौगांव थाना क्षेत्र के सुनाटी गांव में 12वीं कक्षा के रिजल्ट के बाद एक 17 वर्षीय छात्रा की मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। शिवानी अहिरवार (उम्र 17 वर्ष), पिता सुरेश अहिरवार, निवासी सुनाटी, ने हाल ही में कक्षा 12 की परीक्षा दी थी। बुधवार को सुबह करीब 11 बजे जब परीक्षा परिणाम घोषित हुआ, उसी दौरान उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई।परिजनों को जब घटना की जानकारी लगी तो वे तत्काल छात्रा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर किया, जहां उपचार के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया गया। मामले में पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर आगे की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना के कारणों की जांच की जा रही है और परिजनों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

## बजरंग दल ने पकड़ा 23 नग गौवंश बैल से भरा ट्रक

### किया पुलिस के हवाले, श्री विद्यासागर गौ रक्षा संवर्धन गौशाला में सुरक्षित छोड़ा गया

पवई। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के द्वारा सलेहा पवई मार्ग पर टेढ़ी वर्दी के पास एक गौवंश(बैल) से भरे ट्रक को पकड़ने का मामला सामने आया है। बता दें कि बीती रात्रि लगभग एक बजे सलेहा से एक आयशर ट्रक क्रमांक सीजी 04 पी यू 5289 पवई की ओर आ रहा था। जिसमें गौवंश होने की जानकारी बजरंग दल गुनौर के कार्यकर्ताओं ने पवई बजरंग दल के शिवम पांडे को दी,जिस पर जानकारी लगते ही शिवम पांडे और अंशुल नगायच रात्रि लगभग एक बजे सलेहा रोड जगनपुरा के आगे टेढ़ी वर्दी पहुंचे,इनको देखते ही ट्रक ड्राइवर पीछे लगी स्विफ्ट में ट्रक को बंद कर छोड़कर भाग निकला।

बजरंग दल कार्यकर्ता के द्वारा इसकी जानकारी तुरंत पवई पुलिस को दी गई जिस पर रात्रि गस्त पर रहे ए एस आई आनंद मोहन मिश्रा दल बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और ट्रक को कब्जे में लिया, और ड्राइवर की तलाश की पर वह भाग निकला,इसके बाद बुधवार को सुबह मैकेनिक की सहायता से ट्रक को चालू कर ले जाकर सभी 23 नग गौवंश (बैल) को पवई से 8 किलोमीटर दूर श्री विद्यासागर गौ रक्षा एवं संवर्धन समिति गौशदन की गौशाला में सुरक्षित छोड़ दिया गया,जहां पशु चिकित्सक के द्वारा उनकी जांच की गई एवं घायल पशुओं का इलाज किया गया। इस दौरान बजरंग दल के प्रखंड संयोजक शिवम पांडे भी मौजूद रहे उन्होंने पुलिस की कार्यवाही की प्रशंसा की और कहा की पुलिस के सहयोग से हम गौवंश को सुरक्षित बचाने में सफल रहे। घटना की जानकारी उप निरीक्षक सरिता तिवारी के द्वारा दी गई। इस दौरान आरक्षक प्रेम नारायण प्रजापति मनोज अहिरवार, चालक नागेन्द्र माझी मौजूद रहे।

## वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाती आगजनी और चोरी की घटना

# कुआं बादला वन चौकी परिसर में जप्त ट्राली में लगाई आग, डिप्टी रेंजर की मोटर साइकिल चुरा ले गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

मध्यप्रदेश के तामिया वनपरिक्षेत्र अंतर्गत आने वाले कुआं बादला सर्कल की विभिन्न बीटों में वर्षों से जमे नाकेदारों और डिप्टी रेंजरों की कथित मिलीभगत से वन अपराधों का जाल फैलता जा रहा है। क्षेत्र में अवैध रेत खनन, वन संपत्ति की चोरी और हाल ही में सामने आई आगजनी एवं चोरी की घटनाओं ने वन विभाग की कार्यशैली और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

### रेत माफियाओं का बढ़ता प्रभाव

खुट्टी बागई, फांसी ढाना और दौरिया खेड़ा के जंगलों से बहने वाली नदियों में अवैध रेत खनन ने प्राकृतिक संसाधनों को लगभग समाप्त कर दिया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह सब वन विभाग के अधिकारियों की मौन सहमति से हो रहा है। अब रेत माफियाओं ने नया ठिकाना वन भूमि को बना लिया है, जहां जल भराव के नाम पर सिंचाई विभाग को भूमि हस्तांतरित की गई है।

### सिंचाई विभाग की आड़ में खेल

हैरानी की बात यह है कि सिंचाई विभाग के पास स्वयं की कोई भूमि नहीं होती, फिर भी बागई जलाशय क्षेत्र में उसे भूमि स्वामी के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। इस पूरे मामले में वन विभाग के अधिकारी जिम्मेदारी से बचते नजर आ रहे हैं और जमीन के उपयोग को लेकर स्पष्टता नहीं दी जा रही है।

### वन संपत्ति की चोरी भी चरम पर

कुआं बादला सर्कल की बीटों में वन संपत्ति की चोरी भी लगातार बढ़ रही है। कुर्सी ढाना-बागई मार्ग पर वृक्षारोपण क्षेत्र के पास कई मीटर लंबी फेंसिंग जाली चोरी हो चुकी है। इसके बावजूद विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे चोरों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं।

### वन चौकी में घुसकर आगजनी

हाल ही में हुई एक चौंकाने वाली घटना में अज्ञात तत्वों ने कुआं बादला वन चौकी परिसर में घुसकर जब्त रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में आग लगा दी। यह घटना न केवल सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि अपराधियों में विभाग का कोई भय नहीं रह गया है।

### डिप्टी रेंजर की मोटरसाइकिल चोरी

इसी वन चौकी परिसर से डिप्टी रेंजर की मोटरसाइकिल चोरी होना भी कम आश्चर्यजनक नहीं है। इस संबंध में देलाखारी पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई गई है। एक शासकीय परिसर से इस तरह की चोरी होना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

### मिलीभगत के आरोप और प्रशासन की चुप्पी

स्थानीय लोगों का मानना है कि वन विभाग के कुछ कर्मचारियों और रेत माफियाओं के बीच मधुर संबंध हैं, जिसके चलते अपराधियों को खुली छूट मिल रही है। यही कारण है कि वे बेखौफ होकर वन चौकी में घुसकर घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। वहीं, वरिष्ठ अधिकारी पूरे मामले को दबाने में अधिक रुचि लेते दिखाई दे रहे हैं। विभाग की छवि बचाने के प्रयास में इन घटनाओं को सार्वजनिक नहीं किया जा रहा, जिससे स्थिति और गंभीर होती जा रही है।

# अधिवक्ता से सरेराह लूट, पुलिस पर रिपोर्ट दर्ज न करने का आरोप; एसपी से न्याय की गुहार

सतना। शहर में बेखौफ बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। ताजा मामला कोलगवां थाना क्षेत्र का है,जहाँ एक अधिवक्ता के साथ बाइक सवार तीन अज्ञात युवकों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया।हैरानी की बात यह है कि पुलिस ने मामले में लूट की रिपोर्ट दर्ज करने के बजाय फरियादी पर 'सामान गिरने' की रिपोर्ट दर्ज कराने का दबाव बनाया। न्याय न मिलने पर पीड़ित अधिवक्ता ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुँचकर न्याय की गुहार लगाई है।

### क्या है पूरा मामला?

खरिया निवासी अधिवक्ता सुरेंद्र प्रसाद विश्वकर्मा ने बताया कि घटना 10 अप्रैल सुबह करीब 10 बजे की है। वे अपने छोटे भाई विंध्य कुमार के साथ बाइक पर सवार होकर कचहरी जा रहे थे। जैसे ही वे शुक्ला टोला स्थित गायत्री ट्रेडर्स के पास पहुँचे,पीछे से एक बाइक पर सवार तीन अज्ञात युवक आए और झपट्टा मारकर उनका बैग छीनकर फरार हो गए।

### बैग में थे महत्वपूर्ण कानूनी दस्तावेज

पीड़ित के मुताबिक,लूटे गए बैग में कोर्ट से संबंधित 6 महत्वपूर्ण फाइलें और अन्य दस्तावेज थे। इसके अलावा बैग में पंजाब नेशनल बैंक और मध्यांचल ग्रामीण बैंक की पासबुक। बिजली बिल और बीमा किस्त की रसीदें। करीब 6,000 रुपये मूल्य की अन्य सामग्री मौजूद थी।

### पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

अधिवक्ता सुरेंद्र प्रसाद का आरोप है कि घटना के बाद वे तुरंत कोलगवां थाना पहुँचे,लेकिन वहाँ के थाना प्रभारी ने लूट का मामला दर्ज करने से इनकार कर दिया। आरोप है कि टीआई ने उनसे कहा कि वे बैग कहीं गिर गया है ऐसी रिपोर्ट दर्ज कराएं। पुलिस के इस अड़ियल रवैये से क्षुब्ध होकर अधिवक्ता ने अब पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपकर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का प्रकरण दर्ज करने और आवश्यक कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है।

## नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, सिविल लाइन पुलिस की कार्रवाई

सतना। महिला अपराधों पर लगाम लगाने की दिशा में कार्रवाई करते हुए सिविल लाइन पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी का नाम शिवम रैदास (उम्र 18 वर्ष), पिता गोविंद रैदास है, जो सतना के उचवा टोला का निवासी है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

## नशे में धुत कार सवारों का आतंक, दो भैंसों की मौत और पशुपालक से मारपीट, बगहा बाईपास की घटना

सतना। बगहा बाईपास पर बीती रात रफ्तार और नशे का जानलेवा संगम देखने को मिला। एक तेज रफ्तार कार ने भैंसों के झुंड को जोरदार टक्कर मार दी,जिससे दो भैंसों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। आरोप है कि कार सवार नशे में धुत थे और जब पशु मालिक रज्जन पाण्डेय ने इस घटना का विरोध किया,तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। पुलिस ने इस मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## तलैया में डूबने से युवक की मौत

छतरपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत सटई रोड स्थित पीतांबरा मंदिर के पास एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहाँ रेलवे लाइन के समीप बनी एक तलैया में बीते रोज मछली पकड़ते समय पैर फिसलने से 26 वर्षीय युवक की पानी में डूबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पीतांबरा मंदिर के पीछे रहने वाला पंकज अहिरवार (26 वर्ष), पिता बसंता अहिरवार, आज दोपहर तलैया में बंसी डालकर मछली पकड़ रहा था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। बताया जा रहा है कि युवक को तैरना नहीं आता था, जिसके कारण वह खुद को संभाल नहीं पाया और पानी में डूब गया।

## रीवा में हाथियों का डेरा, टीकर-हरदुआ के आसपास एक हफ्ते से सक्रिय

### ग्रामीणों में दहशत, फसलों को नुकसान विंध्य क्षेत्र में डेढ़ माह से विचरण कर रहे हाथियों का जोड़ा, वन विभाग कर रहा निगरानी

रीवा। जिले के गोविंदगढ़ क्षेत्र अंतर्गत टीकर और हरदुआ गांव के आसपास पिछले एक सप्ताह से हाथियों के एक जोड़े की लगातार मौजूदगी ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। बीते डेढ़ माह से रीवा, सीधी और मऊगंज जिलों में विचरण कर रहे ये हाथी अब इस क्षेत्र में स्थिर हो गए हैं, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार हाथियों का यह जोड़ा दिन के समय जल स्रोतों तालाब और नदियों के आसपास रहता है, जबकि रात होते ही खेतों की ओर रुख कर लेता है। इस दौरान वे खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे किसानों को आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी प्रकाश यादव, रामकिंकर मिश्रा और शंभू पटेल सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों की गतिविधियां पिछले एक सप्ताह से लगातार टीकर और हरदुआ गांव के आसपास बनी हुई हैं। रात के समय हाथियों के खेतों में पहुंचने से लोग भयभीत हैं और कई परिवारों ने खेतों की निगरानी बंद कर दी है। ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों के कारण न केवल फसलें बर्बाद हो रही हैं, बल्कि जनहानि की आशंका भी बनी हुई है। बइधर, वन विभाग का अमला लगातार हाथियों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। विभागीय टीम मौके पर तैनात रहकर हाथियों को आबादी से दूर रखने और जंगल की ओर वापस ले जाने का प्रयास कर रही है। हालांकि, एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद हाथियों का जोड़ा अभी भी इसी क्षेत्र में डटा हुआ है।वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार हाथियों की सुरक्षा के साथ-साथ ग्रामीणों की सुरक्षा भी प्राथमिकता है। लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त बल भी तैनात किया जाएगा।

# ज्ञान की थाली में कीड़े, ट्राइबल यूनिवर्सिटी का मेस बना 'प्रयोगशाला'

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

**अमरकंटक स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय में मेस व्यवस्था अब शिक्षा से ज्यादा व्यंग्य का विषय बन चुकी है। यहां छात्राओं को परोसा जाने वाला भोजन मानो किसी प्रयोगशाला का हिस्सा हो, जहां हर दिन नया "एक्सपेरिमेंट" होता है कभी कच्चा चावल, कभी पानीदार दाल, तो कभी कीड़ों से भरी सब्जी सामने आता रहता है। बीते सप्ताह इस मामले की शिकायत हिमाद्रि सिंह तक पहुंची, जिन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को फटकार लगाई और सुधार का आश्वासन भी मिला। लेकिन हालात जस के तस हैं। बीते वर्ष फूड पॉयजनिंग से सैकड़ों छात्राएं बीमार पड़ीं, फिर भी व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ। उल्टा, आवाज उठाने वाले छात्रों को प्रैक्टिकल में नंबर काटने और फेल करने का डर दिखाया जाता है। ताजा विरोध प्रदर्शन ने साफ कर दिया है कि अब "थाली का सच" दबने वाला नहीं है। सवाल यह है कि क्या विश्वविद्यालय प्रशासन जागेगा या अगली "डिश" किसी बड़े हादसे का संकेत बन कर सामने आएगी?**

### थाली में पोषण नहीं, 'सरप्राइज पैकेज'

विश्वविद्यालय के मेस की हालत अब ऐसी हो गई है कि छात्राएं खाना लेने से पहले यह सोचती हैं कि आज क्या नया "सरप्राइज" मिलेगा। दाल में पानी की मात्रा इतनी कि उसमें नाव चल जाए, और सब्जी में कीड़े ऐसे जैसे प्रोटीन सप्लीमेंट हो। व्यंग्य यह है कि जहां शिक्षा का स्तर ऊंचा होना चाहिए, वहां खाने का स्तर जमीन के नीचे जा चुका है। छात्राएं कह रही हैं कि यह मेस नहीं, बल्कि "सहनशक्ति की परीक्षा" है, जहां हर निवाला एक चुनौती बन चुका है।

### आश्वासन का ओवरडोज, सुधार जीरो

हर शिकायत के बाद प्रशासन का एक ही रटा-रटाया जवाब सामने आता है "जल्द सुधार होगा।" सांसद हिमाद्रि सिंह की फटकार के बाद भी यही स्क्रिप्ट दोहराई गई है। लेकिन सुधार की जगह समस्याएं और परिपक्व हो गई है। ऐसा लगता है कि प्रशासन ने "आश्वासन देने की कला" में पीएचडी कर ली है, लेकिन मेस सुधारना उनके सिलेबस में शामिल ही नहीं है। छात्राएं अब कह रही हैं कि आश्वासन नहीं, थाली में बदलाव चाहिए सिस्टम में सुधार चाहिए।

### बीमारी का इतिहास, लापरवाही का भविष्य

बीते साल फूड पॉयजनिंग से सैकड़ों छात्राएं बीमार पड़ीं रही है, लेकिन प्रशासन ने इस घटना को ऐसे दबाया जैसे यह कोई छोटी-मोटी बात हो। अब भी वही लापरवाही जारी है। व्यंग्य यह है कि यहां स्वास्थ्य सुरक्षा की जगह "बीमार पड़ने की गारंटी" मिलती है। सवाल यह उठता है कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है या फिर यह सब उनके लिए सामान्य दिनचर्या बन चुकी है?

### आवाज उठाओ, तो नंबर कटाओ

विश्वविद्यालय में लोकतंत्र की परिभाषा भी अनोखी है अगर आप अपनी समस्या उठाते हैं, तो आपको प्रैक्टिकल में कम नंबर, अटेंडेंस में कटौती या फेल होने का "इनाम" मिल सकता है। छात्राएं डर और गुस्से के बीच जी रही हैं। व्यंग्य यह है कि यहां शिक्षा नहीं, बल्कि "चुप रहने की ट्रेनिंग" दी जा रही है, ताकि सच्चाई बाहर न आए और सिस्टम आराम से चलता रहे।

### खाना कम, 'कमिशन' ज्यादा पक रहा

सूत्रों की मानें तो मेस में गड़बड़ी के पीछे ठेकेदार और कमीशन का खेल चल रहा है। शिकायतों के बावजूद टेंडर रद्द नहीं होना इस बात की ओर इशारा करता है कि कहीं न कहीं "ऊपर तक सेटिंग" है। अब शिक्षक भी दबे स्वर में इस खेल की चर्चा कर रहे हैं। व्यंग्य यह है कि जहां रसोई में खाना पकना चाहिए, वहां "कमिशन की रेसिपी" तैयार हो रही है। बहरहाल अमरकंटक विश्वविद्यालय का मेस अब शिक्षा का हिस्सा नहीं, बल्कि "व्यंग्य की जीवंत कहानी" बन चुका है। छात्राएं पढ़ाई के साथ-साथ अब यह भी सीख रही हैं कि खराब सिस्टम के खिलाफ कब और कैसे खड़ा होना है।

पश्चिम बंगाल एसआईआर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिया बड़ा फैसला

# चुनाव से पहले अपीलीय मंजूरी वालों को मिलेगा वोट का अधिकार, चुनाव के बीच आईएएस-आईपीएस के ट्रांसफर से जुड़ी याचिका को कर दिया खारिज

## सुनवाई के दौरान संविधान के अनुच्छेद 142 का किया जिक्र

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में चल रही एसआई आर प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा और अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 का उपयोग करते हुए यह सुनिश्चित किया है कि चुनाव से ठीक पहले तक अपीलीय ट्रिब्यूनल से मंजूरी पाने वाले लोगों को मतदान का अधिकार दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जिन लोगों के नाम अपीलीय ट्रिब्यूनल द्वारा चुनाव से दो दिन पहले तक मंजूर किए जाएंगे, उन्हें आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में वोट डालने की अनुमति होगी। कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि 21 अप्रैल या 27 अप्रैल 2026 तक अपीलीय आदेशों को लागू करते हुए एक पूरक संशोधित मतदाता सूची जारी की जाए, ताकि योग्य नागरिकों को मतदान से वंचित न होना पड़े।

**कोर्ट ने ट्रिब्यनल की मंजूरी को बताया आवश्यक**

पात्र मतदाताओं को मतदान से नहीं किया जा सकता वंचित

### अपील प्रक्रिया पूरी होना आवश्यक

कोर्ट ने पष्ट किया कि जिनकी अपील लंबित है, उन्हें केवल इसी आधार पर मतदान का अधिकार नहीं दिया जाएगा। यानी अपील प्रक्रिया पूरी होना आवश्यक होगा। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह भी कहा कि न्यायिक अधिकारियों द्वारा की गई यह पूरी जांच प्रक्रिया बेहद चुनौतीपूर्ण रही है, जिसे कम समय में पूरा करना एक वास्तविक रूप से कठिन कार्य था।

### चुनाव आयोग के फैसले को उचित ठहराया

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल के एक निवासी की याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में भारतीय चुनाव आयोग के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसके तहत राज्य में विधानसभा चुनावों की तारीखों के ऐलान के बाद बंगाल से सीनियर आईएएस - आईपीएस अधिकारियों के एक बैच का दूसरे राज्यों में ट्रांसफर कर दिया गया था। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और विपुल एम. पंचोली की बेंच ने कहा कि उठाए गए मुद्दों में कानून के अहम सवाल शामिल हैं। हालांकि, राज्य में चुनावों के पहले चरण को देखते हुए हम इस एसएलपी पर सुनवाई करने के इच्छुक नहीं हैं।

• बंगाल में चढ़ा सियासी पारा

### सरमा ने ममता को दिया असम आने का न्योता, नॉनवेज खाने पर भी बोले

असम के असम हिमंत बिस्वा सरमा ने कूच बिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता पर कई मामलों को लेकर निशाना साधा। सरमा ने कहा कि ममता मांसाहारी भोजन को लेकर झूठा डर फैला रही हैं। ममता डर फैला रही हैं कि अगर बंगाल में भाजपा की सरकार बनी तो नॉन-वेज खाने पर रोक लगाई जाएगी। सरमा ने ममता को असम आने का निमंत्रण देते हुए कहा कि वे यहां देखें कि असम में नॉन-वेज मिलता है या नहीं।

ममता के आरोप से हड़कंप

## भाजपा चुनावों के दौरान बम लगाने की ताक में, एनआईए का दुरुपयोग हो रहा

बंगाल की राजनीति में उस समय हलचल मच गई जब सीएम ममता बेनर्जी ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। कूचबिहार के दिनहाटा मेंचुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि चुनाव के दौरान माहौल खराब करने की साजिश रची जा रही है। ममता ने कहा कि भाजपा चुनाव के समय राज्य में अशांति फैलाने के लिए बम लगाने की योजना बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह मतदाताओं में डर पैदा हो सके। ममता ने एनआईए की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्य से किया जा रहा है। माहौल को और तनावपूर्ण बनाया जा रहा।

### एनआरसी लाने की कोशिश हो रही

ममताने माथाभंगा में एक चुनावी रैली में कहा कि महिला आरक्षण और परिसीमन से संबंधित विधेयकों को जोड़ना मतदाताओं के नाम हटाने और एनआरसी लागू करने की साजिश है। महिलाओं के आरक्षण और परिसीमन को जोड़कर भारत को बांटने की कोशिश की जा रही है।

सीएम योगी ने टीएमसी को चुनौती

## भाजपा सरकार बनी तो बंगाल की सड़कों पर झाड़ू लगाएंगे माफिया और मौलाना

चुनावी रण में उतरे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फिर ममता बेनर्जी और पर हमला बोला। सीएम योगी ने कांग्रेस, वामपंथियों और तृणमूल कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करने के साथ भाजपा के विकास कार्यों को गिनाया। योगी ने मतदाताओं से कहा कि टीएमसी के गुंडे, माफिया भाजपा की सरकार में झाड़ू लगाएंगे।

### माफिया की हड्डी और पसली को बुलडोजर ठीक कर रहा

योगी ने कहा कि यहां माफिया राज का और कटमनी व करप्शन का अड्डा नहीं चाहिए। उत्तर प्रदेश में माफिया की हड्डी पसली बुलडोजर से ठीक की जा रही है।

### ममता दीदी राम नाम और दुर्गा पूजा नही करने देतीं

योगी ने कहाकि जिस तरह ममता दीदी राम नाम और दुर्गा पूजा से चिढ़ती हैं, उसी तरह उत्तर प्रदेश में भी चिढ़ थी। वेयहां पर पूजा -पाठ नहीं होने देती है।

टीवीके का घोषणा पत्र जारी

### परिवार प्रमुख को हर माह 2500 रुपए और 6 सिलेंडर मुफ्त

**चेन्नई।** अब अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके ने चुनावी घोषणापत्र में कई वादे किए हैं। नुंगमबक्कम इलाके में ताज कोरोमंडल होटल में आयोजन किया गया। घोषणा पत्र में टीवीके ने कई लोकलुभावन वादे किए गए हैं, जैसे कि कुछ कर्ज माफी, परिवार प्रमुख को हर महीने 2500 रुपए की मदद और साल में 6 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने की बात।

## खबर संक्षेप

### 28 साल बाद फैसला 15 आरोपियों को उम्रकैद

**अररिया।** बिहार के अररिया जिले में वर्ष 1998 के बहुचर्चित

हत्याकांड में करीब 28 साल बाद अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय ने 15 आरोपियों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है।प्रत्येक दोषी पर 20 हजार का अर्थदंड भी लगाया गया है। जुर्माना नहीं देने पर 6 माह की अतिरिक्त सजा होगी।

### धमकी के बाद स्पीकर गुप्ता को जेड सिक्योरिटी

**नई दिल्ली।** विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को लगातार मिल रही

बम धमकियों और हालिया सुरक्षा चूक के बाद जेड श्रेणी की सुरक्षा दे दी गई है। विधानसभा परिसर की सुरक्षा भी पूरी तरह मजबूत की जा रही है। विधानसभा सचिवालय और अध्यक्ष कार्यालय को आधिकारिक ईमेल आईडी पर करीब 6-7 धमकी भरे ईमेल मिले।

### हरियाणा कांग्रेस ने 5 विधायकों को किया सस्पेंड

**चंडीगढ़।** हरियाणा के जिला नूंह की पुन्हाना सीट से विधायक

इलियास और जिला पलवल की हथीन सीट से विधायक इसराइल को कांग्रेस ने सस्पेंड कर दिया है। कांग्रेस पार्टी ने अपने कुल 5 विधायकों पर अनुशासनहीनता के आरोप में कार्रवाई की गई है। यह निर्णय राज्यसभा चुनाव में पार्टी के खिलाफ मतदान पर लिया है।

### दिल्ली-कश्मीर के बीच मालगाड़ी सेवा आज से

**नई दिल्ली।** उत्तरी रेलवे ने गुरुवार को बताया कि शुक्रवार से नई

दिल्ली के आदर्श नगर से कश्मीर के बडगाम के बीच संयुक्त पार्सल प्रोडक्ट रैपिड कार्गो सर्विस (जेपीपी-आरसीएस) ट्रेन चलाई जाएगी। उत्तरी रेलवे के बयान के अनुसार यह ट्रेन नई दिल्ली के आदर्श नगर स्टेशन और मध्य कश्मीर के बडगाम के बीच संचालित होगी।

संसद में महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयकों पर तीखी राजनीतिक बहस

# महिला आरक्षण को निष्कर्ष तक पहुंचाएंगे, परिसीमन को जरूरी बताया, पहले भी एक साथ कई विधेयकों पर चर्चा हुई

## गृह मंत्री शाह ने विपक्ष के तमाम आरोपों को किया खारिज, जवाब दिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद में आरक्षण और परिसीमन से जुड़े विधेयकों को लेकर जोरदार राजनीतिक बहस देखने को मिल रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर सरकार इन दोनों अहम मुद्दों को एक साथ क्यों आगे बढ़ा रही है? इसी पर जवाब देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में साफ कहा कि दोनों विधेयकों को साथ लाने का उद्देश्य महिला आरक्षण को उसके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाना है। यह बयान उन्होंने कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल की आपत्ति के जवाब में दिया, जिसमें उन्होंने कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव का विरोध किया था। सरकार का कहना है कि महिला आरक्षण को लागू करने के लिए परिसीमन जरूरी प्रक्रिया है। इसी वजह से दोनों विधेयकों को एक साथ पेश किया गया है, ताकि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को सही तरीके से लागू किया जा सके और लोकसभा व विधानसभा में सीटों का पुनर्गठन किया जा सके।

**विपक्ष बोला- बिल एक साथ क्यों?**

### कांग्रेस ने किया विधेयक का विरोध

शाह का ये जवाब कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल के जवाब में आया है। उन्होंने कहा कि संविधान संशोधन विधेयक और अन्य विधेयकों को एक साथ लाना सही संसदीय प्रक्रिया नहीं है और यह नियमों के खिलाफ है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा करना ठीक नहीं होगा और इसके परिणाम भी हो सकते हैं।

### मतदान की प्रक्रिया अलग, साथ लाने में दोष नहीं

शाह ने कहा कि संविधान संशोधन और सामान्य विधेयकों पर मतदान की प्रक्रिया अलग होती है, इसलिए दोनों को साथ लाने में कोई दिक्कत नहीं है। शाह ने यह भी कहा कि महिला आरक्षण को पूरी तरह लागू करने के लिए इन सभी विधेयकों को एक साथ लाना जरूरी है। उन्होंने बताया कि इनका विषय एक ही है, इसलिए इन्हें साथ में चर्चा के लिए लाया गया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पहले भी ऐसे उदाहरण रहे हैं, जब एक साथ कई विधेयकों पर चर्चा हुई है, जैसे 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समय हुआ था।शाह ने केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक 2026 को पेश करने का प्रस्ताव दिया।

भाजपा ने विपक्ष पर किया पलटवार

### दक्षिण भारत को भ्रमित नहीं किया जा रहा, कोई छिपा एजेंडा नहीं : तेजस्वी

भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने परिसीमन को लेकर कहा कि दक्षिण भारत के लोगों में बहुत बड़ा भ्रम फैलाया जा रहा है। सूर्या ने कहा कि परिसीमन कोई बैकडोर प्रोसेस नहीं है, ये संविधान के निर्धारित नियमों के आधार पर ही हो रहा है।

विपक्ष ने किया विधेयक का विरोध

### वेणुगोपाल को एक साथ लाने पर आपत्ति

सरकार की ओर से इस विधेयक को सामने रखने के साथ ही कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने इन तीनों विधेयकों

के पेश किए जाने का विरोध किया है। उन्होंने 131वां संशोधन विधेयक , केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक 2026 और परिसीमन विधेयक 2026 को सदन में लाने के खिलाफ आपत्ति जताई।

बिरला का दिखा अलग अंदाज

## थरूर जी ने ज्ञान दे दिया, राहुल और डीएमके को भी सुनाया

संसद के विशेष सत्र में 131वां संशोधन और परिसीमन विधेयक को लेकर जोरदार राजनीतिक टकराव देखने को मिला। सरकार ने लोकसभा में 3 अहम विधेयक पेश करने की प्रक्रिया शुरू की। विपक्ष ने कड़ा विरोध जताया। इसी बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एक अलग अंदाज में नजर आए। उन्होंने कांग्रेस नेता शशि थरूर राहुल गांधी और डीएमके सांसदों पर टिप्पणी की। उन्होंने संसद में महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा 'शशि थरूर जी ने ज्ञान दे दिया वेणुगोपाल जी को। या तो वेणुगोपाल जी ज्ञान प्राप्त नहीं कर पाए तो शशि थरूर जी को बोलने दिया।

### हरिवंश फिर होंगे राज्यसभा के उपसभापति, आज निर्वाचन

हरिवंश नारायण सिंह ने गुरुवार को राज्यसभा सचिवालय में उपसभापति पद के लिए नामांकन किया। वे जनता दल(यू) से 2 निर्वाचित एवं दोनों बार राज्यसभा के उपसभापति रहे हैं।

### अखिलेश ने इस पर जल्दीबाजी और धोखेबाजी का लगाया आरोप

सपा नेता अखिलेश यादव ने कहा कि महिला विधेयक के पक्ष में हैं हम। आपको जल्दीबाजी क्यों है? आप जनगणना क्यों नहीं कराना चाहते? सेंसस ये इसलिए नहीं करना चाहते हैं कि जैसे ही जनगणना होगी, हम सब लोग जाति गणना मांगेंगे, जाति की गिनती के बाद हम आरक्षण मांगेंगे। इसलिए धोखा देकर लाना चाहते हैं।

### डीएमके के बालू ने तीनों बिलों का किया विरोध सैंडविच बिल बताया

डीएमके सांसद टीआर बालू ने तीनों बिलों का विरोध करते हुए कहा कि ये तीनों बिल सैंडविच बिल हैं, हम विरोध करते हैं क्योंकि ये आपस में जुड़े हुए हैं। हमारी पार्टी इसका विरोध करती है। हमने काले झंडे दिखाए। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें बीच में रोकते हुए कहा, 'आप चाहे पीले झंडे दिखाओ या काले दिखाओ। इससे सदन को कोई फर्क नहीं पड़ता।

## बिहार के 4 नेताओं ने ली राज्यसभा में शपथ

गुरुवार को राज्यसभा चुनाव के जरिए निर्वाचित हुए 4नेताओं ने उच्च सदन में शपथ ली। इन चार नेताओं में दो राजनीतिक दल के प्रमुख हैं। इनमें पहला नाम है कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और दूसरा नाम राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा का है। दोनों नेता राज्यसभा में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहे हैं।

तिरंगे पर अशोक चक्र के प्रदर्शन के संबंध में दिशा-निर्देश देने की मांग

# याचिकाकर्ता भावुक न हों, कुछ रचनात्मक कार्य करें

## सीजेआई, जस्टिस बागची और जस्टिस पंचोली की पीठ ने कहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। इसमें केंद्र और अन्य पक्षों को यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि वे राष्ट्रीय ध्वज पर अशोक चक्र के प्रदर्शन के संबंध में दिशा निर्देश तैयार करें। सीजेआई सूर्यकांत,जस्टिस जॉयमाल्य बागची तथा जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि वे समाज के लिए कुछ रचनात्मक कार्य करें। सीजेआई ने कहा, इतना भावुक न हों।

**बेंच ने सुनवाई से किया इनकार**

### यह सब अधिकारियों पर निर्भर

सीजेआई ने याचिकाकर्ता से कहा कि आपका विचार अच्छा है। आपने संबंधित अधिकारियों को इस बारे में सूचित कर दिया है। अब यह अधिकारियों पर निर्भर करता है कि वे इस संबंध में क्या कदम उठाना चाहते हैं?

**याची ने एक तस्वीर पेश की थी**

उन्होंने याचिकाकर्ता से कहा कि उन्हें यह सुनकर दुख हुआ कि एक बच्चे ने कहा कि अशोक चक्र बंदर जैसा दिखता है। याचिकाकर्ता ने वाराणसी के एक चौराहे पर स्थापित अशोक चक्र की एक तस्वीर पीठ के समक्ष प्रस्तुत की थी।

जस्टिस स्वर्णा कांता व केजरीवाल

### दोबारा नहीं होगी सुनवाई, अतिरिक्त हलफनामे को रिकॉर्ड पर लिया

दिल्ली हाईकोर्ट में आप संयोजक अरविंद केजरीवाल से जुड़े मामले में अहम सुनवाई हुई। कोर्ट ने केजरीवाल के अतिरिक्त हलफनामे को रिकॉर्ड पर लेने की अनुमति दे दी है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह मांग पहले ही खारिज की जा चुकी है। कोर्ट सुने तो कोई आपत्ति नहीं है।

गाजियाबाद में 500 झुग्गियों में आग

## एक-एक करके फटे सिलेंडर, 6 बच्चों के लापता होने की आशंका

एजेंसी ▶▶ गाजियाबाद

यहां के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के कनवानी गांव में गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे भीषण आग लग गई। इसमें 500 से अधिक झुग्गियां देखते ही देखते जल उठीं। आग की लपटें दूर से ही दिखाई दे रही थीं। आग में करीब 6बच्चों के लापता होने की बात सामने आ रही है। हालांकि किसी अधिकारी ने अभी यह पुष्टि नहीं की है।

आग के तुरंत बाद झुग्गियों में रखे रसोई गैस सिलिंडर एक-एक

करके फटने लगे। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल और दमकल विभाग की कई टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। आग पर काबू पाने के लिए दर्जनों दमकल गाड़ियां लगाई गई हैं।

# तनिष्क ने अपने नए कलेक्शन 'ह्यूज़' में आधुनिक भारतीय महिला के लिए प्राकृतिक जेमस्टोन आभूषणों को दी एक नई पहचान

**कोलकाता।** भारत का अग्रणी ज्वेलरी ब्रांड और टाटा परिवार का एक हिस्सा, तनिष्क ने अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर लेकर आया है, प्राकृतिक रंगीन जेमस्टोन्स का जादू - अपना नया और खास कलेक्शन 'ह्यूज़'! भारतीय ग्राहकों की जेमस्टोन्स के प्रति लगातार बढ़ती रूचि को देखते हुए, प्रस्तुत किया गया, 100 प्रतिशत प्राकृतिक जेमस्टोन्स से सजा यह कलेक्शन शुद्धता और बेहतरीन डिज़ाइन के प्रति तनिष्क की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आज की आधुनिक महिलाएँ अपनी एक अलग और खास पहचान चाहती हैं, और तनिष्क का यह अंदाज़ उनकी इसी पसंद को ध्यान में रखकर बनाया गया है। चाहे ऑफिस का डेली लुक हो या किसी खास फंक्शन की रौनक, ये जेमस्टोन्स आपके हर पल को खास बना देंगे।
यह कलेक्शन भारतीय गर्मी के मौसम के रंगों और उसके खुलेपन से प्रेरित है। इन रंगों और एहसास को आधुनिक और कलात्मक डिज़ाइनों में ढाला गया है। हर आभूषण के केंद्र में एक जेमस्टोन है। जेमस्टोन्स की प्राकृतिक चमक और गहराई को निखारने के लिए उसके आस-पास की बनावट और शेप को बहुत बारीकी से तैयार किया गया है। इस कलेक्शन में आपको जेमस्टोन्स की कई तरह की कट्स का जादू देखने को मिलता है-चाहे वो क्लासिक 'मार्कीज़' हो, बारीकी से तराशा गया 'ताबीज़' कट हो या रेशमी एहसास वाले 'कैबोचोन' स्टोन्स। हर कट जेमस्टोन्स की एक अलग चमक और उसकी अपनी शख्सियत को उभारता है। रंगों को परतों में




सजाने और 'बंचिंग' व 'स्लाइसिंग' जैसी तकनीकों के इस्तेमाल से इन आभूषणों में एक गहराई और हलचल का एहसास होता है। इसका परिणाम ऐसी ज्वेलरी के रूप में सामने आता है जो न केवल आधुनिक, स्टाइलिश और प्रभावशाली है।
इस कैम्पेन की धड़कन तृप्ति डिमरी 'ह्यूज़' के अंदाज़ को बखूबी पर्दे पर उतार रही हैं। यह कैम्पेन हमें बताता है कि, रंग खुद को अभिव्यक्त करने का एक ज़रिया है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे आभूषण एक महिला के मूड, उसकी अपनी पहचान और उसके बदलते स्टाइल का हिस्सा बन जाते हैं। कैम्पेन के मुख्य चेहरे के रूप में तृप्ति डिमरी 'ह्यूज़' की असली पहचान बनी हैं—बेहद शालीन और आधुनिक, जहाँ उनकी अपनी एक अलग पहचान और सदाबहार खूबसूरती साफ़ झलकती है। शानदार तस्वीरों के ज़रिए इसमें हम देखते हैं, रंगों, डिज़ाइन और भावनाओं का अनोखा तालमेल। 'ह्यूज़' आज की बदलती भारतीय महिला का रूप है - जो अपनी जड़ों से जुड़ी है, आत्मविश्वास से चमक रही है और अपनी बात बेबाकी से कहना जानती है।
लॉन्च के अवसर पर, टाइटन कंपनी लिमिटेड की चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, सुश्री पेल्की त्शेरिंग ने कहा: 'हमें बहुत ख़ुशी हो रही है कि, हमें आधुनिक भारतीय महिलाओं के लिए प्राकृतिक जेमस्टोन्स के अनुभव को एक नया रूप दिया है। आज के दौर में ज्वेलरी सिर्फ एक आभूषण नहीं, बल्कि खुद को अभिव्यक्त करने का एक सशक्त ज़रिया है। ऐसे में, अपनी चमक और अनूठे अंदाज़ के साथ ये जेमस्टोन्स महिलाओं को अपनी पसंद का दायरा बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हैं।
तनिष्क की हेड ऑफ डिज़ाइन, सुश्री गरिमा माहेश्वरी ने कहा, 'ह्यूज़' के साथ, हमने हाल के वर्षों में भारत में प्राकृतिक जेमस्टोन्स के सबसे बड़े और महत्वाकांक्षी डिज़ाइन प्रयोगों में से एक को अंजाम दिया है। यह रेंज भारतीय गर्मियों की खूबसूरती- हरे-भरे नज़ारों और लुभावने रंगों—से प्रेरित है, जिसे हमने कलात्मक आकृतियों और आधुनिक डिज़ाइनों में ढाला है। इस कलेक्शन की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यहाँ जेमस्टोन्स सिर्फ एक सजावट नहीं, बल्कि पूरे डिज़ाइन की शुरूआत है। इसके लिए हमने जेमस्टोन्स की कटिंग और उनके तालमेल पर बहुत बारीकी से काम किया है, ताकि हर आभूषण में रंग, अनुपात एवं संतुलन पूर्णतः सटीक हो। नतीजतन एक ऐसा कलेक्शन बना है, जो न केवल आधुनिक और प्रभावशाली है, बल्कि भारतीय डिज़ाइन के प्रति एक नया और प्रभावशाली नज़रिया पेश करता है।' इस कलेक्शन की कीमतें रू.30,000* से शुरू होती हैं। हर मौके और हर दिन पहनने के लिए एकदम सही है। अक्षय तृतीया के इस पावन पर्व पर, तनिष्क लाया है आपके लिए खास फेस्टिव ऑफर्स-सोने के आभूषणों के मेकिंग चार्जेस और डायमंड वैल्यू पर 20 प्रतिशत तक की छूट*। साथ ही, सोने के आभूषणों की खरीदारी पर पाएं प्रति ग्राम रू.201 की सीधी छूट*। इतना ही नहीं, आप तनिष्क के 'फेस्टिवल ऑफ एक्सचेंज' का लाभ भी उठा सकते हैं। अपने पुराने सोने को बदल कर नई, स्टाइलिश और यादगार तनिष्क आभूषण लेने का सबसे सही समय है।

## राष्ट्रीय पीएनजी अभियान 2.0 को 30 जून 2026 तक आगे बढ़ाया

# सरकार ने अब तक 4.40 लाख पीएनजी कनेक्शन चालू किए

वाणिज्य डेस्क ▶▶ भोपाल

नीतिगत ढांचे के तहत पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) के विस्तार में तेजी लाने का काम शुरू है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार मार्च 2026 के बाद से अब तक लगभग 4.40 लाख पीएनजी कनेक्शन चालू किए जा चुके हैं, जबकि 4.88 लाख अतिरिक्त उपभोक्ताओं ने नए पीएनजी कनेक्शन के लिए रजिस्टर किया है। इन आंकड़ों से साफ है कि नीतिगत विस्तार के चलते पीएनजी के अडॉप्शन में ज़बरदस्त तेजी आई है। सरकार की पीएनजी विस्तार रणनीति के तहत ये प्रयास किए जा रहे हैं। इसमें 'प्राकृतिक गैस और पेट्रोलियम उत्पाद वितरण आदेश,



2026' की अधिसूचना भी शामिल है, जो तय समय-सीमा के भीतर 'शहरी गैस वितरण' इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास और अधिकृत भौगोलिक क्षेत्रों में इसके कार्यान्वयन को संभव बनाती है। घरों तक पीएनजी की पहुँच को और अधिक तेज़ी से बढ़ाने के लिए, सरकार ने 'राष्ट्रीय पीएनजी अभियान 2.0' को 30 जून 2026 तक आगे बढ़ा दिया है। इस अभियान के द्वारा जल्द से जल्द कनेक्शन देने, मांग बढ़ाने, और केंद्रीय एजेंसियों, सीजीडी संस्थाओं एवं राज्य प्रशासनों के बीच आपसी तालमेल के साथ कार्यान्वयन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पीएनजी विस्तार के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा दी जाने वाली बुनियादी सुविधाओं पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इसमें जल्द अनुमोदन देना, स्थानीय स्तर पर तालमेल बनाना और लास्ट-माईल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए ज़रूरी बुनियादी ढांचा बनाना शामिल है। साथ ही, राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों को सलाह दी गई है कि वे पेट्रोल, डीजल और एलपीजी जैसी आवश्यक कोमोडिटीज़ की आपूर्ति पर निगरानी रखें, ताकि बदलाव के इस दौर में एनर्जी की पहुंच के लिए संतुलित ढांचा सुनिश्चित किया जा सके।

## एलपीजी की उपलब्धता ने उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ाया

भारत सरकार, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के माध्यम से उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुरक्षा, पारदर्शिता और सिस्टम पर ध्यान केंद्रिंत करते हुए स्वच्छ ईंधन के सिस्टम को मजबूत बना रही है। एक राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत ने जमाखोरी जैसे गलत तरीकों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है, साथ ही देश भर में बिना रूकावट एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा टेक्नोलॉजी के उपयोग एवं वितरण नेटवर्क पर कड़ी निगरानी रखते हुए जवाबदेहिता और सर्विस डिलीवरी में सुधार लाया जा रहा है, जिससे सिस्टम में उपभोक्ताओं का भरोसा और बढ़ रहा है।

## सरकार ने उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित की

भारत सरकार ने एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए अपने सिस्टम को काफी मजबूत बनाया है। साथ ही सरकार ने देश भर में वास्तविक उपभोक्ताओं तक बिना किसी रूकावट के स्वच्छ ईंधन पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। एक राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत अब तक 2,700 से ज्यादा इंस्पेक्शन कर छापे मारे गए। इस तरह की कार्रवाइयों का उद्देश्य अनियमितताओं का पता लगाना, घरेलू एलपीजी के गलत इस्तेमाल को रोकना और वितरण नेटवर्क में पारदर्शिता बढ़ाना है।

## एजीआई इंफ्रा को 'यूटोपिया बाय एजीआई' के लिए जीएमडीए लाइसेंस

**चंडीगढ़।** एजीआई इंफ्रा लिमिटेड को ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (GMADA) से न्यू चंडीगढ़ स्थित अपने ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट 'यूटोपिया बाय एजीआई' के विकास हेतु लाइसेंस प्राप्त हुआ है। 31 मार्च 2026 को जारी यह लाइसेंस कंपनी के न्यू चंडीगढ़ मार्केट में पहले प्रोजेक्ट का संकेत है।करीब 10.26 एकड़ में विकसित होने वाले इस प्रोजेक्ट में 3BHK, 4BHK और 5BHK के कुल 661 फ्लैट बनाए जाएंगे। प्रोजेक्ट में 5BHK की 189, 4BHK की 252 और 3BHK की 220 इकाइयां शामिल हैं। कंपनी ने हाल ही में वर्ल्डनेक्स्ट रियल्टी एलएलपी में 60% हिस्सेदारी भी हासिल की है और क्यूआईपी के माध्यम से 75 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एजीआई इंफ्रा लिमिटेड पंजाब की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी है, जिसने अब तक 25 से अधिक परियोजनाएं विकसित की हैं।

agi infra

## सरकार ने स्वच्छ ईंधन प्रणाली को किया मजबूत

**नई दिल्ली।** भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्वच्छ ईंधन प्रणाली को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उपभोक्ता सुरक्षा, पारदर्शिता और सिस्टम की विश्वसनीयता को ध्यान में रखते हुए एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। देशव्यापी अभियान के तहत जमाखोरी जैसी अनियमितताओं पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है, वहीं टेक्नोलॉजी के उपयोग और वितरण नेटवर्क की निगरानी बढ़ाकर सेवा गुणवत्ता में सुधार किया गया है। सरकार द्वारा पीएनजी इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार पर भी जोर दिया जा रहा है, जिससे स्वच्छ ईंधन की उपलब्धता और आसान हुई है। इन प्रयासों से उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ा है और ईंधन आपूर्ति को लेकर सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

## टाटा मोटर्स ने लखनऊ प्लांट में किया 10 लाखवें कमर्शियल गाड़ियों का प्रोडक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

टाटा मोटर्स लिमिटेड ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। कंपनी के लखनऊ प्लांट से 10 लाखवें कमर्शियल वाहन को रोल-आउट किया गया। यह महत्वपूर्ण पड़ाव उत्तर प्रदेश में टाटा मोटर्स की साढ़े तीन दशकों से अधिक की उपस्थिति और औद्योगिक उत्कृष्टता, आर्थिक विकास, कौशल विकास व रोजगार सृजन में इसके योगदान को दर्शाता है। यह उपलब्धि भविष्य की ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को आकार देने में टाटा मोटर्स की अग्रणी भूमिका को रेखांकित करती है। यह कदम राज्य सरकार के 2070 के नेट-जीरो विजन और कंपनी के 2045 तक 'नेट-जीरो' लक्ष्य के साथ पूरी तरह मेल खाता है। इस इलेक्ट्रिक बस को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और टाटा संस लिमिटेड के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उप-मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, टाटा मोटर्स लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ गिरीश वाघ के साथ कई मंत्री, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और टाटा मोटर्स के वरिष्ठ नेतृत्व मौजूद रहे।

## सीआईआई का वॉशिंगटन डीसी में उच्च स्तरीय गोलमेज सम्मेलन आयोजित

# भारत का दीर्घकालिक दृष्टिकोण मजबूत, आर्थिक सिद्धांतों और दूरदर्शी नवाचार एजेंडे पर हुई चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय उद्योग परिसंघ ( सीआईआई ) और यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल द्वारा वाशिंगटन डीसी में उच्च स्तरीय गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया। आयोजित इस सम्मेलन में भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर और मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन ने भाग लिया।

उन्होंने भारत के व्यापक आर्थिक स्थिरता, सुधारों और बुनियादी ढांचे के विकास पर चर्चा की गई। सम्मेलन में इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का दीर्घकालिक आर्थिक दृष्टिकोण मजबूत व्यापक आर्थिक आधारभूत सिद्धांतों, सतत सुधारों और दूरदर्शी नवाचार एजेंडा पर आधारित है। इस



सम्मेलन में अनुराधा ठाकुर ने इस बात पर बल दिया कि नीतिगत निरंतरता, संस्थागत विश्वसनीयता और शासन के लिए परामर्शदात्मक दृष्टिकोण द्वारा समर्थित भारत एक स्थिर, विश्वसनीय और तेजी से विकसित होने वाला आर्थिक भागीदार बना हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की आर्थिक रणनीति सतत और समावेशी विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि मजबूत व्यापक आर्थिक आधारभूत सिद्धांतों, नीतिगत निरंतरता और संस्थागत विश्वसनीयता के बल पर भारत एक स्थिर, विश्वसनीय और तेजी से विकसित होने वाले आर्थिक साझेदार के रूप में उभरा है। डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन ने घरेलू मांग में वृद्धि, बुनियादी ढांचे के विस्तार और वैश्विक बाजारों के साथ निरंतर एकीकरण से समर्थित भारत की मजबूत विकास गति पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का आर्थिक विकास का दृष्टिकोण प्रतिस्पर्धा, उत्पादकता वृद्धि और नवाचार पर अधिकाधिक केंद्रित है। उन्होंने वैश्विक साझेदारों, जिनमें यूनाइटेड किंगडम, यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं के साथ व्यापारिक खुलेपन और गहन जुड़ाव की दिशा में भारत के नए प्रयासों को रेखांकित किया।




सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

**कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर**

लोककर्म विभाग **निविदा आमंत्रण सूचना**

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों/मान्यता प्राप्त फर्म से निम्नलिखित कार्यो के लिए ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

| क्र. | टेंडर क्रमांक जारी दिनांक | कार्य का विवरण | कार्य की समयावधि एवं लागत | निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD | निविदा की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | 2026_UAD_499990_1<br>PRO- 80<br>DATE - 16/04/2026 | लाला लाजपत राय वार्ड अन्तर्गत मानेगांव मोहनिया केशरी नगर एवं विभिन्न स्थलों पर नाली निर्माण का कार्य। | 02 माह<br>16.96 लाख | रू 2,000/-<br>रू 12720/- | 18/05/2026 |

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा

कार्यपालन यंत्री
नगर निगम जबलपुर

खंड -1
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
मध्य प्रदेश शासन

**कार्यालय वनमंडलाधिकारी सामान्य वनमंडल जबलपुर मध्य प्रदेश**

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या / ई-टेंडरिंग /2026-27 दिनांक / /2026

वनमंडलाधिकारी सामान्य वनमंडल जबलपुर म.प्र. भण्डार क्रय नियम एवं लेखा उपार्जन नियम 2015 ( यथा संशोधित - 2022 ) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

| क्रं. | सामग्री का विवरण | इकाई | अनुमानित मात्रा | सत्यांकार निधि | निविदा 'दस्तावेजो का मूल्य |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | Satkatha Wooden Polls (Treated) 2 meter Height and 31-45 C.M. Roundness | Nos | 19232 | 144000 | 1000 |

● निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निःशुल्क देखे और डाउनलोड किये जा सकते है। ● इच्छुक निविदाकार क्रेडिट / डेबिट/कैश कार्ड / इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनांक 12.04.2026 बजे 10:00 AM से दिनांक 02.05.2026 बजे 05:00 PM तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है। ● ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होंगी। निविदा पूर्व बैठक दिनांक 28.04.2026 समय 04:00 PM से 05:00 PM तक सामान्य वनमंडल जबलपुर कार्यालय में आयोजित की जाएगी। ● निविदा से संबंधित समय सारणी ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in/ पोर्टल में देखी जा सकती है। ● ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुध्दिपत्र / परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रो में नहीं। टीप - उपरोक्त तिथि अनुमानित है कार्य सुविधा अनुसार तिथि में परिवर्तन किया जा सकेगा। ● ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल: https://www.mptenders.gov.in

G-11642/26

वनमंडलाधिकारी
सामान्य वनमंडल जबलपुर

**कार्यालय नगरपालिका परिषद, गाडरवारा जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.)**
(Near Water Tank, Gadarwara, E-Mail- cmogadarwara@mpurban.gov.in

पत्र क्र 68-70/ई-टेण्डर/2026-27

गाडरवारा दिनांक-15/04/2026

**//निविदा सूचना//**

निम्नलिखित कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

| सं. क्र. | टेण्डर क्र. जारी दिनांक | कार्य का नाम | कार्य की समयावधि एवं लागत | निविदा प्रपत्र का मूल्य एव ईएमडी | निविदा की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 01. | 2026_UAD_500546_1<br>16.04.2026 | निकाय हेतु सफाई सामग्री प्रदाय कार्य। | 11 माह<br>950000.00 | 2000.00<br>9500.00 | 04.05.2026 |
| 02. | 2026_UAD_500547_1<br>16.04.2026 | निकाय अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिये जल प्रदाय सामग्री प्रदाय कार्य। | 11 माह<br>3800000.00 | 5000.00<br>38000.00 | 19.05.2026 |
| 03. | 2026_UAD_500576_1<br>16.04.2026 | निकाय अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिये सबमर्सिबल मोटर रिवाइडिंग एवं अन्य संबंधित मरम्मत/ सुधार कार्य। | 11 माह<br>3500000.00 | 5000.00<br>35000.00 | 19.05.2026 |

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से सामाचार पत्र में प्राकशन नहीं किया जायेगा।

श्री पं. शिवाकांत मिश्रा, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, गाडरवारा
श्री सुरेंद्र गूजर, सभापति, लोक निर्माण शाखा, गाडरवारा
श्री वैभव देशमुख, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद, गाडरवारा

**M.P. STATE OPEN SCHOOL EDUCATION BOARD**
School Education Deptt., Government of M.P. Shivaji Nagar
Bhopal-462011, India, Phone : 0755-2671066, 0755-2552106
Website : www.mpsos.nic.in, E-mail : mpsos2022@gmail.com
E-Tender Notice No. 1342 Bhopal, Dated : 16.04.2026

MPSOSEB Bhopal invites the online tender for the work of Construction of Gurukulam building of **"Adi Shankaracharya Gurukulam"** of Maharshi Patanjali Sanskrat Sansthan at village-Patlon of Gadarwara tehsil of District-Narsinghpur (M.P). Cost of work is **Rs.759.32 lakhs** excluding applicable taxes. For further detailed information please visit link **https;// www.mptenders.gov.in.**

M.P.M./125362/2026 DIRECTOR

## राशिफल

**मेष** - मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान रहेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। तरक्की के योग हैं।

**वृष** - मन थोड़ा परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जाना हो सकता है।

**मिथुन** - आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। कारोबारी कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

**कर्क** - वाणी में मधुरता रहेगी। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

**सिंह** - आत्मविश्वास भी बहुत रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मीठे खानपान में रुचि बढ़ेगी। खर्च बढ़ेंगे। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

**कन्या** - किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति बन सकती हैं।

**तुला** - मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार में सुधार होगा। कारोबार के विस्तार के लिए पिता से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता के योग हैं।

**वृश्चिक** - किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार से लाभ के अवसर भी मिल सकते हैं। यात्रा के सुखद परिणाम मिलेंगे।

**धनु** - आत्मविश्वास से लबरेज तो रहेंगे, परन्तु मन अशान्त भी हो सकता है। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा।

**मकर** - संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

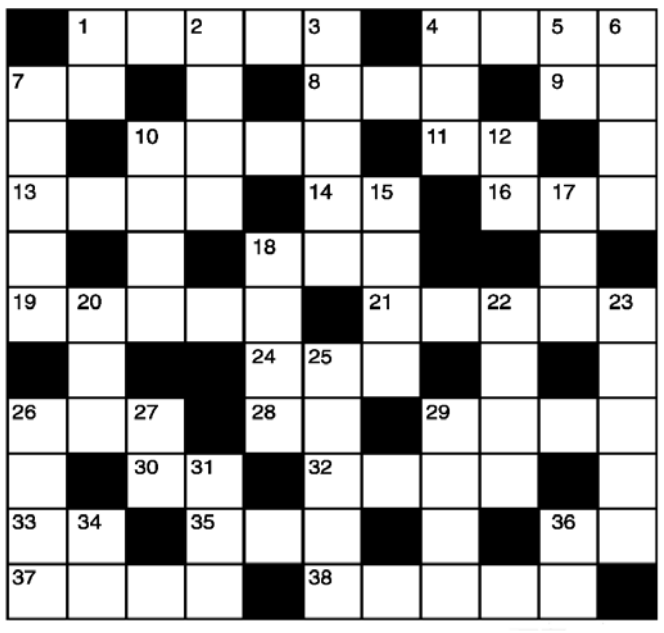

**कुंभ** - आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव भी रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंता परेशान करेंगी।

**मीन** - मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे, परन्तु आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। खर्च अधिक रहेगा। मित्रों से भेंट होगी।

## शब्द पहेली - 6198



**बाएँ से दाए**
1. अनाथालय-5
4. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7. कमरा, रूम-2
8. फिजूल-3
9. अंग्रेजी शराब-2
10. अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11. लक्ष्मी, कमला-2
13. ध्वनिहीनता, शांति-4
14. देवता, देव-2
16. प्रणाम, नमस्कार-3
18. रुधिरहीन, कमजोर-3
19. प्रस्थान करना-3,2
21. पालने वाला, ईश्वर-5
24. प्रेम, चाहना-3
26. वन, अरण्य, जंगल-3
28. विदेशी मदिरा-2
29. छिड़कना-4
30. धूल, मिट्टी-2
32. अंगीकार करना-4
33. छापा, सतत वर्षा-2
35. विरुद्ध-3
36. सुबह, प्रातःकाल-2
37. जोकर, विदूषक-4
38. संन्यासी, साधु-3,2

**ऊपर से नीचे**
1. इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2. उदारता, बड़प्पन-4
3. पत्नी का नाना-2,3
4. दसवीं राशि -3
5. बहादुर, निडर-2
6. एक मुस्लिम महीना-4
7. कहानी लेखक-5
10. नाव चलाना-2,2
12. सम्मान-2
15. मारकाट, खून खराबा-4
17. पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18. कुकर्म, दुष्कर्म-4
20. गाड़ी, यान-3
22. इंकार करना-4
23. रचना करनेवाला, रचयिता -5
25. जीवनसाथी-5
26. कारोबार, व्यवसाय-4
27. मादा का विलोम-2
29. निर्झरणशील-4
31. ढेर, काफी सारा (उर्दू-3)
34. मजा, आनंद-2
36. भोगने वाला, कामी-2

**शब्द पहेली - 6197 का हल**



## सूडोकू नवताल - 6208

कठिनतम



सूडोकू नवताल-6207 का हल



- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

विशेष : पृथ्वी दिवस, 22 अप्रैल

# अपनी पृथ्वी को बनाएं स्वच्छ-सुरक्षित और सुंदर



हमारी पृथ्वी स्वच्छ, सुरक्षित रहे, इसके लिए जरूरी है कि हमारा पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र स्वच्छ, संतुलित और सुरक्षित रहे। बच्चो, कुछ छोटे-छोटे कदम उठाकर तुम भी हमारी पृथ्वी के संरक्षण में अपना योगदान दे सकते हो।

अवेयरनेस
शिखर चंद जैन

बच्चो, इस पृथ्वी पर मनुष्य, पेड़-पौधे, जीव-जंतु, हम सभी रहते हैं। पृथ्वी हमारे घर की तरह है। पृथ्वी की रक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल को 'अर्थ डे' यानी 'पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है। इसे 'इंटरनेशनल मदर अर्थ-डे' के नाम से भी जाना जाता है। साल 2026 के लिए पृथ्वी दिवस की थीम 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' निर्धारित की गई है। इसका मतलब है, हम सब पृथ्वीवासी के रूप में अपनी शक्तियों और सूझबूझ का प्रयोग करें और अपनी पृथ्वी को एक बेहतर ग्रह बनाएं।

### हम बच्चे क्या कर सकते हैं

तुम्हारे मन में सवाल उठ सकता है कि इतनी बड़ी पृथ्वी की सुरक्षा हम बच्चे भला कैसे कर सकते हैं? यहां यह समझना होगा, तुम्हें अकेले पूरी पृथ्वी की रक्षा नहीं करनी है। बस अपने हिस्से का काम करना है। जब सभी लोग अपने-अपने हिस्से का काम करेंगे तो पृथ्वी को प्रदूषणमुक्त, स्वच्छ और हरी-भरी रखने की दिशा में बड़े बदलाव होने लगेंगे। हमारी पृथ्वी हरी-भरी, स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त हो जाएगी।

### खूब लगाओ पेड़-पौधे

बच्चो, पेड़-पौधे, घने जंगल और वनस्पतियों को पृथ्वी का फेफड़ा कहा जाता है। यह तो तुम जानते ही हो कि हम सांस के द्वारा ऑक्सीजन ग्रहण करते हैं और कार्बन डाईऑक्साइड छोड़ते हैं। पेड़-पौधे इसके विपरीत कार्बन डाईऑक्साइड ग्रहण कर हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। पृथ्वी के पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए भी पेड़-पौधे और जंगल बहुत जरूरी हैं। तो आज ही ठान लो कि तुम पेड़-पौधों से सच्ची दोस्ती करोगे और इसे निभाओगे। तुम खूब पेड़-पौधे लगाओगे, उसकी देखभाल करोगे। यह हमारी पृथ्वी और हमारे लिए बहुत जरूरी है।

### प्लास्टिक को कहो बाय-बाय

आज के समय में प्लास्टिक हमारी पृथ्वी और पर्यावरण के लिए एक बड़ा खतरा बनती जा रही है। धरती को स्वच्छ-सुरक्षित बनाने की दिशा में हमारा मुकाबला 'प्लास्टिक दानव' से भी है। हमारी कोशिश हो कि कम से कम प्लास्टिक इस्तेमाल हो ताकि हमारी धरती, समुद्र की मछलियां, घरेलू और जंगली जानवरों के साथ-साथ पेड़-पौधे और हम इंसान भी इसके दुष्प्रभावों से बचें।

### कचरे का सही डिब्बा चुनो

यहां-वहां कचरा फेंकने और इसका सही निस्तारण न करने से प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है। यह हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत खतरनाक होने के साथ-साथ, हमारी पृथ्वी के लिए भी काफी नुकसानदायक है। इसलिए हमें समझदारी से कचरे का निस्तारण करना चाहिए। नीला डस्टबिन सूखे कचरे के लिए और हरा डस्टबिन गीले कचरे के लिए यूज करना चाहिए। अगर हम कचरा सही जगह डालेंगे, तो हमारी धरती साफ-सुथरी बनी रहेगी।

### ऊर्जा का करो संरक्षण

ऊर्जा सीमित संसाधन है। इसका बेतहाशा इस्तेमाल हमारी पृथ्वी और पर्यावरण को अत्यधिक नुकसान पहुंचा सकता है। बिजली की बचत कर हम अपनी पृथ्वी को बहुत राहत पहुंचा सकते हैं। इसलिए कमरे से बाहर जाते समय या जब जरूरत न हो, लाइट, पंखे और बिजली के अन्य उपकरण बंद करने की आदत डालें।

### पशु-पक्षियों का सहारा बनो

पशु-पक्षी हों या कीट-पतंगे या फिर कोई भी अन्य जीव, सभी पृथ्वी के लिए आवश्यक हैं। ये हमारे ईको सिस्टम को बैलेंस्ड रखने में सहायक हैं। हमें इनका ध्यान रखना चाहिए। पृथ्वी को खुशहाल रखने के लिए भी इन्हें सुरक्षा देना जरूरी है। गर्मी के दिनों में अपनी छत या बालकनी पर मिट्टी के बर्तन में पानी और दाना जरूर रखो। *

### मत करो पानी की बर्बादी

'जल ही जीवन है' ये स्लोगन तो तुमने सुना होगा। दुनिया के कई हिस्सों में लोगों को अपने दैनिक उपयोग के लिए भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता। पानी बहुत ही अनमोल है, इसकी बर्बादी रोकना जरूरी है। हमें कभी भी पानी वेस्ट नहीं करना चाहिए। ब्रश करते समय नल बंद रखना और नहाने के लिए शॉवर के बजाय बाल्टी-मग का इस्तेमाल करना, ऐसी छोटी-छोटी आदतें अगर हम सभी अपनाएं, तो बहुत सारा पानी बचाया जा सकेगा।

इंस्पायरिंग / अंजू जैन

बच्चों को स्टोरी या नॉलेज से जुड़ी किताबें पढ़ना बहुत पसंद होता है। लेकिन कुछ ऐसे बच्चे भी हैं, जिन्होंने बहुत छोटी उम्र में किताब लिखकर, सबको चौंकाया, देश-दुनिया में प्रसिद्ध हुए। हम तुम्हें ऐसे ही कुछ प्रतिभावान बच्चों और उनकी प्रकाशित किताबों के बारे में बता रहे हैं।

## टैलेंटेड-क्रिएटिव ये नन्हे राइटर

भारत में कई ऐसे प्रतिभाशाली बच्चे हैं, जिन्होंने किताबें पढ़ने की उम्र में खुद ही एक से बढ़कर एक शानदार किताबें लिख डालीं। छोटी उम्र में ही किताबें लिखकर इन बच्चों ने सभी को हैरान कर दिया है। वर्ल्ड बुक डे (23 अप्रैल) के मौके पर जानो, ऐसे ही कुछ टैलेंटेड नन्हे राइटर्स के बारे में।

### वाणी रावल

**हरियाणा की** वाणी रावल ने 10 साल की उम्र में 'कैथी' 23 डेज ऑफ क्रिसमस' और 'कैथी इज कॉलिंग: फाइव एलिमेंट्स ऑफ क्रिसमस' नामक किताबें लिखीं। किताबों की ये सीरीज लिखकर वाणी ने दुनिया की सबसे कम उम्र की 'सीरीज राइटर' होने का गौरव हासिल किया। वाणी का नाम 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड', 'एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड', 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स', 'इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' और 'ब्रावो इंटरनेशनल वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज है। *

### अभिजिता गुप्ता

**उत्तर प्रदेश** की अभिजिता गुप्ता ने 7 साल की उम्र में अपनी पहली किताब 'हैप्पीनेस ऑल अराउंड' लिखी। वह 'इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' द्वारा दुनिया की सबसे कम उम्र की लेखिका मानी गई है। वह अब तक 3 किताबें लिख चुकी है। 2020 में अभिजिता ने कहानी और कविता की पुस्तक की सबसे कम उम्र की लेखिका होने का रिकॉर्ड बनाया, जिसे 'इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' और 'एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' द्वारा प्रमाणित किया गया है। अभिजिता की कुछ प्रमुख किताबें हैं- 'स्योरली सस्टेन', 'द बिगिन विद द लिटिल थिंग्स', 'मार्क ऑफ द कीपर: वेल ऑफ लाइट'। अभिजिता को 'ग्लोबल चाइल्ड प्रॉडिजी अवॉर्ड 2022' से भी सम्मानित किया जा चुका है। यहां यह भी जानो कि अभिजिता हिंदी साहित्य की महान विभूति राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की परपोती है। *

### अयान गोगोई गोहेन

**असम के** अयान गोगोई गोहेन ने मात्र 4 साल की उम्र में अपनी पहली किताब 'हनीकॉम्ब' लिखी थी। उसे 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' द्वारा भारत का सबसे कम उम्र का लेखक घोषित किया गया है। अयान दुनिया के सबसे कम उम्र के लेखकों में से एक है। वर्ष 2020 में ग्लोबल चाइल्ड प्रोडिजी अवार्ड विजेता अयान ने 'बंबलबी' और 'लाइफ लेसंस फ्रॉम द फोर-लेग्ड मोंक' जैसी किताबें भी लिखी हैं। अयान दुनिया के शीर्ष 100 बाल प्रतिभाओं की सूची में भी शामिल हो चुका है। *

तुम्हारे लिए किताब / नीलम राकेश

## पर्यावरण संरक्षण की कहानियां

बच्चो, स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है धरती का पर्यावरण शुद्ध रहे। पर्यावरण तभी शुद्ध रहेगा, जब हम सभी मिलकर इसको संरक्षित करेंगे। इस बात को ध्यान में रखकर बाल साहित्यकार डॉ. नागेश पांडेय 'संजय' ने तुम्हारे लिए विशेष रूप से कथाओं का संकलन 'पर्यावरण संरक्षण की कहानियां' तैयार किया है। इस किताब में देश के जाने-माने 15 बाल साहित्यकारों की कहानियां संकलित की गई हैं। बच्चो, इस किताब की कहानियों में तुम्हें प्रकृति के नए-नए रंग देखने को मिलेंगे, जो तुम्हारे भीतर पर्यावरण के प्रति प्रेम जगाएंगे। इस संकलन की कहानियों में कहीं देव नदी गंगा अपनी मदद के लिए पुकार रही है, तो कहीं पर 'अलईतारा' के रूप में श्रमदान का महत्व बताया गया है। इस संकलन की एक कहानी 'बिन मौसम' तुम्हें झूमते हुए वृक्षों की छांव में ले जाएगी। कहानी 'पानी नहीं' बताती है पानी की फिजूल खर्ची से कितनी दिक्कतें आ सकती हैं? किताब की हर कहानी कोई ना कोई संदेश देती है, तुम्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करती है। कहानियों के साथ छपे सुंदर चित्र इस किताब के आकर्षण को बढ़ाते हैं। किताब का आवरण बहुत ही मोहक है। एक खास बात यह है कि इसमें बने चित्रों में तुम्हें रंग भरने का मौका मिलेगा। *

**किताब:** पर्यावरण संरक्षण की कहानियां, **संपादक:** डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'
**मूल्य:** 230 रुपए, **प्रकाशक:** बुनियादी साहित्य प्रकाशन, लखनऊ

कल्पना करो धरती, सौरमंडल में तीसरी कक्षा से दूर चौथी कक्षा में आ जाए तो क्या होगा? यही होगा, सारे प्राणियों का जीवन घोर संकट में आ जाएगा। इसलिए जरूरी है, हम अपनी आदतें सुधारें, पर्यावरण संरक्षित करें। बच्चो, यह कहानी सौरमंडल में धरती के निश्चित स्थान की महत्ता बताती है।

## जब धरती ने जगह बदलने की ठानी





एआई इमेज

कहानी
कुसुम अग्रवाल

आज विद्यालय में विशेष चहल-पहल थी। स्कूल का प्रांगण हरे और नीले गुब्बारों से सजा था। मंच पर लगे एक बैनर पर बड़े अक्षरों में लिखा था-पृथ्वी दिवस। प्रधानाचार्य जी ने मंच पर आकर माइक से घोषणा की, 'आज कक्षा सात के विद्यार्थी एक विशेष नाटक प्रस्तुत करेंगे-जब धरती ने जगह बदलने की ठानी।'

तभी मंच पर परदा खुला। मंच के बीचों-बीच नीले-हरे वस्त्र पहने एक बच्ची खड़ी थी। वह धरती बनी थी। उसके चारों ओर रुई से बने बादल और चमकीले तारे सजे थे। धरती उदास स्वर में बोली, 'मैं बहुत ज्यादा तंग आ चुकी हूं। धुआं, प्रदूषण, बढ़ते तापमान से। मैं सौरमंडल में सूरज से दूरी के हिसाब से तीसरे स्थान पर यानी तीसरी कक्षा में हूं। क्यों न मैं चौथी कक्षा में आ जाऊं। वहां कुछ ठंडक मिलेगी।'

पास में मौजूद चंद्रमा घबराए स्वर में बोला, 'ऐसा मत करो धरती बहन! इससे सौरमंडल का संतुलन बिगड़ जाएगा।'

तभी अलग-अलग वेशभूषा में कुछ बच्चे मंच पर आए। एक बच्चा पेंग्विन बना था। उसने घबराते हुए कहा, 'धरती मां, अगर आप दूर चली गईं तो यहां बहुत ज्यादा ठंडक बढ़ जाएगी। समुद्र जम सकते हैं। हमें भोजन कहां मिलेगा?'

हाथी बना हुआ बच्चा बोला,'जंगलों में धूप कम हुई तो पेड़-पौधे कैसे उगेंगे, बढ़ेंगे? हम क्या खाएंगे?'

एक बच्ची जो किसान बनी थी, बोली, 'हमारी फसलें नष्ट हो जाएंगी।'

समुद्री नीले वस्त्रों में एक बच्चा, जो व्हेल बना था, बोला, 'पृथ्वी बहन तुम्हारे दूर जाने से समुद्र में आने वाले ज्वार-भाटे का रूप बदल जाएगा।'

तभी एक बाल वैज्ञानिक मंच पर आया। उसने चार्ट दिखाते हुए कहा, 'धरती का सूर्य से निश्चित दूरी पर तीसरी कक्षा में होना ही, इस पर जीवन के लिए आदर्श स्थिति है। यदि पृथ्वी चौथी कक्षा में चली गई तो यह अत्यधिक ठंडी और बंजर हो सकती है, जैसे मंगल ग्रह। और यदि धरती सूरज के पास यानी दूसरी कक्षा में आ जाए तो तपने लगेगी, जैसे शुक्र ग्रह।'

सामने बैठे दर्शक छात्र, ध्यान से सभी बातें सुन रहे थे। धरती ने दुःखी स्वर में कहा, 'पर मेरा बुखार कौन समझेगा? ग्लोबल वार्मिंग मुझे बीमार कर रही है।'

तभी छोटे-छोटे बच्चे पौधे लेकर मंच पर आ गए। एक ने कहा, 'गलती हमारी है। धरती आप अपनी जगह मत बदलें। हम बदलेंगे अपने आपको।'

दूसरे ने कहा, 'हम पेड़ लगाएंगे!'

तीसरे ने कहा, 'हम बिजली बचाएंगे!'

चौथे ने कहा, 'हम प्लास्टिक का उपयोग कम करेंगे!'

पांचवें ने कहा, 'हम हर दिन पृथ्वी दिवस मनाएंगे!'

धरती बनी बच्ची कुछ क्षण चुप रही फिर मुस्कुराते हुए बोली, 'यदि तुम सचमुच अपना व्यवहार बदलोगे, तो मुझे कहीं जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।'

अंतिम दृश्य में सभी बच्चे हाथों में हाथ डालकर बोले, 'धरती हमारी है, हम इसके रखवाले हैं! हम प्रकृति का संरक्षण करेंगे।'

परदा गिरा। नाटक खत्म हो गया। पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। प्रधानाचार्य जी मंच पर आकर बोले, 'बच्चो, अभी जो तुमने देखा, यह केवल नाटक नहीं है। यह सच्चाई है। धरती अपनी कक्षा नहीं बदल सकती, पर हम अपनी आदतें बदल सकते हैं।' आज स्कूल में पृथ्वी दिवस पर केवल एक कार्यक्रम नहीं हुआ था, यहां संकल्प लिया गया था, पृथ्वी को बचाने का। *

कविता
राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव



## पृथ्वी कितनी प्यारी है!

पृथ्वी कितनी प्यारी है!
सभी ग्रहों से न्यारी है।
हम सबकी जीवनदायी,
हितकारी उपकारी है।
खेत और खलिहान यहां,
वन-उपवन, मैदान यहां।
नदियां ताल समंदर हैं,
खनिजों की हैं खान यहां।
तितली भौंरे सुमन यहां,
पंछी पर्वत पवन यहां।
जल, थल, बादल, नील गगन,
जीवन, भोजन, वसन यहां।
लेकिन वन कटते जाते,
नए शहर बसते जाते।
मिट्टी रेत खनिज पानी,
दिन-प्रतिदिन घटते जाते।
अब हम लें जिम्मेदारी,
और न दोहन हो भारी।
हम सब मिलकर यत्न करें,
बची रहे पृथ्वी प्यारी।

### बूझो तो जानें

1 नीला पानी, हरी है घास,
सबके लिए हूं मैं तो खास।
इंसान, पशु और पक्षी सारे,
रहते हैं मेरे ही सहारे।

2 सिर पर ऊपर नीला अंबर,
पैरों के नीचे मिट्टी सुंदर।
पहाड़, नदी और जंगल घने,
सब कुछ हैं मुझपे ही बने।

-शिवानी छाया

उत्तर : पृथ्वी

### जीके क्विज-201

1. साइकिल से एवरेस्ट बेस कैंप तक पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला का क्या नाम है?
2. हाल में ही बिहार के नए मुख्यमंत्री कौन बने हैं?
3. रूपा बायर किस खेल से संबंधित हैं?
4. आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज कौन बन गए हैं?
5. श्रमिक दिवस कब मनाया जाता है?
6. तेनालीरामा किस राजा के दरबारी विद्वान थे?
7. विश्व की सबसे गहरी झील कौन-सी है?
8. भारत के राष्ट्रपति राज्यसभा में कितने सदस्य मनोनीत करते हैं?
9. भूकंप की तीव्रता किस यंत्र से मापी जाती है?
10. किस नदी को दक्षिण भारत की गंगा कहा जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-201 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

**जीके क्विज-200 का उत्तर :** 1. रोपड़ (पंजाब), 2. भारत, 3. अकबर और हेमू, 4. मिथुन मन्हास, 5. विशाखदत्त, 6. हेग(नीदरलैंड), 7. बुध, 8. विटामिन ए, 9. बी.आर. आंबेडकर, 10. राजस्थान

**जीके क्विज-200 का सही उत्तर देने वाले :** साकेत-दुर्ग, कबीर-हिसार, अनन्या-राजनांदगांव, कविश-रायपुर, सौम्या-रायगढ़, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, तमन्ना-कोरबा, अक्षित-बिलासपुर, सुमित-रोहतक, हर्ष-बालोद

### अंतर बताओ

बच्चो, यहां पार्क में पिकनिक मना रहे भालू और खरगोश के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिखने वाले इन चित्रों में सात अंतर हैं। तुम पांच मिनट में सभी सात अंतर ढूंढ कर बताओ।

उत्तर: 1.भालू तरबूज के बजाय सैंडविच खा रहा है। 2.खरगोश ने टोपी नहीं पहनी है। 3.बेंच पर बिल्ली के बजाय एक पक्षी बैठा हुआ दिख रहा है। 4.पेड़ के नीचे दो तितलियां उड़ रही हैं। 5.भालू के बगल में रखा बास्केट गायब है। 6.भालू की छोटी-सी पूंछ दिख रही है। 7.फूलों वाले गमले की जगह पर बास्केट रखा हुआ है।

### लेफ्ट-राइट बताओ

बच्चो, यहां दी गई तस्वीर में कुछ क्लाउन फिश लेफ्ट की तरफ घूमी हुई हैं, तो कुछ राइट की तरफ। तुम्हें गिनकर दिए गए बॉक्स में लिखना है कि कितनी क्लाउन फिश लेफ्ट की तरफ घूमी हुई हैं, कितनी राइट की तरफ?



LEFT
RIGHT

उत्तर : ??????????????

## आईपीएल पाइंट टेबल

| टीम | मैच | जीते | हारे | अंक |
|---|---|---|---|---|
| बेंगलुरु | 5 | 4 | 1 | 8 |
| राजस्थान | 5 | 4 | 1 | 8 |
| पंजाब | 4 | 3 | 1 | 7 |
| हैदराबाद | 5 | 2 | 3 | 4 |
| दिल्ली | 4 | 2 | 2 | 4 |
| गुजरात | 4 | 2 | 2 | 4 |
| लखनऊ | 5 | 2 | 3 | 4 |
| चेन्नई | 5 | 2 | 3 | 4 |
| मुंबई | 4 | 1 | 3 | 2 |
| कोलकाता | 5 | 0 | 4 | 1 |

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
228 रन
बेंगलुरु

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
10 विकेट
गुजरात

# जडेजा 3,000 से ज्यादा रन बनाने के साथ ही चटका चुके हैं 173 विकेट, दूसरे नंबर पर अक्षर पटेल

एजेंसी ▶▶| मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग में अब तक चुनिंदा स्पिनरों ने 100 विकेट का आंकड़ा पार किया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के क्रुणाल पांड्या ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में ये आंकड़ा छूआ। इसके साथ ही पांड्या उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हुए, जिन्होंने आईपीएल में 1,000 रन बनाने के साथ-साथ 100 विकेट भी लिए हैं।

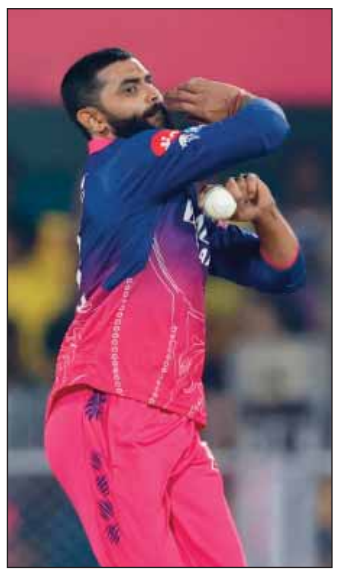

### रविंद्र जडेजा

रविंद्र जडेजा आईपीएल में 259 मैच की 201 पारियों में 28.27 की औसत और 130.00 की स्ट्राइक रेट से 3,336 रन बना चुके हैं। इसमें 5 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 77* रन का रहा है। गेंदबाजी में उन्होंने 228 पारियों में 30.31 की औसत से 173 विकेट चटका लिए हैं। वह 1 बार 5 विकेट हॉल भी ले चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/16 विकेट का रहा है। वह आईपीएल में कुल 4 टीमों से खेल चुके हैं।

### अक्षर पटेल

अक्षर पटेल ने अपना पहला आईपीएल मुकाबला साल 2014 में खेला था। उन्होंने अब तक 166 मुकाबले खेले हैं और इसकी 127 पारियों में 21.32 की औसत और 133.63 की स्ट्राइक रेट से 1,913 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 3 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 66 रन रहा है। गेंदबाजी में इस खिलाड़ी ने 163 पारियों में 31.72 की औसत से 131 विकेट चटकाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/21 का रहा है।

### क्रुणाल पांड्या

पांड्या ने अपना पहला आईपीएल मुकाबला साल 2016 में खेला था। अब तक इस खिलाड़ी ने 147 मुकाबले खेले हैं और इसकी 137 पारियों में 31.41 की औसत और 7.53 की इकॉनमी रेट से 100 विकेट लिए हैं। उन्होंने एक बार 4 विकेट हॉल लिया है और उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 4/45 का रहा है। बल्लेबाजी में इस खिलाड़ी ने 119 पारियों में 21.96 की औसत और 131.90 की स्ट्राइक रेट से 1,757 रन बनाए हैं।

### इन विदेशी खिलाड़ियों ने हासिल किया है ये मुकाम

विदेशी खिलाड़ियों में 1,000 रन के साथ-साथ 100 विकेट लेने वाले खिलाड़ी ड्वेन ब्रावो, सुनील नरेन और आंद्रे रसेल हैं। इनमें से आईपीएल 2026 में सिर्फ नरेन हिस्सा ले रहे हैं।

### अर्जुन व आदित्य ने यूएस ओपन में एक और स्वर्ण पदक जीता

**नई दिल्ली।** अर्जुन सिंह ने आदित्य सिंह की भारतीय जोड़ी ने फ्लोरिडा के नेपल्स में चल रही यूएस ओपन पिकलबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में जे मेओडे और डब्ल्यू लिन को 9-11, 11-2, 11-7 से हराकर पुरुष युगल 5.0 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। भारत के ही पंथ ठक्कर और अथर्व शेठ की जोड़ी ने 4.5 पुरुष युगल वर्ग में रजत पदक जीता। उन्हें फाइनल में कैयन एप्पल और माइकल वैन ड्यूसेन से 8-11, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा। अर्जुन और आदित्य ने कहा, ''यूएस ओपन में एक और स्वर्ण पदक जीतना बेहद संतोषजनक है। हमने फिर से मिलकर यह खिताब जीता है जिससे यह और खास बन जाता है।

### शुभंकर ने 64 का कार्ड खेला बोल्डर्स खिताब जीतने के करीब

**हैदराबाद।** शीर्ष पर चल रहे शुभंकर शर्मा ने बृहस्पतिवार को यहां एक करोड़ पुरस्कार राशि के शुरूआती बोल्डर्स क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर में आठ अंडर 64 का शानदार कार्ड खेलकर सात शॉट की विशाल बढ़त हासिल की। दो बार के डीपी वर्ल्ड टूर विजेता 29 वर्षीय शुभंकर (66, 66, 64) का कुल स्कोर 20 अंडर 196 हो गया है। उन्होंने तीसरे दौर में नौ बर्डी लगाई और महज एक बोगी की। दिल्ली के राशिद खान, चंडीगढ़ के अंगद चीमा और विशेष शर्मा 13 अंडर 203 के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए हैं।

### युद्ध के बावजूद ईरान फीफा विश्व कप में भाग लेगा

**वाशिंगटन।** विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि अमेरिका के साथ युद्ध के बावजूद ईरान विश्व कप में 'निश्चित रूप' भाग लेगा। इन्फेंटिनो ने सीएनबीसी के इन्वेस्ट इन अमेरिका फोरम में कहा कि ईरान का विश्व कप में भाग लेना महत्वपूर्ण है। अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद ईरान के इस प्रतियोगिता में भाग लेने को लेकर संदेह व्यक्त किया जा रहा है। फीफा अध्यक्ष ने दो सप्ताह पहले तुर्की के अंताल्या में ईरान की राष्ट्रीय टीम से मुलाकात की थी।

### आईजीपीएल गोल्फ : माने, सोनी और शाह संयुक्त बढ़त पर

**जोहान्सिबर्ग।** ओलंपियन उदयन माने, मिलिंद सोनी और मानव शाह ने यहां आईजीपीएल इनविटेशनल साउथ अफ्रीका गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर में समान सात अंडर 65 का स्कोर बनाकर संयुक्त बढ़त हासिल की। यह तीनों खिलाड़ी पिछले साल के आईजीपीएल रैंकिंग विजेता पुखराज सिंह गिल (66) से एक शॉट आगे हैं। गगनजीत भुल्लर, करनदीप कोचर और सार्थक छिब्बर पांच अंडर 67 के स्कोर के साथ संयुक्त पांचवें स्थान पर हैं। पहले दिन के बाद महिला खिलाड़ियों में विधात्री उर्स और वाणी कपूर सबसे आगे हैं।

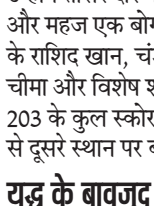

## खबर संक्षेप

## मैच आज अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रात 7:30 बजे से

# केकेआर पहली जीत के लिए बेकरार, गुजरात टाइटंस घरेलू मैदान पर अच्छे प्रदर्शन को तैयार

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 25वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से आज 17 अप्रैल को होगा। केकेआर ने इस संस्करण 5 मुकाबले खेले हैं। उसे 4 मैच में हार मिली है और एक मुकाबला बारिश के कारण रद्द रहा है। जीटी ने 4 मैच खेले हैं और उसे 2 मैच में जीत और इतने ही मैच में हार मिली है। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण दबाव में चल रही कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम शानदार फॉर्म में चल रही गुजरात टाइटन्स के खिलाफ अपनी लय में लौटकर पहली जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। वहीं जीत से लबरेज गुजरात टाइटन्स अपनी जीत की लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

### केकेआर के खिलाफ जीटी का पलड़ा है भारी

आईपीएल में दोनों टीमों के बीच 5 मुकाबले हुए हैं। इस दौरान जीटी ने 3 मैच अपने नाम किए हैं। केकेआर सिर्फ एक मैच जीतने में सफल रही है। एक मुकाबला बिना किसी नतीजे के समाप्त हुआ है। आईपीएल 2025 में दोनों टीमों के बीच एक मैच हुआ था। उसे जीटी ने 39 रन से जीता था। आईपीएल 2024 में का मुकाबला रद्द रहा था। ऐसे में केकेआर के खिलाफ जीटी का ही पलड़ा भारी रहने वाला है।

### कैसा रहेगा मौसम का हाल?

एक्यूवेदर के मुताबिक 17 अप्रैल को अहमदाबाद में अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री रहने की उम्मीद है। मैच रात 7:30 बजे शुरू होगा। ऐसे में खिलाड़ियों को गर्मी से कम परेशानी होगी। मैच के दौरान बारिश की संभावना नहीं है।

### इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेगी नजरें

जीटी के लिए शुभमन ने पिछले 9 मैचों में 53.25 की औसत से 426 रन बनाए हैं। सुदर्शन के बल्ले से पिछले 10 मैचों में 416 रन निकले हैं। केकेआर के लिए रघुवंशी ने पिछले 10 मैच में 142.5 की स्ट्राइक रेट से 285 रन बनाए हैं। गेंदबाजों में प्रसिद्ध ने पिछले 10 मैच में 9.18 की इकॉनमी से 18 विकेट लिए हैं। केकेआर से नरेन ने पिछले 9 मैचों में 7.54 की इकॉनमी से 8 विकेट चटकाए हैं।

### ऐसी हो सकती है केकेआर की प्लेइंग इलेवन

केकेआर अपने स्टार खिलाड़ियों के खराब फॉर्म के कारण इस संस्करण अच्छा नहीं कर पाई है। रिंकू सिंह, कैमरून ग्रीन और कप्तान अजिंक्य रहाणे जैसे खिलाड़ी आईपीएल 2026 में कुछ खास कमाल नहीं कर पाए हैं। ऐसे में जीटी के खिलाफ ये खिलाड़ी अपना खोया हुआ फॉर्म हर हाल में हासिल करना चाहेंगे।

### कैसा रहता है पिच का मिजाज?

नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में काली और लाल मिट्टी की अलग-अलग पिचें हैं। लाल मिट्टी की पिचें काली मिट्टी की तुलना में तेज गेंदबाजों को अधिक सहायता प्रदान करती हैं। यहां बल्लेबाजों को आमतौर पर रन बनाना आसान रहता है। हालांकि, शुरुआती कुछ ओवर चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। काली मिट्टी की पिच पर उछाल सामान्य होता है, लेकिन स्पिनरों को ज्यादा मदद मिलती है।

# काबुनी ने शेन वॉटसन को बनाया सुपर कोच

**मुंबई।** एआई आधारित स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म काबुनी ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन को सुपर कोच के रूप में नियुक्त किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य हर स्तर के खिलाड़ियों तक वर्ल्ड-क्लास क्रिकेट कोचिंग पहुँचाना है। काबुनी की आधुनिक तकनीक और वॉटसन के अनुभव से खिलाड़ियों को रियल टाइम डेटा, मूवमेंट एनालिसिस और '1% इम्प्रूवमेंट' आधारित ट्रेनिंग का लाभ मिलेगा। प्लेटफॉर्म वॉइस, वीडियो और विजुअल संकेतों के जरिए आसान फीडबैक भी प्रदान करता है। काबुनी के फाउंडर एवं सीईओ निमेश पटेल ने इसे महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इस पहल से खिलाड़ियों को बेहतर तकनीकी और मानसिक प्रशिक्षण मिल सकेगा। वहीं शेन वॉटसन ने कहा कि काबुनी ट्रेनिंग को सरल बनाकर हर खिलाड़ी के प्रदर्शन में सुधार लाने में मदद करता है।

# बांग्लादेश के तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन ने लिया अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

एजेंसी ▶▶| ढाका

बांग्लादेश क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। 36 वर्षीय रुबेल ने बुधवार को अपने फेसबुक अकांउट पर लिखा कि वह बांग्लादेश के लिए खेले गए 159 मैचों के अपने करियर को समाप्त कर रहे हैं। रुबेल ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच अप्रैल 2021 में ऑकलैंड में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उसके बाद से चोटों के कारण उनकी भागीदारी सीमित होती गई।

## इंडियन प्रीमियर लीग

# चोट से जूझ रहे खलील अहमद और डेविड पायने टूर्नामेंट से हुए बाहर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपरकिंग्स को बड़ा झटका लगा है और सनराजर्स को बड़ा झटका लगा है। दोनों के ही तेज गेंदबाज चोट के कारण बचे हुए टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। सीएसके टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद 14 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपने हालिया मैच में जांघ की मांसपेसियों में चोट के कारण शेष टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। सीएसके प्रबंधन ने गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए इसकी पुष्टि की है। यह खिलाड़ियों की चोट से जूझ रही सीएसके के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वहीं एसआरएच के तेज गेंदबाज डेविड पायने भी चोट के कारण बचे हुए सीजन से बाहर हो गए हैं।

### एसआरएच से पायने हुए बाहर

वहीं आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद ने अपना अगला मैच 18 अप्रैल को चेन्नई सुपरकिंग्स से खेलना है। इस मैच से पहले एसआरएच के लिए बुरी खबर है। एसआरएच के तेज गेंदबाज डेविड पायने बचे हुए सीजन से बाहर हो गए हैं। वह टखने में चोट लगने के कारण आगामी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। एसआरएच ने आधिकारिक तौर पर ये ऐलान किया है।

### ऐसे लगी थी खलील को चोट

एमए चिदंबरम स्टेडियम में केकेआर के खिलाफ मैच में खलील ने शानदार गेंदबाजी की और सुनील नरेन का अहम विकेट लिया। हालांकि, अपने 4 ओवर के स्पेल की आखिरी गेंद फेंकने के लिए दौड़ते समय उन्हें दाहिनी जांघ में तकलीफ महसूस हुई। इसके बाद वह आखिरी गेंद भी नहीं फेंक सके। गुरजनप्रीत सिंह ने उनका ओवर पूरा किया। मेडिकल जांच में उनकी दाहिनी रेक्टस फेमोरिस टेंडन में खिंचाव के साथ गंभीर चोट की पुष्टि हुई है। खलील की चोट सीएसके के लिए एक बड़ा झटका है क्योंकि वह टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण का अहम हिस्सा थे। इस सीजन में उन्होंने सभी 5 मैच खेले थे। उनकी अनुपस्थिति से टीम को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

### आईपीएल 2026 में सिर्फ 2 मैच खेले पायने

बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज पायने ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ अपना आईपीएल डेब्यू किया था। अपने पहले मैच में उन्होंने 2 विकेट लिए थे। केकेआर के खिलाफ मैच में वह कोई विकेट नहीं ले सके थे। उस मैच में उन्होंने अपने 2 ओवर में 35 रन लुटाए थे। इसके बाद उन्हें चोट का सामना करना पड़ रहा है।

### फ्रेंच ओपन की इनामी राशि सात करोड़ डॉलर से अधिक हुई

**पेरिस।** फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट की इनामी राशि में लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है जिससे कुल इनामी राशि छह करोड़ 17 लाख यूरो (सात करोड़ 21 लाख डॉलर) हो गई है। यह कुल राशि पिछले साल के मुकाबले 53 लाख यूरो अधिक है। प्रतियोगिता 24 मई को पश्चिमी पेरिस के रोलां गैरो में शुरू होगी। पुरुष और महिला एकल चैंपियन को 28 लाख यूरो और उप विजेता को 14 लाख यूरो मिलेंगे। सेमीफाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को सात लाख 50 हजार यूरो और पहले दौरे में हारने वाले खिलाड़ियों को 87 हजार यूरो मिलेंगे।

### युगल विजेताओं की राशि में भी बढ़ोतरी

पुरुष और महिला युगल के विजेताओं को छह लाख यूरो और मिश्रित युगल की चैंपियन जोड़ी को एक लाख 22 हजार यूरो मिलेंगे। पिछले साल कार्लोस अल्कारेज ने पांच सेट के तक चले फाइनल में यानिक सिनर को हराकर पुरुष एकल खिताब जीता था जबकि कोको गॉफ ने एरिना सबालेंका को हराकर महिला एकल खिताब अपने नाम किया था।

# महिला क्रिकेट : दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच टी20 सीरीज आज से

एजेंसी ▶▶| डरबन

भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टी20 विश्व कप से पहले सभी खिलाड़ियों को उचित मौका दिए जाने पर जोर देते हुए कहा कि उनकी टीम आत्मविश्वास से भरी है और शुक्रवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला का पूरा फायदा उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

हरमनप्रीत ने यह भी कहा कि वनडे विश्व कप जीतने के बाद उनकी टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है। भारत ने हाल में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखलाओं में जीत दर्ज की है।

### विश्व कप की तैयारी के लिए अहम : हरमनप्रीत

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले इंग्लैंड एवं वेल्स में 12 जून से पांच जुलाई तक होने वाले वैश्विक टूर्नामेंट से पहले उन्हें संयोजन को परखने और लय बनाने का मौका देंगे। हरमनप्रीत ने कहा कि पांच मैच की श्रृंखला में सभी खिलाड़ियों को मौका देना ही प्राथमिकता होगी। हम इस मौके को बहुत गंभीरता से लेना चाहते हैं और यहां अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलना चाहते हैं। विश्व कप से पहले यह हमारे लिए एकजुट होने और अच्छी तैयारी का शानदार मौका है। ''

## 184 छक्के लगकर केएल राहुल दूसरे स्थान पर

# सलामी बल्लेबाज के रूप में विराट जड़ चुके हैं 186 छक्के

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 23वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लखनऊ सुपर जायंट्स एलएसजी को 5 विकेट से हराया। चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए मैच में जीत के लिए मिले 147 रन के लक्ष्य को आरसीबी ने विराट कोहली की पारी की मदद (49) से हासिल किया। कोहली ने अपनी पारी में 2 छक्के लगाए। इस बीच वह बतौर सलामी बल्लेबाज सर्वाधिक छक्के वाले भारतीय बने। इसके बाद दूसरे नंबर पर केएल राहुल का नाम आता है।

### विराट कोहली

कोहली ने अब तक सलामी बल्लेबाज के तौर पर 133 मैच खेले हैं और इसकी 133 पारियों में 5,237 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 113* रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 8 शतक और 41 अर्धशतक लगाए हैं। वह पारी की शुरुआत करते हुए 185 छक्के लगा चुके हैं।बता दें कि कोहली आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

### केएल राहुल

केएल राहुल ने बतौर सलामी बल्लेबाज अब तक 107 मैच खेले हैं और इसकी 107 ही पारियों में उन्होंने 48.69 की औसत और 138.75 की स्ट्राइक रेट के साथ 4,529 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 184 छक्के लगाए हैं। राहुल ने अपने आईपीएल करियर में कुल 5 शतक लगाए हैं और ये सभी सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेलते हुए आए हैं। वह आईपीएल 2026 में भी डीसी के सलामी बल्लेबाज हैं।

### रोहित शर्मा

रोहित शर्मा ने आईपीएल में सलामी बल्लेबाज के तौर पर कुल 148 छक्के लगाए हैं। उन्होंने 121 पारियों में सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेला है, जिसमें 29.23 की औसत और 134.81 की स्ट्राइक रेट के साथ 3,303 रन अपने नाम किए हैं। इस बीच उन्होंने एक शतक और 20 अर्धशतक लगाए हैं। वह पारी की शुरुआत करते हुए 7 पारियों में शून्य पर आउट हो चुके हैं।

### शिखर धवन

पूर्व दिग्गज बल्लेबाज शिखर धवन आईपीएल के इतिहास में सलामी बल्लेबाज के तौर पर सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वह इस लीग में 202 पारियों में बतौर सलामी बल्लेबाज उतरे, जिसमें उन्होंने 35.54 की औसत और 128.11 की स्ट्राइक रेट के साथ 6,362 रन बनाए थे। उन्होंने 143 छक्के और 728 चौके लगाए थे।

# सिस्टम की संवेदनहीनता का आईना...!

## जिन्दा लाशों का ठिकाना बना ''मोक्ष आश्रय''

संजय साहू

**जबलपुर। शहर में लावारिस और असहाय लोगों की जिंदगी एक दर्दनाक सच बयां कर रही है। अस्पताल, पुलिस और प्रशासन—सभी अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए इन बेसहारा लोगों को ''मोक्ष मानव सेवा एवं जन उत्थान समिति'' के आश्रय में भेजकर औपचारिकता पूरी कर लेते हैं। इसके बाद ये जिंदगियां सिस्टम की नजरों से ओझल हो जाती हैं। मोक्ष आश्रय आज उन लोगों का ठिकाना बन चुका है, जो न पूरी तरह जीवित जिंदगी जी पा रहे हैं, न ही सम्मानजनक मृत्यु पा रहे हैं। ये लोग अपने अधिकारों, पहचान और अपनों से पूरी तरह वंचित हैं जैसे ''जिंदा लाशें''।**

अलग खबर

दरअसल जबलपुर में सड़क किनारे या अस्पतालों में अपना जीवन जीने की चाह रखने के वालों के लिए जिला प्रशासन द्वारा कोई मदद नहीं की जाती है, उल्टा उनको लावारिसों का वर्तमान सहारा बन चुके मोक्ष मानव सेवा जन उत्थान समिति के पास भेज दिया जाता है, इतना करके शासन प्रशासन के लोग अपने कर्तव्य से इतिश्री कर लेते हैं। परंतु उनकी तीमारदारी या अन्य चीजों के लिए प्रशासन के पास समय नहीं होता।

### सवालों के घेरे में सिस्टम

वर्षों से यही सिलसिला जारी है। जब भी कोई लावारिस मरीज या बेसहारा व्यक्ति मिलता है, जिम्मेदार विभाग उसे मोक्ष के हवाले कर देते हैं। कागजों में जिम्मेदारी पूरी, लेकिन असल में इंसानियत कहीं खो जाती है। न तो पुनर्वास की ठोस व्यवस्था, न पहचान की कोशिश, और न ही इनके जीवन को बेहतर बनाने की कोई पहल।

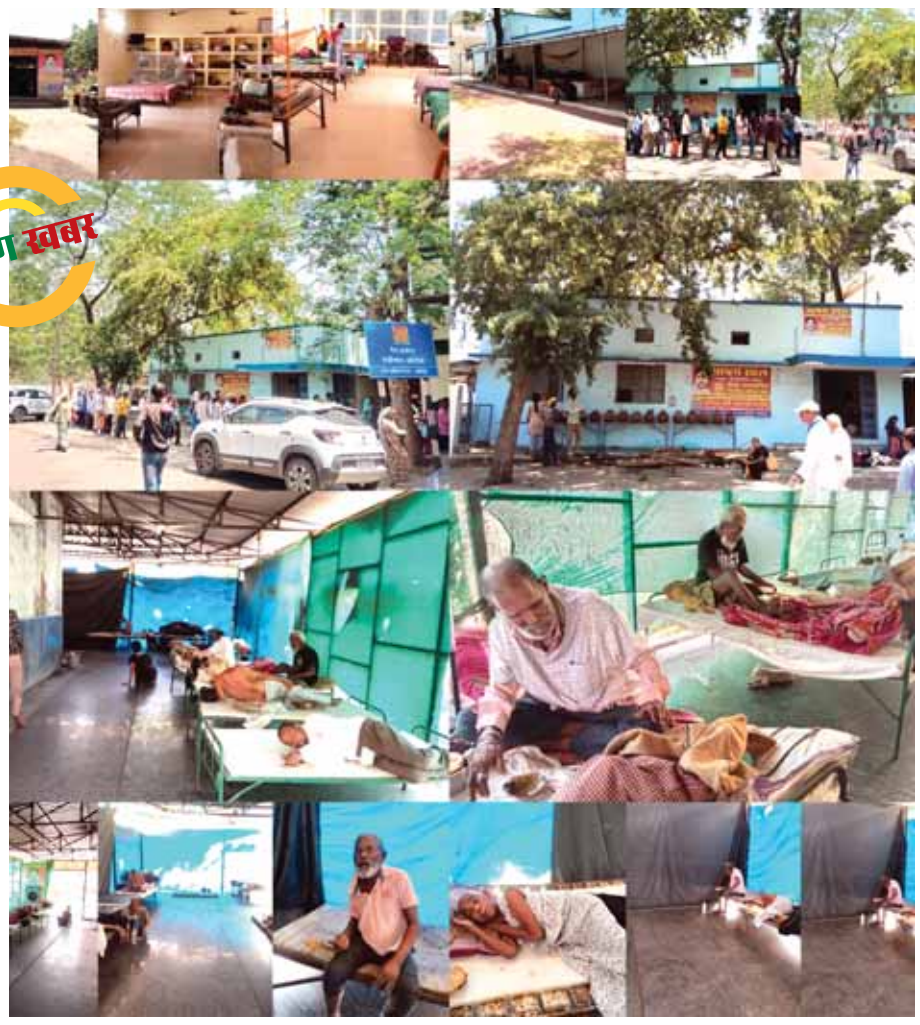

### सेवा या 'अपराध'?

मोक्ष संस्था के कुछ स्वयंसेवक सीमित संसाधनों में इन लोगों की सेवा कर रहे हैं, लेकिन हालात ऐसे हैं कि यह सेवा भी एक "अपराध" जैसी प्रतीत होती है—जहां जिम्मेदारी सरकार की होनी चाहिए, वहां कुछ लोग अपने दम पर व्यवस्था संभाल रहे हैं। बताया जा रहा है कि अब तक हजारों लोग इस आश्रय में आए और चले गए—लेकिन न कोई डेटा, न कोई ट्रैकिंग, न कोई जवाबदेही। जीवित हों या मृत—इनकी सुध लेने वाला कोई नहीं।

### मानवता का सबसे बड़ा सवाल

यह मामला सिर्फ एक संस्था या शहर का नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की संवेदनशीलता पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। क्या इन लोगों का कोई अधिकार नहीं? क्या इन्हें सिर्फ "मोक्ष" के नाम पर छोड़ देना ही समाधान है? आज जरूरत है कि समाज और प्रशासन दोनों इस दर्द को समझें और आगे आएं—ताकि कोई भी इंसान यूं "लावारिस" होकर जिंदगी और मौत के बीच न छूटे।

### इनका कहना है

वर्तमान हजारों जिंदगियां सड़कों पर हैं अनेक लोगों को अस्तपालों से हमारे पास पहुंचा दिया जाता है, इसके बाद प्रशासन अपने कर्तव्य से इतिश्री कर लेता है, क्या यही उनका जीवन रह गया है, तो मन में सवाल उठता है, जैसे- तैंसे हम अपने सीमित संसाधनों से उनको जिंदा रखने का प्रयास करते हैं परंतु कब तक यह कहना मुश्किल होता है, शासन प्रशासन से उनको कोई मदद नहीं मिलती है। जब तक ईश्वर शक्ति दे रहा है तब तक यह सब चल रहा है। बाकी ईश्वर के ऊपर है।

आशीष ठाकुर
संचालक
मोक्ष मानव सेवा जन उत्थान समिति

# पुख्ता प्रमाण न हों तो मात्र अंकसूची को नहीं माना जा सकता सजा का ठोस आधार

## हाईकोर्ट का अहम फैसला

**जबलपुर।** मप्र हाईकोर्ट ने एक अहम आदेश में किया कि यदि पीड़िता की आयु को लेकर पुख्ता प्रमाण न हों और वह संदेह के दायरे में हो, तो मात्र अंकसूची में अंकित जन्मतिथि को सजा का ठोस आधार नहीं माना जा सकता। जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस अवनीन्द्र कुमार सिंह की डिवीजन बेंच ने कहा कि जब उम्र के साक्ष्य ही विवादास्पद हों, तो मार्कशीट को अंतिम सत्य के रूप में स्वीकार करना उचित नहीं है। कोर्ट ने कहा कि पीड़िता के बालिग होने की प्रबल संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसके चलते ट्रायल कोर्ट द्वारा आरोपी को दी गई सजा को निरस्त कर दिया गया।

अभियोजन के अनुसार, रायसेन जिले के बाड़ी थाना में नर्मदापुरम के पिपरिया निवासी दिनेश वर्मा लोधी पर अपहरण और दुष्कर्म के आरोप लगे थे। इस प्रकरण में निचली अदालत ने 21 फरवरी 2025 को अपना फैसला सुनाते हुए आरोपी को दोषी करार दिया था। उसे 15 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। ट्रायल कोर्ट के इस आदेश को चुनौती देते हुए आरोपी ने हाईकोर्ट में अपील प्रस्तुत की थी। उसकी ओर से दलील दी गई कि पीड़िता घटना के समय वयस्क थी और उसने अपनी स्वेच्छा से आरोपी के साथ जीवन व्यतीत करने का निर्णय लिया था।सुनवाई के दौरान दस्तावेजों के सूक्ष्म परीक्षण में कई खामियां उजागर हुईं। कोर्ट ने पाया कि स्कूल के दाखिल खारिज रजिस्टर में जन्मतिथि के महीने वाले कॉलम में ओवरराइटिंग की गई थी। संबंधित स्कूल के शिक्षक ने भी गवाही में स्वीकार किया कि बिना किसी आधिकारिक प्रमाण पत्र के केवल पिता के मौखिक कथन के आधार पर जन्मतिथि दर्ज की गई थी। पीड़िता के पिता ने भी अदालत में माना कि बच्चों की जन्मतिथि केवल अनुमान के आधार पर लिखवाई गई थी। यह तथ्य भी सामने आया कि पीड़िता और आरोपी ने 8 मार्च 2021 को बोरास मंदिर में रीति-रिवाज से विवाह किया था और वे वैवाहिक जीवन जी रहे थे। पीड़िता ने स्वयं अपने बयानों में किसी भी प्रकार की जबरदस्ती या गलत घटना से साफ मना किया था और अपनी आयु 19 वर्ष बताई थी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No. : MPHIN/2008/24240